हिन्दी दैनिक

पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, रविवार | 16 मार्च 2025 | वर्ष : 03 | अंक : 72 | पृष्ठ - 12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

कांग्रेस ने असम में शांति कायम नहीं होने दी, प्रधानमंत्री मोदी ने इसे बहाल किया: शाह

एजेंसी

नई दिल्ली: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस ने असम में शांति कायम नहीं होने दी लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे बहाल किया, बुनियादी ढांचे का विकास किया और पूर्वोत्तर राज्य के युवाओं के लिए रोजगार सुनिश्चित किया।शाह ने यहां नवीनीकृत लचित बरफुकन पुलिस अकादमी का उद्घाटन करने के बाद यह बात कही। उन्होंने कहा, ह्यद्यपिछले 10 वर्षों के दौरान असम में 10,000 से अधिक युवा हथियार डालकर मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं और राज्य में शांति लौट आई है।शाह ने कहा कि नरेन्द्र मोदी नीत सरकार असम में हाल ही में आयोजित व्यावसायिक सम्मेलन में प्रस्तावित पांच लाख करोड़ रुपये के निवेश के अलावा तीन लाख करोड़ रुपये की बुनियादी ढांचा परियोजनाएं लाएगी।गृह मंत्री ने कहा, असम में पुलिस पहले आतंकवादियों से लड़ने के लिए थी, लेकिन अब यह लोगों की मदद के लिए है और इसके कारण पिछले

सरकार की तरफ से खुली छूट है, एनकाउंटर की जरूरत हो तो करो

अरकसंतोष कुमार की मौत के बाद डिप्टी सीएम का बड़ा बयान

बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने पुलिसकर्मी की मौत पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह घटना दुखद है। मामले में सरकार कार्रवाई करेगी. अपराध को खत्म करने के लिए सरकार कार्रवाई कर रही है। सुशासन के लिए हम सत्ता में हैं और एक्शन लेंगे।

एजेंसी

पटना: बिहार के मुंगेर जिले के नंदलपुर गांव में एक परिवार द्वारा कथित तौर पर हमला किए जाने के बाद सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) संतोष कुमार सिंह ने 14 मार्च को पटना के एक अस्पताल में दम तोड़ दिया। एसडीपीओ अभिषेक आनंद के अनुसार, एएसआई संतोष कुमार सिंह की मुंगेर में कुछ लोगों द्वारा किए गए हमले के बाद मौत हो गई। वह मुफस्सिल पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत नंदलपुर गांव में रणवीर कुमार नामक एक व्यक्ति के परिवार द्वारा को सुलझाने का प्रयास कर रहे थे। इस दौरान एएसआई संतोष कुमार पर धारदार हथियार से किसी ने हमला कर दिया। इस हमले में वो गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हमले के बाद पुलिस टीम ने आरोपी गुड्डू यादव को गिरफ्तार कर लिया। टीम उसे लेकर मुख्य आरोपी को पकड़ने जा रही थी। इसी दौरान गाड़ी हादसे का शिकार हो गई। इसमें रलड सहित 4 पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं। पुलिस ने बताया कि हादसे के बाद गिरफ्तार गुड्डू यादव ने सिपाही का हथियार छीन लिया। आत्मरक्षा में पुलिस ने अपराधी को पैर

में गोली मारी, जिससे वो घायल हो गया। सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है।बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने पुलिसकर्मी की मौत पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह घटना दुखद है। मामले में सरकार कार्रवाई करेगी. अपराध को खत्म करने के लिए सरकार कार्रवाई कर रही है। सुशासन के लिए हम सत्ता में हैं और एक्शन लेंगे। प्रशासन पर कोई हमला नहीं कर सकता। लोगों को चिन्हित करेंगे और प्रशासन समझाएगा। अपराधी जो भाषा में समझता है उसी भाषा में समझाएं। अगर एनकाउंटर की जरूरत हो तो करो। सरकार की तरफ से खुली छूट है जिस भाषा में अपराधी समझता है उस भाषा में समझाएं। पुलिस टीमों ने अपराधियों को पकड़ाअधिकारी ने बताया कि कथित तौर पर नशे में धुत हमलावर फरार हो गए हैं और उन्हें पकड़ने के लिए पुलिस टीमें गठित की गई हैं। घटना का ब्यौरा साझा करते हुए एसपी मसूद ने बताया, घटना तब सामने आई जब मुंगेर पुलिस को देर शाम सूचना मिली कि नंदलपुर गांव में एक परिवार शराब के नशे में हंगामा कर रहा है। अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचने पर एएसआई सिंह पर परिवार के सदस्यों ने हमला कर दिया, जिससे उनके सिर पर चोट लग गई और वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया और बाद में पटना के एक अस्पताल में रेफर कर दिया गया।एसमी मसूद ने कहा कि हमले के लिए जिम्मेदार परिवार फिलहाल फरार है। हमने उन्हें पकड़ने के लिए टीमें बनाई हैं और जल्द ही गिरफ्तारियां की जाएंगी। पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया है और हमले के लिए जिम्मेदार परिस्थितियों की जांच कर रही है। इससे पहले 13 मार्च को इसी तरह की एक घटना में अररिया के फुलकाहा थाने में पदस्थापित एएसआई राजीव रंजन की मौत हो गई थी, लक्ष्मीपुर गांव में एक शादी समारोह में अपराधी को गिरफ्तार करने गई पुलिस टीम और ग्रामीणों के बीच झड़प हो गई थी।

बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने पुलिसकर्मी की मौत पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह घटना दुखद है।

आईफा की सिल्वर जुबली पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दी शुभकामनाएँ, बताया इसे बहुत ही महत्वपूर्ण उपलब्धि

एजेंसी

नई दिल्ली: आईफा के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर नरेंद्र मोदी द्वारा जारी पत्र साझा किया गया। इसमें लिखा था, मैं अंतर्राष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी (क्क्रक्ष्ह्र) पुरस्कारों के 25वें संस्करण के बारे में जानकर प्रसन्न हूँ। यह ढाई दशक की यात्रा उन सभी लोगों की प्रतिबद्धता को दशार्ती है जिन्होंने आईफा को वास्तव में वैश्विक घटना बनाने में योगदान दिया है- निमार्ता, निर्देशक, कलाकार, संगीतकार, तकनीशियन और अन्य उद्योग पेशेवर, और सबसे महत्वपूर्ण बात, दुनिया भर के दर्शक। आईफा के लिए यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण उपलब्धि है।नोट में भारतीय सिनेमा के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को मान्यता देने और इन सभी वर्षों में नए दर्शकों को फिल्मों के जादू से परिचित कराने के लिए आईफा की भी प्रशंसा की गई। नोट में लिखा गया है। आईफा जैसे मंच यह सुनिश्चित करते हैं कि इस तरह की सिनेमाई प्रतिभा का जश्न मनाया जाए और उसे प्रोत्साहित किया जाए। नोट के अंत में लिखा गया है कि आईफा का यह 25वां संस्करण बहुत सफल हो। यह अगले 25 वर्षों के विकास और उपलब्धियों के लिए प्रेरणा बने। आईफा द्वारा साझा किए गए पोस्ट के कैप्शन का एक अंश इस प्रकार है जैसा कि हम अंतर्राष्ट्रीय आईफा के 25 शानदार वर्षों का जश्न मना रहे हैं, हमें माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से यह विशेष संदेश प्राप्त करने पर बहुत गर्व है, जिसमें आईफा की यात्रा और भारतीय सिनेमा को दुनिया भर में ले जाने में इसकी भूमिका को मान्यता दी गई है।इस साल जयपुर में 8 और 9 मार्च को डिजिटल फिल्म अवॉर्ड्स और थिएट्रिकल रिलीज के लिए दो समारोह आयोजित किए गए। लापता लेडीज रात की सबसे बड़ी विजेता बनकर उभरी,

सिर्फ 30 मिनट में बेंगलुरु से चेन्नई, भारत की पहली हाइपरलूप ट्रेन पर क्या बोले केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली: केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने आईआईटी मद्रास थाईयूर परिसर में भारत के पहले हाइपरलूप टेस्ट ट्रैक का निरीक्षण किया। केंद्रीय रेल मंत्री ने कहा कि यह नया प्रयोग है। रेलवे और इंडस्ट्री की तरफ से इसमें पूरी सहायता की जा रही है। इसे विकसित किया जा रहा है। हमें बहुत गर्व है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में इतनी अच्छी वृद्धि हुई है। उनके कार्यकाल के दौरान, इलेक्ट्रॉनिक्स अब दूसरा सबसे बड़ा निर्यात आइटम बन गया है, और यह दोहरे अंकों की विकास दर से तेजी से बढ़ रहा है। बहुत प्रगति हुई है। मैं यह भी घोषणा करना चाहूंगा कि 1,112 करोड़ रुपये के निवेश से दो नए विनिर्माण क्लस्टर स्थापित किए जा रहे हैं। 'लेविटेशन' मोड से उनका क्या मतलब है, यह समझाते हुए भाजपा नेता ने कहा कि ऐसे चुंबकीय क्षेत्र होंगे जो पॉड को ट्रैक के ऊपर उठाएंगे। यह मूल रूप से ऊपर जाता है, फिर चलता है। यही हाइपरलूप का सिद्धांत है। उन्होंने पॉड को ट्रांसपोर्टिंग मैकेनिज्म और ट्यूब को ट्रांसपोर्टेशन मीडियम कहा।

दिल्ली हज कमेटी की चेयरपर्सन ने दी इफ्तार पार्टी, सीएम-स्पीकर समेत तमाम भाजपा नेता हुए शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली: दिल्ली हज कमेटी की चेयरपर्सन और बीजेपी नेता ने कौसर जहां ने होली पर्व के अगले दिन यानी 15 मार्च को अपने आवास पर इफ्तार पार्टी दी। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि आज बहुत खुशी का मौका है कि दिल्ली हज समिति की अध्यक्ष कौसर जहां ने यहां इफ्तार पार्टी का आयोजन किया है, मुझे भी इसमें शामिल होने का अवसर मिला है। सभी का मिलना यह संदेश देता है कि यह सरकार दिल्ली में बहुत सामंजस्य के साथ काम करने वाली है। दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट ने कहा कि मेरा मानना ??है कि होली और रमजान का महीना भाईचारा और सद्भावना

बढ़ाता है।उन्होंने आगे कहा कि जो लोग 11 साल से सत्ता में थे, उनका सत्ता का मोह अभी भी भंग नहीं हो पा रहा है। हमने जो भी वादे किए हैं, उन्हें 100% पूरा किया जाएगा... ये (अअढ) भ्रष्टाचार में लिप्त लोग हैं यह कोर्ट ने साबित कर दिया है। भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर में इफ्तार में शामिल होने पर कहा, "हम इफ्तार की दावत में आए हैं... त्यौहार साथ-साथ चलते हैं, कहीं कोई विवाद नहीं है। पूरे उत्तर प्रदेश, संभल में सब कुछ नियंत्रण में था, लेकिन झारखंड में नहीं। हम एक-दूसरे के साथ खुशियां बांटते हैं, इसमें कभी कोई विवाद नहीं हुआ। विपक्ष के लोगों ने अपने बयानों से विवाद पैदा किया है।दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि देश सामाजिक सद्भाव के साथ आगे बढ़े, तरक्की करे और इस देश में सबके लिए जगह है। सभी के दिल में जगह है, भारत एक विशाल लोकतंत्र है और इस लोकतंत्र में हम सभी

जैसा बीज बोया जाता है, वैसा ही पौधा उगता है, तेज प्रताप के होली वाले ठुमके पर भड़के बिहार के डिप्टी सीएम

एजेंसी

पटना: पटना में अपने आवास पर होली समारोह में नाचने के राजद नेता तेज प्रताप यादव के निर्देश का पालन करने वाले पुलिसकर्मी के वीडियो पर, बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि जैसा बीज बोया जाता है, वैसा ही पौधा उगता है। राजद की संस्कृति वही है जो जंगलराज के दौरान थी। इसमें कुछ भी नया नहीं है। राजद की संस्कृति कानून की धज्जियां उड़ाना, संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति का मजाक उड़ाना है। पटना में अपने आवास पर होली समारोह में नाचने के

राजद नेता तेज प्रताप यादव के निर्देश का पालन करने वाले पुलिसकर्मी के वीडियो पर, भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा कि जैसे पिता वैसे पुत्र। पिता मुख्यमंत्री थे, परिवार की सत्ता थी, बिहार को जंगलराज बनाए रखा था। उन्होंने कानून को अपने इशारों पर नचाया। अब वह सत्ता से बाहर हैं लेकिन उनका उ्ढअ वही है, वह जंगलराज वापस लाना चाहते हैं। कानून और वर्दी पहनने वाले व्यक्ति का सम्मान करने के बजाय, तेज प्रताप यादव ने वर्दी पहनने वाले व्यक्ति का जो अपमान किया है, उससे पता चलता है कि जंगल राज उनकी मानसिकता, उ्ढअ में है, लेकिन उन्हें यह समझना चाहिए कि बिहार अब बदल गया है। अब यहां सुशासन है।राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेज प्रताप यादव का पटना में अपने आवास पर होली समारोह ।

जो पाकिस्तान गए वो कायर, हम भागेंगे नहीं, मस्जिदों को कवर करने पर भड़के ओवैसी

एजेंसी

नइ दिल्ली: एआईएमआईएम प्रमुख और लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने मुसलमानों से होली के दौरान घर के अंदर रहने या खुद को ढकने के आह्वान के बाद एक तीखा संदेश दिया। उन्होंने समुदाय की ताकत का परिचय देते हुए कहा कि हम भागेंगे नहीं, हम कायर नहीं हैं। तेलंगाना के हैदराबाद में चौक-ए-मस्जिद में एक सभा को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि अगर आप इतने डरे हुए हैं, तो आपको

नमाज नहीं पढ़नी चाहिए और घर के अंदर रहना चाहिए। वे कहते हैं कि जैसे हमने अपनी मस्जिदों को ढक रखा है, वैसे ही हमें खुद को भी ढकना चाहिए, या फिर घर के अंदर रहना चाहिए। उनकी टिप्पणी कुछ अधिकारियों के बयानों के जवाब में आई है, जिसमें मुसलमानों को सलाह दी गई है कि अगर वे होली के दौरान रंग नहीं लगाना चाहते हैं तो उन्हें घर के अंदर रहना चाहिए। उल्लेखनीय है कि 6 मार्च को उत्तर प्रदेश के संभल में सर्किल ऑफिसर अनुज चौधरी ने सुझाव दिया था कि जो लोग रंगों से असहज हैं,

गरीबों में क्यों नहीं बांटा जा रहा मंदिरों का सोना-चांदी?

Waqf Bill पर भड़गे मौलाना जवाद नकवी

एजेंसी

नई दिल्ली: प्रभावशाली शिया धर्मगुरु मौलाना सैयद कल्बे जवाद नकवी ने वक्फ संशोधन विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि इसने अपने विचार-विमर्श में त्रुटिपूर्ण प्रक्रिया अपनाई है। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, धर्मगुरु ने कहा कि सभी वक़्फ संपत्तियाँ सार्वजनिक संपत्ति हैं क्योंकि जनता ने उन्हें अच्छे कामों के लिए दान किया है। वक़्फ बोर्ड सिर्फ.चौकीदार है, मालिक नहीं। जैसे केंद्र सरकार भारत की चौकीदार है, मालिक नहीं। आप कश्मीर का नियंत्रण किसी और को, पाकिस्तान को नहीं दे सकते क्योंकि सरकार देश की मालिक नहीं बल्कि चौकीदार है। नकवी ने आगे कहा कि दूसरी बात यह है कि आप वक़्फ के लिए कह रहे हैं कि इससे गरीबों को फायदा होगा। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि 5 लाख से ज्यादा मंदिर हैं और मंदिरों में हजारों टन सोना-चाँदी है। इसे गरीबों में क्यों नहीं बांटा जा रहा? इन मंदिरों में इतना सोना है कि अगर इसे बाँट दिया जाए तो हर गरीब हिंदू अमीर बन जाएगा। दूसरी बात ये कि अगर ये सोना वापस रिजर्व बैंक में चला जाए तो डॉलर 20 रुपये पर आ जाएगा और महंगाई खत्म हो जाएगी।

भगवान भरोसे बिहार, सोई हुई सरकार; कानून व्यवस्था पर तेजस्वी ने सीएम नीतीश को घेरा

एजेंसी

पटना: बिहार की कानून व्यवस्था पर निशाना साधते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि राज्य में अपराध बढ़ रहे हैं, सरकार सोई हुई है। मुख्यमंत्री अचेत हैं। सीएम नीतीश कुमार के राज में पुलिस भी सुरक्षित नहीं है। अपराधी बेलगाम हैं क्योंकि सत्ता में बैठे लोग उन्हें संरक्षण दे रहे हैं।

बिहार की कानून व्यवस्था को लेकर नेता प्रतिपक्ष और पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने नीतीश सरकार पर हमला बोला। तेजस्वी ने कहा कि 20 वर्षों की ठऊअ सरकार में बिहार में सत्ता संरक्षित, सत्ता संपोषित और सत्ता प्रायोजित अपराध सब रिकॉर्ड तोड़ चुका है। सत्ता, अपराधी और पुलिस के गठजोड़ ने नागरिकों का जीना मुहाल कर कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ा रखी है। बिहार भगवान भरोसे चल रही है।

सोशल मीडिया एक्स पर तेजस्वी ने पोस्ट करते हुए कहा कि अपराधियों द्वारा पुलिस अधिकारियों

की हत्या हो रही है। प्रति माह सैकड़ों हत्याएं हो रही है। मुख्यमंत्री विधि व्यवस्था को लेकर बेसुध है। बिहार में सरकार गहरी नींद में सोई हुई है। तेजस्वी ने कहा कि नीतीश कुमार का एक ही फॉमूर्ला है। सबकुछ जाए भाड़ में, सिर्फ कुर्सी की जुगाड़ में हैं।वहीं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव नौबतपुर हत्याकांड के पीड़ित परिजनो से मिलने एम्स पटना पहुंचे। उन्होंने पार्टी की तरफ से पीड़ितों को हर संभव मदद करने का आश्वाशन दिया। उन्होंने कहा कि बिहार पुलिस की अपराध के मामलों में दोष सिद्धि दर सबसे कम है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अधीन बिहार पुलिस अपराधी की आपराधिक पृष्ठभूमि के बजाय उनकी क्रय शक्ति को अधिक तवज्जो देती है। इसी का प्रतिफल है कि तस्कर, शराब माफि या और अपराधी वरीय अधिकारियों के बिजनेस पार्टनर बने हुए है। एक विशेष टैक्स के कारण प्रदेश में काबिल अधिकारियों की बजाय भ्रष्ट, नकारा, अक्षम और अयोग्य अधिकारियों की पोस्टिंग की जाती है। बिहार के थानों में व्याप्त रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार ने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए है।

गायत्री परिवार के सक्रिय संरक्षक बिंदेश्वरी मिश्र को दी गई श्रद्धांजलि

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

तेघड़ा /बेगूसरायगायत्री परिवार तेघड़ा बेगूसराय के संरक्षक तेघड़ा नगर परिषद 4 निवासी बिंदेश्वरी मिश्र के स्वर्गवास होने उपरांत 14 मार्च शुक्रवार को दनियालपुर वार्ड संख्या 4 उनके आवासीय परिसर में गायत्री परिवार तेघड़ा की ओर से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षाविद राम सुमिरन महाराज ने किया। जबकि कार्यक्रम का संचालन दहिया महाविद्यालय (भगवानपुर) के प्राचार्य श्याम सुंदर राय के द्वारा किया गया । मौके पर युग चेतना के प्रेरक बिंदेश्वरी मिश्र के तैलीय चित्र पर पुष्प अर्पित कर दिवंगत आत्मा की शांति हेतु मौन मानसिक प्रार्थना करते कार्यकताओं ने अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए प्राचार्य श्याम सुंदर राय ने कहा कि वे गायत्री परिवार के वरिष्ठ कार्यकर्ता थे 1977 से ही गायत्री शक्तिपीठ निर्माण में जुड़े रहे और पुस्तक मेला प्रदर्शनी एवं यज्ञ कार्यक्रम संपन्न कराने में उनकी प्रशंसनीय भागीदारी होती थी। उनका असामयिक निधन से गायत्री परिवार और पूरे समाज को अपूर्णिय क्षति हुई है। जिसकी भरपाई संभव नहीं है। भाई अरविंद झा ने बताया कि हमारे निष्ठावान कार्यकर्ता का असमय निधन होने से सभी परिजनों को दुःख हुआ है। वही जवाहर चौधरी ने बताया कि जिस प्रकार से स्मृति शेष बिंदेश्वरी मिश्र ने परम पूज्य गुरुदेव का कार्य पूरी तत्परता से किया उसे कभी नहीं भुलाया जा सकेगा। और यह बहुत बड़ी अपूरणीय क्षति है । सभी कार्यकताओं ने दिवंगत आत्मा के शांति की कामना की। इस दौरान प्राचार्य श्याम सुंदर राय के द्वारा भावभीनी पूर्ण संगीत की प्रस्तुति की गई। मौके पर वकील महाराज, राजीव जी, कौशल किशोर, अमरदीप कुमार के अलावे भारी संख्या में साहित्य और आध्यात्मिक से जुड़े लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान सावरमल अग्रवाल, एड. जितेंद्र सिंह बीजावत, रामधन टाक, दिनेश खेमावाला, रामबाबू सैन, जगदीश शर्मा, मदनलाल विजयवर्गीय, पवन कुमार माहेश्वरी, श्रीराम बटवाल, मालचंद बुनकर, राम सिंह दादरवाल, हेमराज कुमावत, अमित गोठवाल, राजेंद्र भात्रा, रमेश राजपाल आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

समस्तीपुरः होली पर मोहनपुर में ताबड़तोड़ फायरिंग, ग्रामीण चिकित्सक समेत दो को मारी गोली

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद

समस्तीपुर : होली के उमंग के बीच समस्तीपुर जिले के मोहनपुर थाना क्षेत्र के डूमरी गांव में गोलीबारी की गई। घटना के पीछे पुरानी रंजिश का होना बताया गया है। घटना शुक्रवार की शाम साढ़े छह बजे की बताई गई। इसमें दो व्यक्ति के जख्मी हो गए।

जख्मी की पहचान चपरा दक्षिणी डूमरी गांव के स्व० सुखदेव राय ग्रामीण चिकित्सक पप्पु राय और दिलिप राय के रूप में की गई। बताया गया कि प्पपू किसी मरीज को देखने जा रहे थे। इसी दौरान मुखिया पुत्र राजीव, संजीव और सुजीत आदि ने उसे गोली मारकर जख्मी कर दिया।जख्मी ने बताया कि दो बार उसके उपर फायरिंग की गई। इसमें एक गोली उसके पेट के नीचे लगी। जबकि, दुसरी गोली से एक अन्य का जख्मी होना बताया गया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर छानबीन में जुटी है। जख्मी दोनो को इलाज को लेकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां दोनो का उपचार जारी है। एसपी अशोक मिश्रा ने बताया कि पुरानी रंजीश को लेकर दो पक्षों के बीच आपसी विवाद हुआ। इसी कारण घटना को अंजाम दिया गया। पुलिस टीम छानबीन में जुटी है। पटोरी एसडीओ के नेतृत्व में अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

इंडियन कांग्रेस सिवान जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में अनंत तिवारी दुरौंधा कांग्रेस प्रखण्ड अध्यक्ष पद पर दुबारा निर्वाचित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

इंडियन कांग्रेस के जिला अध्यक्ष श्री डॉक्टर बिंदु शेखर पाण्डेय ने पार्टी आला कमान के निर्देश पर दुरौंधा प्रखण्ड के कामसडा मठिया गांव में पार्टी कार्यकताओं संग बैठक कर सभी के सर्व सहमति से दुरौंधा प्रखण्ड कांग्रेस अध्यक्ष के पद पर श्री अनंत तिवारी को दुबारा निर्वाचित घोषित किया गया। जो श्री अनंत तिवारी पार्टी के सिद्धांतों और चुनौतियों का सामना करते हुए प्रखण्ड में पार्टी को बूथ स्तर से लेकर आगे ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। वही निर्वाचित प्रखण्ड अध्यक्ष ने सभी क्षेत्र वासियों को होली की हार्दिक अभिनन्दन और शुभकामनाएं दी।

समस्तीपुर-रोसड़ा रेलखंड पर 2 हिस्सों में बंटी मिली युवक की लाश, क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद

समस्तीपुर : समस्तीपुर-रोसड़ा रेलखंड पर जितवारपुर बिशनपुर और भगवानपुर देसुआ स्टेशन के बीच रेलवे ट्रैक पर शनिवार की सुबह एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गयी। लाश 2 टुकड़ों में बंटी हुई थी। मृतक की उम्र करीब 40 वर्ष के आसपास की बताई गई है। हालांकि अब तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी हैइधर घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई, लेकिन किसी ने भी शव की पहचान नहीं की। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी मुफस्सिल थाना और रेलवे पुलिस को दी। स्थानीय लोगों ने कहा कि सुबह गांव के लोग रेलवे लाइन की ओर घूमने के लिए गए थे। इसी दौरान लोगों ने रेलवे ट्रैक पर दो टुकड़ों में बंटा युवक का शव देखा। गांव के लोगों ने शोर मचाया तो बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई।माना जा रहा है कि युवक की रात में किसी ट्रेन से कटकर मौत हुई है, हालांकि लोगों ने आशंका यह भी व्यक्त की है कि युवक की कहीं दूसरी जगह हत्या कर लाश को ट्रैक पर रख दिया गया होगा। बाद में ट्रेन से ये कट गया होगा। मृतक के शरीर पर कपड़ा नहीं है। जिससे कई तरह की आशंकाएं व्यक्त की जा रही है।इस संबंध में जीआरपी थाना अध्यक्ष सह इंस्पेक्टर बीपी आलोक ने कहा कि घटना की सूचना पर पुलिस पदाधिकारी को मौके पर भेजा गया। पूरे मामले की जांच की जा रही है। स्थानीय पुलिस को भी सूचना दी गई है, ताकि यह स्पष्ट हो सके की घटनास्थल रेलवे थाना के अधीन है या मुफस्सिल थाने के। इस मामले में सभी बिंदुओं को देखा जा रहा है।

बिहार कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने होली के अवसर पर बिहारवासियों को दी शुभकामनाएं

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना 13 मार्च 2025बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने होली के शुभ अवसर पर समस्त बिहार वासियों को शुभकामना संदेश देते हुए कहा है कि बिहार के लोग मिलजुल कर राज्य के सर्वांगीण विकास का संकल्प लेते हुए सर्वधर्म सद्भाव की पद्धति के तहत इस पावन अवसर को मनाए । उन्होंने कहा कि होली बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है ।यह आपसी मेलजोल तथा भाईचारे को बढ़ाने का पर्व है। इस अवसर पर प्रदेशवासियों को आपसी सौहार्द तथा एकता का अनूठा मिसाल पेश करना चाहिए । उन्होंने कहा कि सामाजिक सद्भाव के मामले में बिहार देश में अव्वल है ।होली के अवसर पर शांति एवं भाईचारे के साथ इस महापर्व को मनाना है ।उन्होंने होली के अवसर पर समस्त बिहार वासियों को खुशहाली एवं तरक्की की शुभकामनाएं दी है।

सुसराल में भिड़े साढ़ू, एक ने दूसरे को कार से कुचल कर मार डाला; होली पर परिवार में मातम

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सासाराम के काराकाट में ससुराल आए दो साढ़ू आपस में भिड़ गए। विवाद इतना बढ़ गया कि एक साढ़ू ने दूसरे को कार से कुचल दिया। जिसके मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हत्या के आरोपी साढ़ू वहां से फरार हो गया। दोनों संझौली थाना क्षेत्र के रहने वाले है। घटना करूप गोपालपुर की है। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों गाड़ियों को कब्जे मे ले लिया है ।बताया जा रहा है कि ससुराल पहुंचे साढ़ूओं में किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। जिससे गुस्साए एक साढ़ू ने दूसरे पर कार चढ़ा दी। जिससे उसकी मौत हो गई। होली पर घटी घटना से परिवार में मातम पसर गया है। वहीं थानाध्यक्ष फूलदेव चौधरी ने बताया की मृतक की शव को पोस्टमार्टम करने के लिए सासाराम के सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

होली में अबीर खेलने रिश्तेदारी जा रहे बाइक सवार की मौत, एक घायल

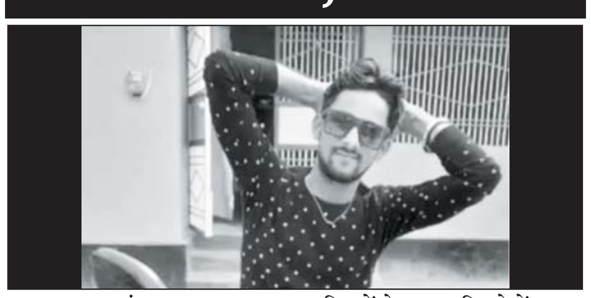

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के धवरी गोपाल के एक युवक की सड़क दुघर्टना में सदर अस्पताल छपरा में इलाज के दौरान मौत हो गई वहीं एक गंभीर रूप से घायल हालत में इलाजरत हैं। मृतक की पहचान मशरक थाना क्षेत्र के धवरी गोपाल गांव निवासी जलेश्वर सिंह का 24 वर्षीय पुत्र रितेश कुमार और घायल तारकेश्वर सिंह का पुत्र सूरज कुमार हैं जो बाइक पर पीछे बैठा था और गंभीर रूप से घायल हालत में इलाज में हैं। परिजनों ने बताया कि दोनों बाइक से रिश्तेदारी में होली मे अबीर लगानें 14 मार्च को बनियापुर गये थें कि वहीं पर अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिसमे दोनो को सदर अस्पताल छपरा में भर्ती कराया गया जहां इलाज के एक की मौत हो गई। मौके पर पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम में भेज दिया। शव पोस्टमार्टम के बाद शनिवार को गांव लाया गया जहां परिजनों में मातम छा गया मृतक अविवाहित हैं और छ भाईयों ने तीसरे नम्बर पर है।

सड़क दुर्घटना की घटना को सांप्रदायिक घटना में बदलने का असफल प्रयास

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर जिले के कल्याणपुर प्रखंड चकमेहसी पंचायत वार्ड नंबर तीन में माहौलभ खराब करने की साजिश रची गयी. स्थानीय निवासी मोहम्मद अकबर का पुत्र मोहम्मद दुलारे मोटरसाइकिल से चकमेहसी बाजार मे खरीदारी करने जा रहा था. सामने से एक दूसरे समुदाय युवक ने मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी, जिसमें अल्पसंख्यक समुदाय का एक लड़का गंभीर रूप से घायल हो गाय घायल लडके ने अपने परिजन को फोन कर घायल लड़के को लाने के लिए उसका भाई और कई लड़के मौके पर पहुंचे, जैसे ही उसके परिजन पहुंचे, वहां पहले से मौजूद असामाजिक तत्वों ने उन पर हमला कर दिया. जिससे अल्पसंख्यक संप्रदाय के लोग डर गये और घबरा गये और किसी तरह अपनी जान बचाकर घर की ओर भाग गये. सूचना मिलते ही चकमेहसी थानाध्यक्ष संतोष कुमार यादव अपने पुलिस पदाधिकारियों के साथ घटना स्थल पर पहुंचे, इसी बीच बहुसंख्यक संप्रदाय के असामाजिक तत्व एक बड़े समूह के साथ आ गये. शाम करीब सात बजे वे लोग एकत्र होकर चकमेहसी पंचायत के अल्पसंख्यक वार्ड नंबर तीन के लोगों पर हमला कर दिया और कई घरों में घुसकर उनके साथ मारपीट की. वहां मौजूद घरों व सामानों को क्षतिग्रस्त कर दिया तथा चकमेहसी पंचायत की पंचायत समिति सदस्य अफसाना परवीन के पति नजरुल इस्लाम एव मोहम्मद मुबारक के साथ मारपीट की। घटना की जानकारी मिलते ही डीएसपी 2 के अध्यक्ष विनय कुमार घटना स्थल पर कई बलों के साथ पहुंचकर इलाके को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया, वहीं जिला पुलिस कप्तान अशोक मिश्रा भी घटना स्थल पर पहुंचे. स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश के दौरान शनिवार को सैकड़ों असामाजिक तत्वों ने अल्पसंख्यक समुदाय के घरों पर हमला करने की कोशिश की. लेकिन प्रशासन की तत्परता और सतर्कता के कारण इन लोगों को वापस लौटना पड़ा. ऐसी कोई अप्रिय घटना नहीं हो रोकने के लिए प्रशासन तैयार है, स्थानीय क्षेत्र में पुलिस चौकसी बढ़ा दी गई है और इलाके को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है. अल्पसंख्यकों में भय व आतंक की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए माले के प्रखंड सचिव दिनेश लाल ने घटनास्थल पर पहुंच कर शांतिप्रिय लोगों से मुलाकात कर स्थिति को बिगड़ने से मिलजुल कर रहने की अपील की है

होली पर पत्नी ने काट दिया पति का प्राइवेट पार्ट; प्रेमी से बात करती पकड़ी गई, तो मार ही डाला

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बिहार के वैशाली जिले में हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। जब होली के दिन फोन पर बात करने के विवाद को लेकर पत्नी इस कदर गुस्साई, कि उसने चाकू से पति का प्राइवेट पार्ट काट दिया। जिसे बाद उसकी दर्दनाक मौत हो गई। बताया जा रहा है कि पत्नी फोन पर प्रेमी से बात कर रही थी। जिसका पति ने विरोध किया, इसी बात से भड़की पत्नी ने पति को ही मार डाला। घटना करताहा थाना क्षेत्र अंतर्गत भगवान भटौली पंचायत के भटौली गांव की है

घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग जुट गए। लोगों ने घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला प्रियंका देवी को हिरासत में ले लिया। महिला से गहन पूछताछ के बाद पुलिस आवश्यक कार्रवाई में जुटी है। जानकारी के अनुसार भटौली निवासी मिथिलेश पासवान और उसकी पत्नी प्रियंका देवी के फोन बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। पति-पत्नी के बीच विवाद धीरे-धीरे बढ़ गया। इसी बात को लेकर पत्नी ने धारदार चाकू से पति का प्राइवेट पार्ट काट दिया।

मारपीट की सूचना पर पहुंचे स्थानीय लोगों की मदद से घायल अवस्था में मिथिलेश पासवान को रेफरल अस्पताल लालगंज लाया गया। डॉक्टर ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला को हिरासत में ले लिया। ?पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। सदर अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराया गया।? ?वहीं एसडीपीओ गोपाल मंडल का कहना है कि होली के दिन पति-पत्नी में किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। जिसके बाद पत्नी ने ईंट से पति के सिर पर हमला कर दिया था। जिससे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हुसैनगंज में लगातार चिकित्सा प्रभारियों के? बदलने को चर्चा का विषय बना

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

संवाददाता हुसैनगंज (सीवान) प्रखंड के स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में विगत एक वर्ष से लगातार प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को उनके प्रभारी पद से मुक्त होने के सिलसिले को लेकर स्वास्थ्य विभाग तथा प्रखंड क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। बताया जाता है कि लगभग एक वर्ष पूर्व चिकित्सा प्रभारी डाक्टर मनीष कुमार के पटना ट्रांसफर होने के पश्चात अभी तक आधा दर्जन डाक्टर हुसैनगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रभारी बन चुके हैं। कोई भी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी अपने दायित्व का निर्वाहन एक वर्ष पूरा नहीं कर पाया है। इस संदर्भ में स्वास्थ्य कर्मियों ने बताया कि प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को बार बार बदलने से अन्य कर्मियों को परिशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उनका वेतन समयानुसार नहीं मिल पा रहा है। वहीं कार्यालय का काम भी समय पर नहीं हो पाता है। डाक्टर के सहकर्मी और कार्यालय में काम करने वाले सहायक भी असमंजस में पड़े रहते हैं कि कब अगला प्रभारी बन जायेगा। एक तरह से कहा जाए तो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हुसैनगंज में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को लेकर राजनीति का अड़ा बना हुआ है। वर्तमान में जो प्रभारी काम कर रहा है उसे भी चिंता सताती रहती है कि कब किसी अगले डाक्टर का प्रभारी बनने का लेटर निकल जाए। स्वास्थ्य कर्मियों ने बताया कि एक वर्ष पूर्व डाक्टर मनीष कुमार के स्थानांतरण होने के बाद अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र करहनु के डाक्टर अंशु अंकित को सिविल सर्जन सीवान द्वारा प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी बनाया गया था। अभी कुछ महीने प्रभारी रह काम कर रहे थे कि डाक्टर मनोज कुमार का पोस्टिंग हुसैनगंज में हुआ। डाक्टर मनोज कुमार को ज्वाइन करते ही सिनियरिटी के आधार पर सिविल सर्जन द्वारा डाक्टर अंशु अंकित को हटा कर डाक्टर मनोज कुमार को प्रभारी बनाया गया. सब कुछ ठीक ठाक चल रहा था इस बीच किसी बात को लेकर डाक्टर मनोज कुमार प्रभारी से हटा कर डाक्टर कन्हैया जी चौधरी को प्रभारी बनाया गया। अभी कुछ महीने डाक्टर कन्हैया जी प्रभारी बने ही थे कि उन्हें हटा कर पुनः डाक्टर अंशु अंकित को प्रभारी बनाया गया। अंशु अंकित अभी अपने स्वास्थ्य केंद्र का अवलोकन कर कर्तव्यों का निर्वहन कर ही रहे थे कि उन्हें भी प्रभारी से हटा कर डाक्टर निरज कुमार को प्रभारी बनाया गया। परन्तु डाक्टर निरज स्वास्थ्य केंद्र में बार बार प्रभारियों के हटाने को लेकर स्वास्थ्य विभाग में पत्र के माध्यम से प्रभारी नहीं बनने की इच्छा व्यक्त किया। उनके प्रभारी नहीं बनने पर पुनः डाक्टर कन्हैया जी को प्रभारी बनाया गया। इस बीच कुछ सप्ताह के बाद सिविल सर्जन सीवान द्वारा 13 मार्च 2025 को पत्र जारी करते हुए डाक्टर कन्हैया जी चौधरी को प्रभारी से हटा कर पुनः अंशु अंकित को प्रभारी बनाया गया है। इधर हुसैनगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कहा जा रहा है कि शाम में कोई प्रभारी रह रहा है सुबह होते ही कोई अन्य प्रभारी बन जा रहा है। सिविल सर्जन सीवान द्वारा बार बार प्रभारियों के बदलने से डाक्टरों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों में चिंता का विषय बना रहता है कि हमलोगों का वेतन समय पर मिलेगा की नहीं। इधर हिन्दुओं के बड़े त्योहार होली में स्वास्थ्य कर्मियों सहित डाक्टरों का वेतन प्रभारियों के बार बार बदलने के कारण नहीं मिला। वहीं मुस्लिम समुदाय का रमजान के पवित्र महीना चल रहा है। अब उन्हें भी चिंता सता रही है कि ईद में भी वेतन मिलेगा कि नहीं। स्वास्थ्य कर्मियों ने कहा कि सिविल सर्जन द्वारा बार बार प्रभारी बदलने से विभागीय कामों पर निगेटिव प्रभाव पड़ता है। इस बात पर सिविल सर्जन को विशेष ध्यान देते हुए किसी भी डाक्टर को प्रभारी बनाने के पूर्व सही ढंग से समीक्षोंपरांत निर्णय लेना चाहिए।

शांति पूर्ण ढंग से होली सम्पन्न

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

हुसैनगंज प्रखंड में होली का त्योहार शांति पूर्वक ढंग से सम्पन्न हुआ। प्रखंड क्षेत्र में कहीं से भी किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना की सूचना नहीं है. रमजान में शुक्रवार को मस्जिदों में नमाज अपने समयानुसार रोजेदारों द्वारा अदा की गई। सभी हिंदू समुदाय के लोग अपने मुहल्ले और अपने परिवारों में जम कर होली मनाते हुए एक दुसरे को गले लगाते हुए होली की शुभकामनाएं दी. इधर प्रशासन भी जुमे की नमाज और होली को लेकर बहु मुस्तैद रही। चारों तरफ पुलिस और मजिस्ट्रेट की गस्ती चल रही थी। युवकों ने सुबह में कपड़े फाड़ व रंग सहित होली खेले उसके बाद दोपहर से गुलाल अबीर एक दुसरे को लगा कर गले मिले। इस अवसर पर महिलायें, बच्चें भी बहुत अच्छे ढंग से होली मनाये।

प्रखंड भर में धूमधाम से मनी होली शांति से जुम्मे की अदा की गई नमाज

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

● प्रखंड भर में होली का त्योहार धूमधाम से मनाया गया।

तेघड़ा/ बेगूसराय लोगों ने होली के खास मौके पर एक दूसरे को रंग लगाया। वहीं इस्लामी महीने रमजान के दूसरे शुक्रवार की नमाज भी पढ़ी गई। मौके पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम देखने को मिला। मौके पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी सहित अन्य पार्टियों के नेताओं ने भी हिंदू मुस्लिम एकता के मिसाल को कायम रखने को लेकर नमाज के समय एक जुटता के साथ विभिन्न मस्जिदों के क्षेत्र में भ्रमण करते हुए शांतिपूर्वक होली और रमजान के जुम्मे की नमाजियों को भी बधाई दी। इस अनोखे संगम ने यह साबित कर दिया कि धर्म का असली रूप, प्रेम सौहार्द और इंसानियत है। जिस तरह गुलाल के रंग और रमजान की इबादत एक साथ घूमती दिखी वह समाज को यह संदेश देती है कि त्योहार मनाने का असली मकसद एक दूसरे से जोड़ना है।ई सुबह से ही लोगों ने एक दूसरे को रंग और गुलाल लगाए।इसके साथ ही एक-दूसरे को बधाई दी ।वहीं, होली के दिन ही इस्लामी महीने रमजान के दूसरे शुक्रवार की नमाज भी पढ़ी गई।इसको देखते हुए तेघड़ा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी डॉ रविंद्र मोहन प्रसाद के नेतृत्व में अनुमंडल के विभिन्न थाना क्षेत्र में होली पर्व के दिन विधि व्यवस्था एवं सुरक्षा के दृष्टिकोण से लगातार भ्रमण करते हुए। लोगों से शांतिपूर्ण माहौल में प्रेम ,भाईचारा के साथ होली पर्व मनाने की अपील के साथ प्रतिबंधित डीजे, अश्लील गाना उपयोग करने वालों पर सख्त कार्रवाई का भी निर्देश दिए जा रहे थे। तेघड़ा , के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में थाना अध्यक्ष अमलेश कुमार खुद कमान संभाले हुए थे। वहीं फुलवड़िया एवं बारो क्षेत्र में भी थाना अध्यक्ष दिवाकर प्रसाद के सक्रियता से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम देखने को मिला इस बार दो दिवसीय होली मनाई गई। 13 मार्च की रात्रि को होलिका दहन एवं 14 मार्च एवं 15 मार्च होली का पर्व मनाया गया। होली का पर्व संपन्न करना प्रशासन की प्राथमिकता के तौर पर विभिन्न चौक चौराहों पर दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारीयों की प्रतिनियुक्ति की गई। और क्षेत्र में लगातार गस्ती के माध्यम से विधि व्यवस्था पर नजर रखा गया।

होली के बाद काम पर वापसी होगी आसान, बिहार के इन शहरों से चलेंगी स्पेशल ट्रेनें, देखें पूरी लिस्ट

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बिहार में होली की धूम दो दिन तक रही। 14 और 15 मार्च को होली की मनाई गई। अब अपने-अपने शहरों से काम पर वापसी भी शुरू होने वाली है। ऐसे में यात्रियों की सहूलियत का ध्यान रखते हुए पूर्व मध्य रेलवे ने बिहार से कई शहरों से स्पेशल ट्रेनें चलाई हैं। जो तमाम शहरों से होकर गुजरेंगी। पटना, दानापुर, राजगीर, गया, मुजफ्फरपुर, बरौनी,सहरसा, दरभंगा, जयनगर, रक्सौल, सीतामढ़ी और पूर्व मध्य रेल क्षेत्राधिकार से खुलने वाली स्पेशल ट्रेनों का विवरण

पटना/दानापुर/राजगीर से खुलने वाली स्पेशल ट्रेनें

1.गाड़ी सं. 02435 पटना-नई दिल्ली वंदे भारत स्पेशल (डीडीयू-प्रयागराज के रास्ते) - गाड़ी सं. 02435 पटना-नई दिल्ली स्पेशल 21 मार्च, 2025 तक (प्रत्येक मंगलवार को छोड़कर सप्ताह के छः दिन) पटना से 08.30 बजे खुलकर उसी दिन 20.10 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी ।2.गाड़ी सं. 02393 राजेन्द्रनगर-नई दिल्ली क्लोन स्पेशल (डीडीयू-प्रयागराज के रास्ते) - गाड़ी सं. 02393 राजेन्द्रनगर-नई दिल्ली क्लोन स्पेशल 31 मार्च, 2025 तक गुरूवार को छोड़कर सप्ताह के शेष छः दिन राजेन्द्रनगर से 19.45 बजे खुलकर अगले दिन 12.10 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी ।3.गाड़ी सं. 03257 दानापुर-आनंद विहार स्पेशल (डीडीयू-प्रयागराज के रास्ते) - गाड़ी सं. 03257 दानापुर-आनंद विहार स्पेशल 16, 23 एवं 30 मार्च, 2025 को दानापुर से 07.30 बजे खुलकर देर रात्रि 12.30 बजे आनंद पहुंचेगी ।4.गाड़ी संख्या 04061 पटना-दिल्ली सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशल (डीडीयू-प्रयागराज-गाजियाबाद के रास्ते)ः गाड़ी संख्या 04061 पटना-दिल्ली सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशल 18 मार्च, 2025 तक प्रतिदिन से पटना से 17.50 बजे खुलकर अगले दिन 10.25 बजे दिल्ली पहुंचेगी ।5.गाड़ी संख्या 04069 राजगीर-आनंद विहार सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशल (पटना-डीडीयू-प्रयागराज के रास्ते)ः गाड़ी संख्या 04069 राजगीर-आनंद विहार सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशल 18 मार्च, 2025 को राजगीर से 23.30 बजे खुलकर अगले दिन 02.10 बजे पटना जं. सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए 19.00 बजे आनंद विहार पहुंचेगी ।

मधुबनी जिला में शांति एवं सौहाद्रपूर्ण वातावरण में होली पर्व मनाई मधुबनी एसपी योगेंद्र कुमार ने लिया कई जगह का जायजा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर वसिद्दी

सम्पूर्ण जिले में शांति एवं सौहाद्रपूर्ण वातावरण में होली पर्व मनाई मधुबनी एसपी योगेंद्र कुमार ने लिया कई जगह का जायजा विधिव्यवस्था संधारण को लेकर सम्पूर्ण जिले के सभी महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील स्थानो पर तेज-तर्रार ऑफिसर तैनात है। जिले के 449 स्थानों पर 898 दंडाधिकारी एवम पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गये थे ।शांति भंग करने वाले या कानून कोहाथ में लेने वाले असमाजिक तत्वों पर प्रशासन की पैनी नजर।- स्वयं डीएम अरविन्द कुमार वर्मा एवं एसपी योगेंद्र कुमार पल पल की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है। । सभी प्रखंडों के वरीय अधिकारी भी अपने-अपने प्रखंड की विधि व्यवस्था पर पैनी नजर बनाए हुए थे। किसी भी प्रकार की सूचना या सहायता के लिए जिला नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नंबर 06276-224425 पर करे सकते है संपर्क।- ------ डीपीआरओ,मधुबनी।

आर.पी.एस हॉस्पिटल पंडौल में होली मिलन समारोह का हुआ आयोजन

डॉ.जितेंद्र ठाकुर ने सभी को बधाई दी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर वसिद्दी

मधुबनी जिला के पंडौलआर.पी.एस हॉस्पिटल में होली मिलन समारोह का हुआ आयोजन

होली के अवसर पर हॉस्पिटल की ओर से होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर डॉ.जितेंद्र ठाकुर ने सभी को बधाई दी। वही आरपीएस हॉस्पिटल सकरी के सभी कर्मी को गुलाल लगा कर बधाई दी गयी। मौके पर इलाके के कई गणमान्य उपस्थित थे। जिसमे डॉ. जितेंद्र ठाकुर ने कहा कि होली आपसी मुहब्बत का पैगाम है। इसे सभी लोग हर्षोल्लास के साथ व सावधानी के साथ मनाये। बाजार से गुलाल खरीदने से पहले उसकी शुद्धता कि जांच कर ले। रंग से आँख को बचाए क्यों की आंखों के लिए रंग खतरनाक हो सकता है। मौके पर जिप सदस्य पिंटू मिश्रा, मनोज कुमार चौधरी, चंदन झा, गुड्डू सिंह, जीवछ यादव, प्रमोद सिंह, सतीश कुमार, बब्लू मिश्रा, संजय कुमार धुर्वे समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे।

मुंगेर में ASI के हत्यारे का हाफ एनकाउंटर, पुलिस जीप पलटने के बाद भाग रहा था गुड्डू

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

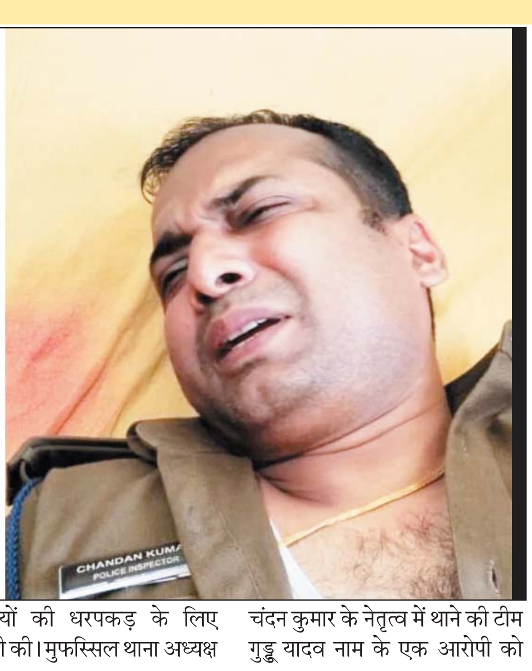

बिहार के मुंगेर जिले में एएसआई संतोष कुमार सिंह के हत्यारे की पुलिस से मुठभेड़ हो गई। बताया जा रहा है कि आरोपियों को पकड़ने गई पुलिस की जीप का शनिवार को एक्सीडेंट हो गया। सड़क हादसे का फायदा उठाकर गुड्डू नाम का एक आरोपी पुलिसकर्मी की राइफल छीनकर भागने लगा। पुलिस फायरिंग में गोली लगने से वह घायल हो गया। उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। सड़क हादसे में चार पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं।

जानकारी के अनुसार मुंगेर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के नंदलालपुर गांव में एएसआई संतोष कुमार सिंह पर अपराधियों ने हमला कर दिया था। धारदार हथियार से हुए हमले में वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। शनिवार सुबह पटना में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी। एएसआई संतोष सिंह पुलिस टीम के साथ दो गुटों के बीच झगड़ा सुलझाने गए थे।एएसआई की मौत के बाद शनिवार सुबह पुलिस टीम ने आरोपियों की धरपकड़ के लिए छापेमारी की। मुफस्सिल थाना अध्यक्ष चंदन कुमार के नेतृत्व में थाने की टीम गुड्डू यादव नाम के एक आरोपी को हिरासत में लेकर अन्य अपराधियों को पकड़ने के लिए जा रही थी। तभी बाखरपुर बगीचा के पास बकरी के झुंड को बचाने के दौरान पुलिस की गाड़ी पलट गई। आरोपी गुड्डू यादव सड़क दुर्घटना का फायदा उठाकर पुलिसकर्मी की राइफल छीनकर भागने लगा।पुलिस ने आत्मरक्षा के दौरान गोली चलाई। गुड्डू के बाएं पैर में गोली लग गई। हादसे में घायल हुए पुलिसकर्मियों का भी मुंगेर सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है। मौके पर मुंगेर एसपी सैयद इमरान मसूद पहुंचे औ घटना की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि एएसआई संतोष सिंह की हत्या के मामले में अब तक चार लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। घायल हुए पुलिसकर्मियों में मुफस्सिल थाना अध्यक्ष चंदन कुमार के अलावा सब इंस्पेक्टर श्रीराम प्रसाद, सिपाही मोहम्मद सैफ अली और चौकीदार रघुनाथ शामिल हैं।

बिहार में फिर होगा खेला! होली पर लालू यादव के शुभकामना संदेश के निकाले जा रहे सियासी मायने

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

होली के मौके पर आरजेडी चीफ लालू प्रसाद यादव ने देशवासियों को शुभकामनाएं दी। उन्होने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि हर पुरानी बात भूलकर आओ करें नई शुरूआत, प्रेम और अपनत्व के भाव से समाज में हो हर बात ! सभी देशवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं। उनके इस शुभकामना संदेश के कई सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। फिर से बिहार में खेला होने की चर्चा तेज हो गई है। लालू की इस पोस्ट ने बाद से बिहार का सियासी पारा चढ़ गया है। लालू के इस संदेश को सियासी ऑफर के तौर पर देखा जा रहा है ।राजद चीफ लालू यादव ने होली पर शुभकामनाएं संदेश देते हुए अपने पोस्ट में लिखा कि हर पुरानी बात भूलकर आओ करें नई शुरूआत। प्रेम और अपनत्व के भाव से समाज में हो हर बात ! सभी देशवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं ! जिसे महागठबंधन में नीतीश कुमार की जेडीयू के शामिल होने का न्यौता माना जा रहा है। इससे पहले भी लालू यादव नीतीश कुमार के लिए दरवाजा खुला होने की बात कह चुके हैं।

पटना में कपड़ा फाड़ होली, तेज प्रताप यादव ने फाग गाकर उड़ाया गुलाल; देखें फोटो-वीडियो

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बिहार की राजधानी पटना में शनिवार को होली का पर्व धूमधाम से मनाया गया। शहर में कई जगह पर लोगों ने कपड़ा फाड़ होली खेली। युवकों ने एक-दूसरे के कपड़े फाड़कर तार और पेड़ों के ऊपर टांग दिए। वहीं, राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बेटे तेज प्रताप ने अपने आवास पर आरजेडी कार्यकताओं के साथ होली खेली। उन्होंने फाग गीत गाकर रंग गुलाल उड़ाए। डिप्टी सीएम विजय सिन्हा समेत अन्य नेताओं ने भी धूमधाम से रंग खेलकर यह पर्व मनाया ।पटना में शनिवार दोपहर को सड़कें सुनसान नजर आईं। बाजार बंद होने से वाहनों की आवाजाही इक्का-दुक्का ही रही। राजेंद्र नगर, कंकड़बाग, हॉर्डिंग रोड, बेली रोड, दानापुर समेत अन्य इलाकों में लोगों ने धूमधाम से रंग खेला। राजधानी के कई मोहल्ले में लोगों ने सड़क पर कपड़ा फाड़ होली खेली। जगह-जगह पेड़ और बिजली के तारों पर कपड़े टंगे हुए नजर आए ।पटना में शनिवार दोपहर को सड़कें सुनसान नजर आईं। बाजार बंद होने से वाहनों की आवाजाही इक्का-दुक्का ही रही। राजेंद्र नगर, कंकड़बाग, हॉर्डिंग रोड, बेली रोड, दानापुर समेत अन्य इलाकों में लोगों ने धूमधाम से रंग खेला। राजधानी के कई मोहल्ले में लोगों ने सड़क पर कपड़ा फाड़ होली खेली। जगह-जगह पेड़ और बिजली के तारों पर कपड़े टंगे हुए नजर आए।

पति-पत्नी का हुआ झगड़ा, बीवी ने छू लिया बिजली का तार; छुड़ाने गई बेटी की भी मौत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बिहार के रोहतास जिले में घरेलू झगड़े के बाद करंट लगने से पत्नी और बेटी की दर्दनाक मौत हो गई। घटना चुटिया थाना क्षेत्र के तिअरा खुर्द पंचायत की है। चरनी पहाड़ी के नीचे स्थित पावर सब स्टेशन से कुछ दूरी पर एक मोटर पंप से करंट लगने की वजह से रामनाथ की पत्नी पार्वती देवी (50) और बेटी प्रतिमा कुमारी (20) की शनिवार को मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है ।घटना की सूचना मिलते ही चुटिया थानाध्यक्ष बिट्टु लाल रंजन दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शवों को अपने कब्जे में ले लिया। सूचना पर मुखिया अरूण चौबे सुनील बैठा सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। रामनाथ राम तिअरा खूर्द पंचायत का मघडी गांव का रहने वाला था। बंटवारे में हिस्सा मिलने पर वह पावर सब स्टेशन के पास घर बनाकर परिवार के साथ रहता था। यहीं पर मोटर पंप लगाकर खेती करता था। बेटी की शादी भी तय हो गई थी ।टंसूत्रों की मानें तो शुक्रवार की रात पति पत्नी में झगड़ा हुआ था। आशंका है कि झगड़ा होने के बाद गुस्साई पत्नी ने बिजली का तार पकड़ लिया और उसे बचाने के क्रम में बेटी भी मर गई। पुलिस पोस्टमार्टम की प्रक्रिया कर रही है। थानाध्यक्ष ने कहा कि पूरे मामले की जांच की जाएगी।

होली पर डीजे बजाने को लेकर चली गोलियां, मुंगेर में 16 साल के लड़के की हत्या

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बिहार के मुंगेर जिले में होली पर डीजे बजाने के विवाद में 16 साल के लड़के की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात मुफस्सिल थाना क्षेत्र के शंकरपुर मिल्की गांव में शुक्रवार को हुई। गाना बजाने को लेकर दो पक्षों में हुई गोलीबारी में एक अन्य युवक घायल हुआ है। उसका गंभीर हालत में अस्पताल में इलाज चल रहा है। वारदात के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मचा है। परिजन के लिए होली की खुशियां मातम में बदल गई हैं ।जानकारी के अनुसार शंकरपुर निवासी गोलू कुमार एवं भोला कुमार अपने घर मिल्की के पास डीजे पर होली का गाना बजा रहे थे। तभी पड़ोस में रहने वाले मंटू यादव, फूको यादव, अनिल यादव,प्रशांत यादव, नवोद यादव सहित तीन-चार अन्य सदस्य आए और उनसे गाना बंद करने को कहा। जब लड़कों ने डीजे बंद नहीं किया तो आरोपी आक्रोशित हो गए। उन्होंने ताबड़तोड़ गोलीबारी कर दी ।फायरिंग में भोला कुमार (16) और गोलू कुमार (18) को गोली लग गई। इसमें भोला की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, कमर में गोली लगने से गोलू गंभीर रूप से घायल हो गया।

अगर आपका नाम महबूबा होता तो तीन तलाक मिल जाता

महबूब आलम पर विधानसभा अध्यक्ष ने ली चुटकी, कहा- कितना झगड़ा करते हैं

पटना। बिहार विधानसभा में बजट सत्र का आज यानी गुरुवार को पांचवां दिन है। सदन की कार्यवाही प्रश्न काल के साथ शुरू हुई, वहीं कार्यवाही शुरू होते ही लेफ्ट के विधायक वेल में आ गए। लेफ्ट विधायकों ने रसोइया और सफाई कर्मियों का मानदेय 18 हजार करने की मांग को लेकर प्रोटेस्ट किया। स्पीकर बार-बार उन्हें बैठने के लिए कहते रहे। इस दौरान विपक्ष की नारेबाजी जारी रही। माले विधायकों के प्रदर्शन पर स्पीकर नंद किशोर यादव ने चुटकी लेते हुए महबूब आलम से कहा - 'आपके नाम में एक पाई खींच दी जाती तो आप महबूबा हो जाते। अगर आपका नाम महबूबा होता तो तीन

तलाक मिल जाता। कितना झगड़ा करते हैं आप।' वहीं प्रदर्शन कर रहे वाम दल के विधायकों को उट नीतीश कुमार ने कहा कि 'कोई समस्या है तो लिख कर दीजिए। हम उसे देखेंगे।' जिसके बाद माले विधायक अपनी सीट पर बैठ गए। सदन की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित हो गई है इधर, सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले लेफ्ट के विधायकों ने सदन के बाहर प्रदर्शन किया। पोर्टिको में प्रदर्शन करते हुए सामाजिक सुरक्षा पेंशन 2000 करने की मांग की। साथ ही डोमिसाइल नीति को लेकर प्रदर्शन किया। नालंदा में महिला की हत्या का मामला विधानसभा में उठा। महिला के तलवे में कील

ठोंकी गई है। घोषी से माले विधायक रामबली यादव ने इसे उठाया, जिस पर स्पीकर ने कहा कि कल यानी शुक्रवार को सबसे पहले महिलाओं से जुड़े सवाल लिए जाएंगे। वहीं मनेर से आरजेडी विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा कि 'नालंदा की घटना पर सीएम नीतीश कुमार को बयान देना चाहिए। मुख्यमंत्री बेबस हैं, वो सोच नहीं पा रहे हैं। कुछ अधिकारी हैं जो उनको चला रहे हैं। सरकार को जबरदस्ती चलाया जा रहा है। सरकार नाम की कोई चीज नहीं रह गई है।'सदस्यता बहाल होने के बाद राजद एमएलसी सुनील कुमार सिंह अपने पुराने तेवर में दिखे। विधान परिषद पहुंचने पर उन्होंने विक्ट्री साइन दिखाई। वहीं नालंदा की घटना पर कहा कि 'बिहार में भ्रष्टाचार और लॉ एंड ऑर्डर पर बात मत कीजिए। अब तो ये स्थिति है कि कोई महिला कहीं काम मांगने जाती है तो उसे क्या-क्या भुगतना पड़ता है।' 'किस तरह से रोज हत्याएं हो रही है। ये बताने की जरूरत नहीं है। लोगों की आवाज को पहले भी उठाता था। आगे भी हक के लिए आवाज उठाऊंगा।' आज सरकार थर्ड सप्लीमेंट्री बजट सदन में पेश करेगी। लंच के बाद वित्तीय कार्य में इसे पास कराया जाएगा। सत्र के सेकेंड हाफ में बजट 2025-26 पर चर्चा होगी।

लंच के बाद पूरे समय बजट पर चर्चा होगी।

संक्षिप्त डायरी

मोतिहारी में 7-8 मार्च को सौर्य वेदनम का आयोजन

मोतिहारी। बिहार के मोतिहारी में 7 और 8 मार्च को गांधी मैदान में 'सौर्य वेदनम उत्सव' का आयोजन होने जा रहा है। इस कार्यक्रम में भारतीय सेना, वायु सेना और नौसेना के जवान हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम को लेकर संसदीय रक्षा समिति के अध्यक्ष राधामोहन सिंह ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। थल सेना के मध्य भारत के डीजी पदम् सिंह शेखावत और बिहार-झारखंड के ब्रिगेडियर विकास भारद्वाज भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में आधुनिक हथियारों का प्रदर्शन किया जाएगा। इनमें बोफोर्स तोप, के-90, केएनपी रॉकेट लॉन्चर और टैंक शामिल हैं। सेना की विभिन्न गतिविधियों का लाइव प्रदर्शन भी होगा। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को सेना से जोड़ना है। उन्हें अग्निवीर योजना की जानकारी दी जाएगी। साथ ही देशभक्ति से जुड़ी प्रस्तुतियां भी होंगी। सेना के अधिकारियों ने बताया कि यह कार्यक्रम युवाओं में देशभक्ति की भावना को मजबूत करेगा। इससे वे देश की रक्षा सेवाओं से जुड़ने के लिए प्रेरित होंगे। यह आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान का भी अवसर है।

हथियार के साथ 8 बदमाशों की गिरफ्तार

भोजपुर। जिले के कोईलवर थाना क्षेत्र में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। कुबेरचक धनडीहा के समीप रेलवे छोटी पुलिया के पास से अपराध की योजना बना रहे आठ बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए बदमाशों के पास से एक देशी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। सदर एसडीपीओ-2 रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ अपराधी कुबेरचक धनडीहा रेलवे पुल के पास इकट्ठा हुए हैं और किसी बड़े अपराध को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना के आधार पर कोईलवर थानाध्यक्ष नरोतमचंद्र के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी की, लेकिन पुलिस को देखते ही बदमाश भागने लगे। इसके बावजूद पुलिस ने सभी को पकड़ लिया। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान गीधा थाना क्षेत्र के मटियारा गांव निवासी संजीव कुमार, नीलेश कुमार, रोशन कुमार, कोईलवर थाना क्षेत्र के कुबेरचक धनडीहा निवासी कुंदन कुमार उर्फ पंकज कुमार, कोईलवर के सकड्डी निवासी मुकेश कुमार राय, धीरज कुमार, मुफस्सिल थाना के जमीरा निवासी कन्हैया कुमार और पटना जिला के बिहटा थाना के डुमरी निवासी विकास कुमार के रूप में हुई है।पुलिस जांच में पता चला कि गिरफ्तार बदमाशों में से दो के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। संजीव कुमार पर चार मामले दर्ज हैं, जबकि कुंदन उर्फ पंकज के खिलाफ तीन केस लंबित हैं। दोनों पहले से फरार चल रहे थे। पुलिस ने इनके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। एसडीपीओ ने बताया कि हाल के महीनों में हुई गोलीबारी की घटनाओं में इनकी संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। इनमें मटियारा में क्रिकेट खेलते समय युवक पर फायरिंग, सकड्डी में जमीन कारोबारी पर गोली चलाने और टाउन थाना के धरहरा जमीरा रोड पर दुकान में हुई गोलीबारी जैसी घटनाएं शामिल हैं। पुलिस को लंबे समय से इनकी तलाश थी। वहीं, संजीव कुमार इससे पहले बीरमपुर स्थित सीएसपी लूट कांड में जेल जा चुका है और दो महीने पहले ही रिहा हुआ था। पुलिस अब गिरफ्तार बदमाशों से गहराई से पूछताछ कर रही है और इनके अन्य आपराधिक गठजोड़ की पड़ताल की जा रही है।

गोली लगने से युवक घायल

आरा। के नवादा थाना क्षेत्र के गोढना रोड मोहल्ले में बुधवार की देर शाम हथियारबंद बदमाशों ने एक युवक को गोली मार दी। जख्मी युवक को गोली दाहिने साइड पेट में लगी है। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। घटना के बाद परिजन इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल से आरा शहर के बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां उसका इलाज कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार जख्मी युवक नवादा थाना क्षेत्र के गोढना रोड मोहल्ला वार्ड नंबर 44 निवासी गोविंद वर्मा का 24 वर्षीय पुत्र अभिनय कुमार है। जख्मी युवक स्नातक पास करने के बाद नौकरी की तैयारी करता है।घटना की सूचना मिलते ही नवादा थानाध्यक्ष बिपिन बिहारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में जुट गए हैं। इधर अभिनय कुमार ने बताया कि बुधवार की देर शाम वह अपने दो अन्य दोस्तों के साथ बाइक से आटा लाने के लिए गोढना रोड जा रहा था।

एक बुलेट पर सवार 4 दोस्त सड़क हादसे का शिकार

लखीसराय। में बुधवार दोपहर एक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। टाउन थाना क्षेत्र के बाइपास स्थित अशोक धाम मार्ग पर यह हादसा हुआ। चार दोस्त एक ही बुलेट बाइक पर सवार थे। शाम करीब चार बजे बीएड कॉलेज के सामने बाइक बेकाबू होकर पोल से टकरा गई। हादसे में आलोक कुमार (22) और पियूष कुमार (23) की मौके पर ही मौत हो गई। जय कुमार (22) और बाइक चला रहे सागर कुमार (24) गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक आलोक कुमार टाउन थाना क्षेत्र के पुरानी बाजार स्थित बड़ी दरगाह वार्ड नंबर-8 निवासी संजय पंडित के इकलौते बेटे थे। पियूष कुमार सुनील चौधरी का बेटा था। घायल जय कुमार बड़ी दरगाह वार्ड-8 निवासी पिंटू पंडित के बेटे हैं। सागर कुमार शहर के नया टोला में रहते हैं। टाउन थाना पुलिस ने

घायलों को सदर अस्पताल पहुंचाया। दोनों का इलाज इमरजेंसी वार्ड में चल रहा है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक को जब्त कर लिया है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि तेज रफ्तार के कारण यह हादसा हुआ। इस मामले में एसपी ने बताया कि पोल से टकराने के कारण बाइक गढ्डे में गिर गई। 4 लोग एक बुलेट बाइक पर सवार थे। 2 की मौत हुई है, 2 जख्मी है। चारों की पहचान हो गई है। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

आनंद मोहन का आशीर्वाद लेने गई थी- ज्योति सिंह

भोजपुरी। के पावर स्टार पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह ने बुधवार को चुनाव को लेकर बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि आने वाले दो-चार दिनों के अंदर ही वह किसी न किसी राजनीतिक पार्टी में शामिल होंगी। उन्होंने कहा कि जिस भी पार्टी से उन्हें मौका मिलेगा, वह चुनाव जरूर लड़ेंगी। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि किस सीट से चुनाव लड़ेंगी, इसकी घोषणा बाद में करेंगी। मीडिया से बात करते हुए ज्योति सिंह ने कहा, मैं हर जगह चुनाव के लिए नहीं आ रही हूं। हर चीज को चुनाव से आपलोग नहीं जोड़ सकते हैं। मैं पारिवारिक माहौल के लिए भी आती हूं। इन लोगों से मेरा पारिवारिक नाता है। लोकसभा चुनाव में जो लोगों से मेरा बॉन्ड रहा, उस नाते भी मैं अक्सर इन लोगों से मिल लेती हूं। इसके साथ ही पारिवारिक मुद्दों पर भी बात हुई

थी। बड़ों का आशीर्वाद लेना चाहिए आनंद मोहन से मुलाकात पर कहा कि जो राजनीति में पहले से एंट्री मार चुके हैं, उनका आशीर्वाद तो लेना चाहिए। जब मैं राजनीति में आ ही गई हैं, तो जनता और नेताओं से मिलना-जुलना सामान्य बात है। मैं लोगों से जुड़ाव की वजह से उतरी हूं। एक समाजसेविका के रूप में उतरी हूं। लक्ष्य यही है कि जनता की सेवा करना है, उनका आशीर्वाद लेकर चलना है। महिलाओं ने किया भव्य स्वागत डेहरी ऑन सोन में एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंची ज्योति सिंह का वहां की महिलाओं ने भव्य स्वागत किया। उन्हें सिंदूर लगाया गया और खोईछा भी दिया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह समाज सेविका के रूप में लोगों से संवाद स्थापित कर रही हैं और उनकी समस्याओं को समझ रही हैं। राजनीति में जल्द आएंगी खुलकर ज्योति सिंह ने बताया कि वह लगातार क्षेत्र में लोगों से मिल रही हैं। उनकी समस्याओं को समझ रही हैं। उन्होंने पिछले लोकसभा चुनाव में काराकाट सीट से पवन सिंह के लिए जमकर प्रचार किया था, जिससे उनका जनता से भावनात्मक जुड़ाव हो गया। चुनाव हारने के बाद पवन सिंह क्षेत्र से दूर हो गए, लेकिन ज्योति सिंह लगातार लोगों से संपर्क बनाए हुए हैं।

वहीं, बुधवार को स्नेहा हत्याकांड को लेकर रोहतास में एक रैली निकली है। इसमें ज्योति सिंह भी शामिल हुई। उन्होंने कहा कि स्नेहा हत्याकांड में हम इंसाफ की उम्मीद करते हैं। चाहते हैं कि इसमें जल्द से जल्द सुनवाई हो। स्नेहा के माता-पिता के साथ मैं हूं।

मीना बाजार की 6 दुकान से 5.70 लाख की चोरी

मोतिहारी। के नगर थाना क्षेत्र के मीना बाजार में बुधवार की रात चोरों ने एक साथ 6 दुकानों के ताले तोड़कर करीब 5.70 लाख रुपए का माल पार कर दिया। घटना बुधवार रात करीब 1 बजे की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि चोरों ने शिवम कुमार की मोबाइल दुकान, सुरेश कुमार की किराना दुकान, प्रकाश प्रसाद के जनरल स्टोर, सोनू कुमार की मोबाइल दुकान और आरिफ रजा के साइबर कैफे को निशाना बनाया। जहां शिवम कुमार की दुकान से 70 हजार रुपए नगद के साथ कई महंगे मोबाइल चोरी हो गए। बताया गया कि नाइट गार्ड ने रात 1:30 बजे दुकानदारों को चोरी की सूचना दी। दुकानदार

जब मौके पर पहुंचे तो दुकानों के शटर के ताले टूटे हुए थे और सामान बिखरा पड़ा था। चोरों ने आरिफ के साइबर कैफे से चुराया गया प्रिंटर रास्ते में ही फेंक दिया। जांच में जुटी पुलिस नगर थानाध्यक्ष विजय कुमार ने बताया कि पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है। चोरों की धरपकड़ के लिए छापेमारी जारी है। हालांकि अभी तक दुकानदारों की तरफ से कोई आधिकारिक शिकायत नहीं मिली है। व्यापारियों में इस घटना को लेकर रोष है। उनका कहना है कि मीना बाजार शहर का प्रमुख व्यवसायिक केंद्र है। यहां रात में पुलिस गश्ती वाहन मौजूद रहता है। फिर भी इतनी बड़ी चोरी की वारदात हो गई। इससे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। व्यापारियों ने पुलिस प्रशासन से इलाके में गश्ती बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की मांग की है।

148 बोतल विदेशी शराब के साथ दो तस्करों गिरफ्तार

मोतिहारी। होली के त्योहार से पहले बिहार में शराब तस्करी के प्रयास तेज हो गए हैं। बता दें कि आबकारी विभाग ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए नेपाल से लाई जा रही 148 बोतल कस्तूरी शराब जब्त की है। आबकारी इंस्पेक्टर अभिषेक आनंद के नेतृत्व में टीम ने विशेष तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान नेपाल सीमा से दो संदिग्ध व्यक्तियों को बोरे के साथ आते देखा गया। पुलिस को देखकर दोनों भागने लगे। हालांकि, टीम ने पीछा कर दोनों को पकड़ लिया। पकड़े गए तस्करों की पहचान कोटवा निवासी कुंजेश कुमार और मन्नू कुमार के रूप में हुई है। दोनों के

पास से बरामद शराब की बोतलें दो बोरों में छिपाकर रखी गई थीं। विभाग ने तस्करों की मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है।

तस्करी पर रखी जा रही नजर आबकारी इंस्पेक्टर ने बताया कि दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। होली के मद्देनजर सीमावर्ती इलाकों में गश्त बढ़ा दी गई है। विभाग अवैध शराब की तस्करी पर सख्त नजर रख रहा है और किसी भी तरह की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पूर्व मंत्री शिवचंद्र राम बोलें- बिहार में जंगलराज

मुजफ्फरपुर। में राजद के सदस्यता अभियान के दौरान पूर्व मंत्री शिवचंद्र राम ने बिहार सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बिहार में नीतीश कुमार नहीं, बल्कि भाजपा की सरकार चल रही है। शिवचंद्र राम ने लालू प्रसाद यादव के शासनकाल की तारीफ करते हुए कहा कि उस समय बिहार में सुशासन था। उन्होंने कहा कि लालू राज में गरीबों, दलितों, महादलितों और पिछड़ों को सम्मान मिला। इसका उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि बूट पॉलिश करने वाले का बेटा मंत्री बना और पहाड़ पर पत्थर तोड़ने वाली महिला सांसद बनीं। पूर्व मंत्री ने वर्तमान सरकार पर हमला करते हुए कहा कि राज्य में अपराध चरम पर है। महिलाओं के साथ दिनदहाड़े अपराध हो रहा है। विशेष रूप से मुजफ्फरपुर में महिलाओं के खिलाफ कई शर्मनाक घटनाएं हुई हैं, लेकिन सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने नीतीश कुमार को 'मौनी बाबा' बताते हुए कहा कि उनका प्रभाव अब समाप्त हो चुका है। राज्य में बढ़ते अपराधों के लिए उन्होंने भाजपा को जिम्मेदार ठहराया। कार्यक्रम में शिवचंद्र राम ने कई लोगों को राजद की सदस्यता भी दिलाई। पूर्व मंत्री शिवचंद्र राम बोलें- बिहार में जंगलराज मुजफ्फरपुर में राजद के सदस्यता अभियान के दौरान पूर्व मंत्री शिवचंद्र राम ने बिहार सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बिहार में नीतीश कुमार नहीं, बल्कि भाजपा की सरकार चल रही है। शिवचंद्र राम ने लालू प्रसाद यादव के शासनकाल की तारीफ करते हुए कहा कि उस समय बिहार में सुशासन था। उन्होंने कहा कि लालू राज में गरीबों, दलितों, महादलितों और पिछड़ों को सम्मान मिला। इसका उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि बूट पॉलिश करने वाले का बेटा मंत्री बना और पहाड़ पर पत्थर तोड़ने वाली महिला सांसद बनीं।

तलवों में कीलें ठोंकी, शरीर जख्मों से भरा था; महिला के साथ इस बर्बरता की चर्चा सड़क से लेकर सदन तक

नालंदा। की महिला के साथ हुए इस बर्बरता की चर्चा है विधानसभा में भी हुई। विपक्ष के नेताओं ने इस मामले नीतीश सरकार से सवाल पूछा। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भी महिला की निर्मम हत्या को लेकर सरकार पर जमकर हमला बोला।नालंदा में एक महिला की लाश मिली है। उसके साथ बर्बरता की गई है। इसका प्रमाण तस्वीर में दिख रहा है। महिला का शरीर जख्मों से भरा था। तलवों में कीलों ठोंकी गई थी। इतना ही नहीं हाथ में स्लाइन चढ़ाने का ड्रिप लगा हुआ था। बुधवार को हरनौत प्रखंड अंतर्गत सरथा पंचायत के बहादुरपुर गांव के पास एनएन 30ए किनारे इस शव को देख लोग हैरान रह गए। आशंका है कि किसी ने निर्ममता पूर्वक महिला की हत्या कर शव को यहां लाकर फेंक दिया है। गुरुवार को इस मामले की गूंज सड़क से लेकर सदन तक सुनाई दी। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और विपक्ष के कुछ नेताओं ने इस मामले को लेकर विधानसभा में सवाल उठाया। हालांकि,

सरकार की ओर से अब तक कोई जवाब नहीं दिया गया है। आइए जानते हैं क्या कहा मामला...चण्डी थानाध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि बुधवार को नालंदा के हरनौत प्रखंड अंतर्गत सरथा पंचायत के बहादुरपुर गांव के पास नेशनल हाईवे (30 अ) के किनारे एक अज्ञात महिला का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलने के उपरांत पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया है। महिला की उम्र करीब 26 वर्ष प्रतीत हो रही और उसकी लाश नाइटी में थी। दाहिने हथेली पर ड्रीप लगा था, जिससे ये पता चलता है कि महिला को स्लाइन चढ़ाया जा रहा था। अब तक यह बात सामने नहीं आ पायी है कि महिला को किस अस्पताल में एडमिट किया गया था।लोगें का कहना है कि महिला के दाहिने हाथ पर कोहनी से ऊपर पट्टी लगी है, जिससे ब्लड चढ़ाए जाने की आशंका है। हालांकि, महिला प्रेग्नेंट होने की भी आशंका है, लेकिन इस संबंध में अब तक आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। महिला के दोनों तलवों में कुल नौ कीलें ठोकी मिली हैं। लेकिन, हैरानी की बात ये कि एक भी कील में खून लगा नहीं मिला है। जहां शव पाया गया वहां भी खून का धब्बा नहीं मिला है। प्रतीत होता है कि महिला की मौत के काफी देर बाद पैर में कील ठोंका गया है। पुलिस की ओर से कहा जा रहा है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही इस पर कुछ कहा जा सकेगा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि महिला के शरीर पर राख लगा पाया गया है। हाथों में स्लाइन चढ़ाने वाली ड्रीप लगी है। आशंका है कि करंट लगने के बाद महिला को अस्पताल में एडमिट किया गया होगा। यहां मौत के बाद परिजन किसी ओझा के चक्कर में पड़ गए होंगे। लिहाजा उसकी लाश को ओझा या भगत के पास ले जाया गया होगा। यहां ओझा ने महिला के पैर में कील ठोंकी होगी, लेकिन जब महिला होश में नहीं आ पाई तो उसकी लाश को ओझा की ओर से ही यहां लाकर फेंक दिया गया होगा।

महिला अत्याचार और उत्पीड़न में बिहार शीर्ष राज्यों में है

पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि महिला अत्याचार और उत्पीड़न में बिहार शीर्ष राज्यों में है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को शर्म है कि आती ही नहीं! उनके गृह जिला में घटित इस रूह कंपकंपाने वाले वीभत्स कांड और दरिंदगी से भी अगर किसी को कोई फर्क नहीं पड़ता तो वह इंसान है नहीं!

वैसे इस घटना को भी बेशर्म भाजपाई और ठऊअ के सत्तालोलुप लोग राम राज्य की मंगलकारी घटना ही बतायेंगे और कहेंगे कि 15वीं शताब्दी में क्या होता था जी?

यूपी के माध्यमिक शिक्षा विभाग में सिटिजन चार्टर लागू

लखनऊ। यूपी के माध्यमिक शिक्षा विभाग में अब सिटिजन चार्टर यानी नागरिक घोषणा पत्र लागू कर दिया गया। सरकारी माध्यमिक स्कूलों के शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों को काम तय समय पर निस्तारित करने होंगे। ऐसा न करने पर जिम्मेदार अधिकारियों या कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। छात्रों को अंक पत्र और प्रमाणपत्र के लिए माध्यमिक शिक्षा परिषद और माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद के कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने होंगे। वहीं, शिक्षकों और कर्मचारियों के भी सेवा संबंधी काम तय समय पर निस्तारित करने होंगे। स्कूलों और कार्यालयों में इसका प्रचार-प्रसार बोर्ड लगाकर किया जाएगा।

सिटिजन चार्टर से स्टूडेंट, टीचर और स्टॉफ को मिलेगा फायदा माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने इसका विमोचन करते हुए कहा कि इस पहल से काम में पारदर्शिता आएगी। सिटिजन चार्टर लागू होने के साथ ही अब राजकीय माध्यमिक स्कूलों और अशासकीय सहायताप्राप्त माध्यमिक स्कूलों के शिक्षकों को ल्फ पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन अवकाश की सुविधा दी जाएगी। स्टूडेंट्स को नहीं लगाने पड़ेंगे चक्कर स्टूडेंट्स को बोर्ड कार्यालय से आवेदन करने के 15 दिनों में प्रमाण पत्र उपलब्ध कराए जाएंगे। प्रमाण पत्र की सेकेंड कॉपी, मार्क शीट, मार्क शीट की सेकेंड कॉपी और संशोधित प्रमाण पत्र 30 दिनों में जारी करना होगा। वहीं, स्टूडेंट्स के निरस्त परीक्षाफल, रोके गए रिजल्ट या अपूर्ण व त्रुटिपूर्ण परीक्षाफल का संशोधन व निस्तारण 45 दिनों में करना होगा। विभिन्न सेवाओं के लिए अलग-अलग 15 से 30 दिनों में स्टूडेंट पहले अपीलीय अधिकारी सचिव, माध्यमिक शिक्षा परिषद व दूसरे अपीलीय अधिकारी माध्यमिक शिक्षा निदेशक कार्यालय में अपील कर सकेंगे।स्कूल स्टॉफ पर भी होगा लागू राजकीय माध्यमिक स्कूलों के शिक्षकों और कर्मचारियों के पेंशन स्वीकृति पर निर्णय 60 दिनों में, जीपीएफ स्वीकृति पर निर्णय 30 दिनों में, जीपीएफ अग्रिम भुगतान 15 दिनों में, नव नियुक्त शिक्षकों के शैक्षिक अभिलेखों का सत्यापन 60 दिनों में, चिकित्सा प्रतिपूर्ति पर निर्णय 60 दिनों में, वेतन भुगतान पर निर्णय 15 दिनों में, सुनिश्चित करियर प्रोन्नयन पर निर्णय 90 दिनों में और मृतक आश्रितों को नौकरी देने के मामले में 90 दिनों में निर्णय लेना होगा। ऐसे ही एडेड माध्यमिक स्कूलों के शिक्षकों और कर्मचारियों के भी काम तय समय पर होंगे।

हमीरपुर में ई लाटरी के जरिये हुई शराब और भांग की दुकानों की नीलामी

न्यूज स्पीक्स
हमीरपुर। (सैय्यद जावेद अख्तर) उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में देशी शराब की 229 में से 188 दुकानों, कम्पोजिट शॉप की सभी 79 सहित भांग की सभी आठ दुकानों का 2025-26 के लिये ई-लॉटरी के जरिये हमीरपुर की तत्कालीन जिलाधिकारी बी.चन्द्रकला, वर्तमान सचिव महिला कल्याण सहित पंचायती राज उ०प्र० शासन की अध्यक्षता सहित जिलाधिकारी हमीरपुर घनश्याम मीना, पुलिस कप्तान हमीरपुर डॉ० दीक्षा शर्मा, अमृता श्रीवास्तव, सहायक आबकारी आयुक्त प्रवर्तन बांदा, अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०) विजय शंकर तिवारी, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) डॉ० नागेन्द्रनाथ यादव की मौजूदगी में जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम में सम्पन्न हुआ। देशी शराब की 188 दुकानों पर 639 आवेदन, कम्पोजिट शॉप की 79 दुकानों पर 567 आवेदन सहित भांग की आठ दुकानों पर 12 आवेदन किये गये, जिसमें कुल 275 दुकानों पर 1218 आवेदन किये गये। इन आवेदन पत्रों में से आवेदकों का चयन ऑन लाईन ई-लॉटरी के जरिये तकनीकि, वैज्ञानिक रीति से एन. आई.सी. के सहयोग से सम्पन्न हुआ। ई-लॉटरी के वख्त भारी तादाद में आवेदक मौजूद रहे। ई-लॉटरी की कार्यवाही आवेदको की ज्यादा तादाद के मद्देनजर स्पोर्टस स्टेडियम हमीरपुर के मैदान में सम्पन्न कराई गयी। ई-लॉटरी में सभी आवेदकों की जांच करने के बाद लीगल डाक्यूमेंट दिखाने पर ही दिया गया। वही सुरक्षा के मद्देनजर ई- लाटरी मैदान सहित मैदान के बाहर बड़ी तादाद में पुलिस बल मौजूद रहा। ई-लॉटरी सम्पन्न होनें के बाद उप आबकारी आयुक्त,प्रभारी जिला आबकारी अधिकारी अवधेश राम ने सभी अधिकारियों सहित आवेदकों का आभार व्यक्त किया। जबकि जिला आबकारी अधिकारी हमीरपुर अवधेश राम ने बताया कि ई-लॉटरी के रिजल्ट को हमीरपुर की बेबसाईट www.hamirpur.fic.if पर अपलोड करने के साथ ही नोटिस बोर्ड सहित मीडिया ग्रुप में शेयर कर दिया गया है।

प्रावि नरकटिया खुर्द में हुआ पौधरोपण, शिक्षण सामग्री वितरित

संवाददाता
कुशीनगर। नगर पालिका परिषद कुशीनगर स्थित प्राथमिक विद्यालय नरकटिया खुर्द में गुरुवार को कसया के व्यवसायी मनीष मोदनवाल की बिटिया खुशी मोदनवाल के जन्मदिन पर पौधरोपण एवं शिक्षण सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री मोदनवाल ने कहा कि बिटिया के जन्मोत्सव पर पूरा परिवार हर्ष में है और इस अवसर पर पौधरोपण करके और बच्चों को शिक्षण सामग्री भेंट कर सुकून मिल रहा। हम सबको अपने खुशियों में समाज को शामिल करना चाहिए। इससे एक सशक्त समाज का निर्माण होगा। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक कृष्ण मोहन, माया चौरसिया, कुसुम देवी, मरियम खातून, नंदरानी श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

अनिरुद्धवा में आयोजित बसन्त कालीन गन्ना गोष्ठी में दी गई जानकारी

संवाददाता
कसया, कुशीनगर। गन्ना विकास समिति कसया परिक्षेत्र के ग्राम अनिरुद्धवा में आयोजित बसन्त कालीन गन्ना गोष्ठी में किसानों को वैज्ञानिक तरीके से खेती के गुर बताए गए।
आयोजित गोष्ठी में उत्तरप्रदेश गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केन्द्र पिपराइच गोरखपुर के पूर्व सहायक निदेशक ओम प्रकाश गुप्ता ने गन्ने की सर्वाधिक उपज देने वाली प्रजाति को. 0118, तथा को. 15023 की जानकारी देते हुए दो आंख की गेड़ी काटने, हेक्सटॉप के घोल में उपचारित करने, ट्राईकोडर्मा का प्रयोग, गन्ने की बुवाई 120 सेंटीमीटर पर करने की जानकारी दी। कहा कि आने वाले समय में गन्ने की कटाई, छिलाई मशीन से होगी। गन्ने के साथ सहफसली खेती से गन्ने का उपज बढ़ेगा। हानिकारक कीट पीहिका अंकुर बेधक नियंत्रण होगा। भिंडी, मूंग, उर्द, लोबिया भी बोए। ढाढा चीनी मिल के अधिशाषी अध्यक्ष करण सिंह के हवाले से बताया कि मिल परिक्षेत्र में सभी किसानों की गन्ने की बुवाई केन प्लांटर से कराया जा रहा है। निराई गुड़ाई, पेड़ी प्रबन्धन मशीन पावर टीलर से कराया जा रहा है। सिंगल बड से तैयार गन्ने के पौधा की रोपाई मशीन से कराया जा रहा है। वरिष्ठ गन्ना अधिकारी दीपक तिवारी ने बताया की बीज गन्ना कृषकों के खेतों पर आरक्षण कराया गया है, छोटे ट्रैक्टर पर 25 हजार रुपए अनुदान दिया जा रहा है। सेवरही गन्ना शोध से कसया क्षेत्र के लिए 10 हजार एक आंख का टुकड़ा आवंटन हुआ है। कसया गन्ना समिति के संचालक सदस्य और पश्चिमी उत्तर प्रदेश से नौ दिवसीय यात्रा से वापस लौटे रामबेलाश गुप्ता ने बताया कि पूर्वांचल में जागरूकता का अभाव है, पशुपालन का कमी है। अजय श्रीवास्तव द्वारा को. 0118, एवम को. 15023 के बारे मे बताया। गन्ना बैज्ञानिक डॉ बच्चा राव ने पेड़ी प्रबन्धन की जानकारी दी। संचालन वरिष्ठ गन्ना अधिकारी दीपक तिवारी ने किया। इस दौरान किसान कपिलदेव यादव, बलिराम, अनिरुद्ध, कैलाश, शिवपूजन, रामनरेश आदि मौजूद रहे।

नमाज (तरावीह) के साथ रमजान का आगाज मस्जिदें नमाजियों से हुई गुलजार

संवाददाता
कुशीनगर। माहे रमजान का चांद नजर आते ही रमजान की तैयारियों को लेकर जहां बाजारों में रौनक बढ़ने लगी वहीं मस्जिदों में भी नमाजियों की तादाद में इजाफा हो गया। मुस्लिम समाज के लोगों ने रमजान की तैयारियों को लेकर बाजारों में सेवइयां डबल रोटी तथा अन्य खाने-पीने की जरुरी चीजों की जमकर खरीदारी की। रात्रि में रमजान शरीफ में पढ़ी जाने वाली विशेष नमाज (तरावीह) मस्जिदों में बड़ी संख्या में नमाजियों ने नमाज अदा की। पकहां लुकपुर में नूरी मस्जिद प्रथम दिन नमाजियों से खचाखच भरी हुई थी। मस्जिद के इमाम एम एस कादरी निजामी ने तरावीह की नमाज के बाद अपने संबोधन में रमजान की अहमियत बयान करते हुए कहा कि रमजान (रोजे) का मकसद केवल भूखे वह प्यासा रहना नहीं है, बल्कि उसका असली अर्थ यह है कि हम अपने पड़ोसियों की गरीबों की भूख और प्यास का भी ख्याल रखेंअगर आपके पड़ोस में कोई गरीब या कोई व्यक्ति भूखा है और उसके घर में भोजन नहीं है, उसका एहसास करें। उसको खाना पहुंचाएं। रमजान के पहले अशरा में यानी रमजान के पहले दस दिन रहमत और बरकत का आसरा होता है, इसमें पूरी मानवता के लिए पूरी इंसानियत के लिए और अपने देश के लिए दुआ करें मानवता और सुख शांति की दुआ कराई गई। इस अवसर पर हाफिज इश्तियाक, इलियास, अबरार अहमद, रियाजउद्दीन, सैफुल्लाह अंसारी, अब्दुल कलाम, आजाद, सिराजुद्दीन अंसारी, गयासुद्दीन अंसारी तराबी तमाम लोग मौजूद रहे।

प्रमुख सचिव अनिल कुमार सागर ने किया खादी ग्रामोद्योग सेवा संस्थान सपहां का निरीक्षण

संवाददाता
कुशीनगर। उत्तर प्रदेश शासन के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी ग्रामोद्योग एवं हथकरघा विभाग के प्रमुख सचिव अनिल कुमार सागर ने गुरुवार को खादी ग्रामोद्योग सेवा संस्थान सपहां, फाजिलनगर का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रमुख सचिव ने संस्था को खादी के क्षेत्र में कार्य करने में आ रही दिक्कतों के बारे में जानकारी ली। साथ ही संस्था के भविष्य में रोजगार सृजन के क्षेत्र में किए जा सकने वाले संभावित कार्यों पर भी गंभीरता और गहनता से चर्चा की। प्रमुख सचिव ने कामगारों से संवाद कर उनके कार्यों और कठिनाइयों के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संस्था के कच्चे माल की खरीद से लेकर उत्पादन और विपणन तक के सभी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। संस्था द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में किए गए रोजगार सृजन के कार्यों की सराहना करते हुए उपस्थित सभी लोगों का मनोबल भी बढ़ाया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी तमकुही राज, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, जिला एवं तहसील प्रशासन कसया के अधिकारी, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ए.के. पाल, बिहार से अवकाश प्राप्त न्यायाधीश सत्येन्द्र पांडेय,खादी ग्रामोद्योग सेवा संस्थान सपहां के मंत्री पंकज कुमार पाण्डेय, दीनानाथ गुप्ता, रामनाथ गुप्ता, राम गुलाम प्रसाद, सोमारी प्रसाद, अखिलेश प्रसाद, रामनयन पांडेय, विजय पांडेय, नरेन्द्र पांडेय, जयप्रकाश पांडेय सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बस संचालन के लिए सांसद विजय दूबे को पत्र सौंपा

संवाददाता
कसया, कुशीनगर। रोडवेज बस न चलने से स्थानीय लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। पडरौना, बाड़ीपुल, अहिरौली राजा, गोबरही, भठही, नैका छपरा ,हेतिमपुर से गोरखपुर मार्ग सीधे जिला मुख्यालय से जुड़ा है। यहां आवागमन को रोडवेज बस की लंबे समय से मांग हो रही है लेकिन जिला प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। इससे ग्रामीणों को निजी या प्राइवेट वाहनों से जिला मुख्यालय समेत अन्य स्थानों पर आवागमन करना पड़ता है। इसको लेकर डुमरी चुरामनछपरा के ग्राम प्रधान डिम्पल पांडेय के नेतृत्व में कुशीनगर सांसद विजय कुमार दूबे को बस संचालन के लिए एक मांग पत्र सौंपा गया। जिसको गम्भीरता से लेते हुए सांसद ने कारवाई का आश्वासन दिया। दरअसल गोरखपुर से जिला मुख्यालय को जोड़ने वाले उक्त मार्ग पर अभी तक रोडवेज बसों का संचालन नहीं किया गया। लोगों को लंबी दूरी तय कर निजी वाहनों का सहारा लेना पड़ता है। ग्रामीण रूटों पर रोडवेज की बस नहीं चलने से तीन पहिया चालक मनमाफिक किराया वसूलते हैं। गांवों के स्टैंड से तीन पहिया भरने के बाद ही चलते हैं, जगह-जगह रुकने के साथ ही सवारी से जो किराया मांग लिया वह उसे देना पड़ता है। तीन पहिया चालक सवारियों को बाहर लटका कर चलते हैं। इससे कई बार दुर्घटना भी हो जाती है। ग्रामीणों ने बताया कि निजी वाहनों को पकड़ने के लिए भी उन्हें चार से पांच किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है। जिला मुख्यालय को जोड़ने वाले उक्त मार्ग पर रोडवेज बसों का संचालन न होने से काफी परेशानी झेलनी पड़ती है।

छात्र भी किसी तरह अपने विद्यालयों में पहुंचते हैं। ग्रामीणों को अगर गोरखपुर इलाज या बच्चों को शिक्षण संस्थान जाने के लिए अगर बस संचालन हो जाता तो बहुत सुगमता हो जाता।

ग्राम प्रधान अजय जायसवाल, अजित कुशवाहा, सतेन्द्र सिंह, राम आश्रय, समीउल्लाह खान, पूर्व ग्राम प्रधान जेपी यादव, मोहसिन उर्फ बुलेट, रामकृष्ण, अजीत सिंह, रामेश्वर मौजूद रहे

संक्षिप्त डायरी

पर्यावरण परिवर्तन की गति बढ़ने से लाखों जीव लुप्त होने के कगार पर:प्रो . प्रमोद टंडन

संवाददाता
कुशीनगर।
बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर में देश के महत्वपूर्ण वैज्ञानिकों की एक विज्ञान कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए पद्म श्री पुरस्कार प्राप्त राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी में वरिष्ठ वैज्ञानिक और पूर्वोत्तर हिल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो . प्रमोद टंडन ने कहा पर्यावरण परिवर्तन नई चीज नहीं है यह हजारों वर्षों से हो रही है। समस्या यह है कि इसकी गति बहुत बढ़ गई है। इस कारण लाखों प्रकार के पौधे और प्राणी लुप्त होने के कगार पर हैं। इसका प्रभाव अमेरिका और चीन से ज्यादा भारत पर पड़ेगा। अगर इसे रोका नहीं गया तो 15 से 37 प्रतिशत पौधे और वनस्पति 2050 तक नष्ट हो जाएंगे। 6.1 प्रतिशत लोग प्रति 10 साल पहाड़ों की ओर बस रहे हैं। समुद्र में जल का स्तर बहुत तेज बढ़ने वाला है। जीव जंतुओं के प्रजनन पर असर पड़ रहा है। साइबेरियन पक्षी इस वर्ष कम आए हैं। पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित और राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की वरिष्ठ वैज्ञानिक और पूर्वोत्तर हिल विश्वविद्यालय में जीवन विज्ञान संकाय की पूर्व डीन प्रो वीना टंडन ने खाद्य पदार्थों से होने वाले पैरासाइट (परजीवी) संक्रमण विषय पर बोलते हुए कहा कि पूरे विश्व की एक तिहाई आबादी परजीवी कृमि संक्रमण से प्रभावित है। ये सभी कृमि ट्रॉपिकल देशों जहां गर्मी ज्यादा पड़ती है वहां के रोजमर्रा के जीवन में ज्यादा सक्रिय हैं। जानवरों में होने वाले कुछ संक्रमण मनुष्यों में भी फैल सकते हैं। सबसे ज्यादा राउंड बर्म का संक्रमण होता है। यह गंदे पानी से गंदे हाथों से होता है। पिन वर्म बच्चों में ज्यादा होते हैं। हुक वर्म नम मिट्टी से त्वचा के रस्ते शरीर में पहुंचते हैं। ज्यादातर बच्चों और महिलाओं में एनीमिया के कारण होते हैं। टेपवर्म इन्फेक्शन सूअर या गाय के मांस को खाने से होता है। इसकी लंबाई 25 मीटर तक हो सकती है। बायोकेमिस्ट्री के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो रमेश शर्मा ने हार्मोंस और उनकी उपयोगिता के बारे में बताते हुए कहा कि हार्मोंस केमिकल मैसेंजर होते हैं। ये हार्ट और किडनी में भी पाया जाता है। हार्मोंस हमारे प्रत्येक गतिविधि को संचालित भी करते हैं। ये हार्मोंस शरीर ही नहीं वातावरण से भी संचालित होते हैं। शरीर लड़े या भागे इसका संचालन भी हार्मोंस से होता है। वातावरण के परिवर्तित होने पर शरीर को उससे अनुकूलित होने के लिए भी हार्मोन उत्तरदाई होते हैं। इंदरफिन हार्मोन पुरुष में ज्यादा होते हैं और महिलाओं में कम होता है इसीलिए पुरुषों में स्त्रियों की अपेक्षा कम घबराहट होती है। सीनियर एंटोमोलाजिस्ट डॉ मानवेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि किसी एजेंट के माध्यम से फैलने वाले रोग वेक्टर वॉर्न डिजीज होते हैं। मलेरिया, जीका वायरस, डेंगी, फाइलेरिया, प्लेग आदि इससे फैलते हैं। मच्छरों को समाप्त नहीं किया जा सकता उसकी संख्या कम की जा सकती है। डेंगी के अंडे बिना पानी के डेढ़ साल तक जीवित रहते हैं। इसलिए पानी इकट्ठा होने वाली सभी जगहों की व्यवस्थित सफाई जरूरी है। कूलर में 80 प्रतिशत डेंगी का मच्छर अंडा देता है। अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रबंध सचिव सरदार वीरेंद्र सिंह आहलूवालिया ने की। स्वागत भाषण प्राचार्य प्रो विनोद मोहन मिश्र ने किया। संचालन प्रो गौरव तिवारी ने किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ अनुज कुमार और सह संयोजक डॉ राकेश राय रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रो रवि प्रताप पाण्डेय, प्रो इंद्रजीत मिश्र ,प्रो सत्येंद्र गौतम, डॉ चंद्रशेखर सिंह, डॉ रमेश चंद्र विश्वकर्मा, डॉ सौरभ द्विवेदी, डॉ सुबोध गौतम, डॉ हिमांशु मिश्र, डॉ श्वेता यादव, डॉ पारसनाथ, डॉ अंशु यादव, डॉ लक्ष्मी, डॉ पूजा, डॉ चंद्र प्रकाश सिंह, डॉ विनोद सिंह, डॉ चंद्रशेखर पाठक सहित भारी मात्रा में विद्यार्थियों की सहभागिता रही।

हमीरपुर में सत्ताईसवीं अन्तर्जनपदीय प्रयागराज जोन की तीन दिवसीय प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

संवाददाता
हमीरपुर (सैय्यद बासित अख्तर) उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में अपर पुलिस महानिदेशक प्रयागराज, जोन प्रयागराज के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक हमीरपुर ने तीन दिवसीय, 27वीं अन्तर्जनपदीय प्रयागराज की पुलिस एथलेटिक्स क्लस्टर प्रतियोगिता वर्ष 2025 के आयोजन का शुभारम्भ किया गया ।प्रतियोगिता 6.03.2025 से 8.03.2025 तक 27वीं प्रतियोगिता में आठ जनपदों में 6 जनपदों की टीमों ने जोरदार शिरकत की, पुलिस कप्तान दिक्षा शर्मा ने प्रतियोगिता में भाग ले रही सभी टीमें और उनके सम्मानित प्रशिक्षकों से बात कर खेल भावना की उच्च मयार्दाओं के प्रति प्रतिबद्धता के लिये निर्देश दिए। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वालें पुलिस खिलाडियों को सम्मानित किया जायेगा ।

चार वर्षो से मृतक को देते रहे पेंशन, विवाद में हुआ खुलासा

संवाददाता
देवरिया। सदर तहसील के गौरी बाजार के रहने वाले बद्रीनारायण राय जिनकी मृत्यु 18 नवम्बर 2020 को हो गया, उसके बाद भी इनके छोटे बेटे श्रीप्रकाश राय द्वारा लगातार हर महीने पेंशन लिया जा रहा था,मरने के बाद भी लिया गया पेंशन का लाभ, हर वर्ष किया गया मृत शिक्षक का वेरिफिकेशन, सिस्टम में दिखाया गया जीवित। चार वर्षों से मृतक शिक्षक ले रहा था पेंशन। दो भाइयों के विवाद में हुआ खुलासा। ट्रेजरी विभाग के बाबू की मिलीभगत से उठता रहा पेंशन। हर वर्ष हुआ मृत शिक्षक का वेरिफिकेशन। मृत शिक्षक को जिंदा दिखाकर दी गई पेंशन। ट्रेजरी विभाग के बाबू को पटल से हटाया गया।अब इस पुरे मामले में धन की रिकवरी की जाएगी।

लोक अदालत में कुल 16 वादों का हुआ निस्तारण

संवाददाता
देवरिया। गुरुवार को जनपद यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, देवरिया श्री देवेंद्र सिंह की मार्गदर्शन में लघु आपराधिक वादों के अन्तर्गत लम्बित मामलों के निस्तारण हेतु विशेष लोक अदालत का आयोजन दीवानी न्यायालय परिसर, तथा ग्राम न्यायालय में किया गया। उक्त लोक अदालत में विभिन्न फौजदारी न्यायालयों के पीठासीन न्यायिक अधिकारीगण द्वारा कुल 16 वादों का निस्तारण किया गया।उक्त जानकारी श्री मनोज कुमार तिवारी, अपर जनपद न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवरिया द्वारा दी गयी।

स्पेन में 2025 मोबाइल विश्व कांग्रेस में एक ड्रोन को ड्यूटेस टेलीकॉम स्टैंड में प्रदर्शित किया गया। इस मोबाइल विश्व कांग्रेस में कारोबारी जगत के दिग्गजों के अलावा नीति निर्धारक और नई तकनीक तलाशने वाले एक साथ नजर आते हैं।

देश में 2014 से 2024 तक 17.1 करोड़ रोजगार अवसर पैदा हुएः मांडविया

नई दिल्ली।

केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि 2014 से 2024 के दशक में देश के भीतर 17.1 करोड़ नौकरियां सृजित हुईं जिनमें से 4.6 करोड़ रोजगार अकेले पिछले साल ही सृजित हुए। मांडविया ने बजट पर आयोजित एक वेबिनार में कहा कि बेरोजगारी दर में उल्लेखनीय गिरावट आई है। यह 2017-18 के छह प्रतिशत से घटकर 2023-24 में 3.2 प्रतिशत पर आ गई। इसी अवधि में महिला रोजगार 22 प्रतिशत से खासा बढ़कर 40.3 प्रतिशत हो गया। श्रम मंत्री ने इन उपलब्धियों का श्रेय सरकार की प्रगतिशील नीतियों को देते हुए कहा कि इससे देश का कार्यबल मजबूत हुआ है। मांडविया ने अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की विश्व सामाजिक सुरक्षा रिपोर्ट 2024-26 का हवाला देते हुए सरकार की सामाजिक सुरक्षा पहल के प्रभाव का जिक्र किया। इसमें कहा गया है कि भारत का सामाजिक सुरक्षा 'कवरेज' 24.4 प्रतिशत से दोगुना होकर 48.8 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने कहा कि ई-श्रम पोर्टल का विस्तार, 30.67 करोड़ से अधिक असंगठित श्रमिकों को कवर करना और पीएमजेएवाई (प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना) के तहत अस्थायी (गिग) श्रमिकों को शामिल करना, कार्यबल कल्याण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को बताता है। उन्होंने कहा कि सरकार ने ई-श्रम पोर्टल के तहत 12 प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं को भी एकीकृत किया है और यह पोर्टल 22 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है।

टेस्ला इंक मुंबई में खोलेगा पहला शोरूम

- 35 लाख होगा ऑ फिस का मंथली किराया

मुंबई।

एलन मस्क की कंपनी टेस्ला इंक ने भारत में अपना पहला शोरूम मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में लीज पर लिया है। इस डील के अनुसार, 881 प्रति वर्ग फुट के रिकॉर्ड किराये पर लीज हुआ, जिसे अब तक का सबसे महंगा माना जा रहा है। टेस्ला ने 2.11 करोड़ रुपए का सिक्योरिटी डिपॉजिट जमा करवाया है और हर महीने 35.26 लाख रुपए किराया देना होगा, जिसमें सालाना 5 फीसदी बढ़ोतरी होगी। इस लीज एग्रीमेंट में 5 साल का दीर्घकालिक कार्यकाल भी है। देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग को देखते हुए, टेस्ला भारतीय बाज़ार में एंट्री करने की योजना बना रहा है। ईस्टर्न हरायाणा स्थित गाँधीधाम मंदिर में नवद्वारका वंदना यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस यात्रा में कन्या दान एवं रिक्लवर के नरमुंदी नामक कार्यालय के भवन एवं समाजशास्त्र परिषद स्थित लुदियाना के प्रदेश सभा के भवन की तीन ओर वातावरण से एकदम तत्काल निर्माण के न्यायाधीश या जुन नापलियाल के स्थानीय प्रतिनिधि होंगे। यह अभियान की प्रारंभिक रात्रि जारी है। अभियान के अंतिम चरण में 108 नवद्वारका वंदना मेला 10 मार्च को वंदना गांधीधाम आएगा।

महाराष्ट्र में गन्ना पेराई सत्र में चीनी उत्पादन में 20 फीसदी की गिरावट

- चालू सीजन में अभी तक राज्य में 76 लाख टन चीनी का हो चुका उत्पादन

मुंबई।

महाराष्ट्र में चीनी उत्पादन में भारी गिरावट के कारण गन्ना पेराई सत्र अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। चालू सीजन में अभी तक राज्य में 76 लाख टन चीनी का उत्पादन हो चुका है जो पिछले सीजन से करीब 20 फीसदी कम है। गन्ने की कमजोर फसल, चीनी रिकवरी दर में गिरावट और एथेनॉल की तरफ झुकाव से राज्य के चीनी उत्पादन में भारी गिरावट देखी जा रही है। महाराष्ट्र चीनी आयुक्तालय के अनुसार, तीन मार्च तक महाराष्ट्र में चालू 2024-25 सीजन के लिए चीनी उत्पादन 761.19 लाख क्विंटल (लगभग 76.11 लाख टन) हुआ है। इसके बावजूद गन्ने की कमी के कारण राज्य की 92 मिलों ने अपना परिचालन बंद कर दिया है जो पिछले सीजन की तुलना में दोगुना है। वर्तमान में 108 मिलें गन्ना पेराई कार्यों में लगी हुई हैं, जबकि राज्य में 92 चीनी मिलों ने अपना परिचालन बंद कर दिया है। राज्य की कुल चीनी रिकवरी दर 9.37 फीसदी है, जो पिछले सीजन की तुलना में कम है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, कम पैदावार और बढ़ी हुई पेराई क्षमता के कारण मिलों ने इस सीजन में परिचालन जल्दी बंद कर दिया है। महाराष्ट्र में चीनी का उत्पादन कम होने का असर देश के कुल उत्पादन पर पड़ने वाला है और 2024-25 सीजन में चीनी उत्पादन में 15 फीसदी की गिरावट की आशंका है। भारत में सालाना करीब 280 लाख टन चीनी की खपत होती है, जिससे देश में गन्ने की कोई कमी नहीं रहने वाली है।

गुजरात में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में 15,000 करोड़ निवेश के एमओयू पर हस्ताक्षर

गांधीनगर।

गुजरात की राजधानी में आयोजित सेमीकंडक्टर सम्मेलन के पहले दिन विदेशी कंपनियों के प्रस्तावों समेत करीब 15,000 करोड़ रुपये के निवेश की संभावना वाले समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। राज्य सरकार के अधिकारी ने बताया कि नेक्स्टजेन समेत कई कंपनियों ने भावी निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। समझौतों में एक संयंत्र की स्थापना के लिए विदेशी कंपनियों ने अच्छे निर्णय लिए हैं। गुजरात सरकार की प्रमुख ने सम्मेलन का महत्वपूर्णता को जताया। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में नए निवेश से कई रोजगार के अवसर उत्पन्न हैं। इस पहलु का उज्जवल भविष्य का निर्माण होगा। गुजरात को एक नई ऊर्जा से समृद्धि की दिशा में कदम बढ़ाने का संकल्प मजबूती से दिखाई दे रहा है। एक सरकारी विज्ञप्ति के मुताबिक, सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में कौशल वृद्धि के लिए टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), गांधीनगर के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। अहमदाबाद जिले के धोलेरा शहर में भारतीय कंपनी की आगामी सेमीकंडक्टर चिप विनिर्माण इकाई के लिए टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और ताइवानी फर्मों पीएसएमसी और हाइमैक्स टेक्नोलॉजीज के बीच एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। बयान के मुताबिक गुजरात में 500 करोड़ रुपये के निवेश से एक नई इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सेवा (ईएमएस) इकाई लगाने के लिए ताइवान सरफेस माउंटिंग टेक्नोलॉजी (टीएसएमटी) के साथ एक और समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस निवेश से करीब 1,000 नए रोजगार सृजित होंगे।

सीबीआई ने जय कारपोरेशन एवं उसके निदेशक पर एफआईआर दर्ज की

नई दिल्ली।

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने जय कॉरपोरेशन की जांच करते हुए वर्ष 2006-08 के दौरान एक कथित दुरुपयोग का पता लगाया है। उन्होंने जय कॉरपोरेशन और इसके निदेशक आनंद जयकुमार जैन के खिलाफ 2,434 करोड़ रुपए के एफआईआर की प्रक्रिया शुरू की है। इसके पीछे की कहानी यह है जब कर्मचारी शोएब रिची सेक्रेरिया ने शिकायत की थी कि देश में रियल एस्टेट कारोबार के उद्देश्य से जनता से धन जुटाया गया था। सेक्रेरिया के अनुसार इस जुटाए गए धन का दुरुपयोग करके कंपनी ने कम्पनियों की स्थापना की, तेल कम्पनी के वायदे और विकल्पों में धोखाधड़ीपूर्ण गतिविधियां कीं। सीबीआई ने बॉम्बे उच्च न्यायालय के आदेश पर इस मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल गठित किया है। इस मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए, सीबीआई ने इसे गंभीरता से लेने का निर्णय लिया है और जल्द ही जाँच की पूर्णता सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा। सीबीआई ने भी सावधानी बरतने की अपील की है और यह साफ कर दिया है कि किसी भी अवैध गतिविधि को नहीं छोड़ा जाएगा।

ओला इलेक्ट्रिक पीएलआई प्रोत्साहन पाने वाली पहली दोपहिया ईवी विनिर्माता बनी

नई दिल्ली।

भारत की शीर्ष इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) कंपनी, ओला इलेक्ट्रिक वाहन, ने पीएलआई-वाहन योजना के अधीन एक प्रोत्साहन प्राप्त करते हुए देश की पहली दोपहिया ईवी विनिर्माता बन गई है। यह कंपनी वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कुल 73.74 करोड़ रुपए का प्रोत्साहन प्राप्त करने का गर्व अनुभव कर रही है। पीएलआई-वाहन योजना के उद्देश्य का उल्लेख करते हुए, ओला इलेक्ट्रिक वाहन ने इसके तहत घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और स्वच्छ, उन्नत, और टिकाऊ परिवहन समाधानों की स्वीकार्यता को बढ़ाने का उद्देश्य दिखाया है। ओला इलेक्ट्रिक की पात्रता भारत की ईवी क्रांति में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देती है। पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी के तौर पर स्वीकृति मिलने के बाद, ओला इलेक्ट्रिक टेक्नोलॉजीज अब आगे बढ़ने के लिए तत्पर है। इस प्रोत्साहन के साथ उसे वित्त वर्ष 2023-24 के निर्धारित बिक्री मूल्य के लिए समर्थन प्राप्त हो गया है, जो कंपनी के विस्तार और उत्कृष्ट उत्पादन की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। पीएलआई-वाहन योजना के कारण, पंचायती वाहनों में ईवी तकनीक का प्रचार होने की संभावना है, जिससे देश का सुरक्षित, पर्यावरण-सौहार्दपूर्ण, और विकसित परिवहन समाधान की ओर आगे बढ़ सकता है।

शेयर बाजार में गिरावट से निवेशक सहमे, सेबी के नये नियमों का असर

नई दिल्ली।

शेयर बाजार में हाल ही में गिरावट की वजह से निवेशक बहुत सहमे हुए हैं। इस गिरावट के चलते शेयर बाजार में तेजी कम हो गई है। जनवरी और फरवरी महीने में कैश और डेरिवेटिव्स उभरते सेगमेंट में पिछले साल की तुलना में 25 फीसदी तक की गिरावट आई है। इसके मुख्य कारणों में से एक है बाजार का धीमा प्रदर्शन और दूसरा है सेबी के नए नियम। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की एक रिपोर्ट के अनुसार एफएंडओ सेगमेंट में कॉन्ट्रैक्ट साइज बढ़ने से छोटे निवेशकों की डेली ट्रेडिंग कम हो गई है जबकि बड़े निवेशकों के लिए एक्सपायरी के दिन मार्जिन में भारी बढ़ोतरी ने मुश्किलें बढ़ा दीं हैं। सेबी ने डेरिवेटिव्स ट्रेडिंग के लिए नए नियम बनाने का विचार किया जा रहा है, लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक ये नए नियम ट्रेडिंग वॉल्यूम पर ज्यादा असर नहीं डालेंगे। रिपोर्ट में इस आंकड़े का खुलासा किया गया है कि रिटेल निवेशकों के लिए एफएंडओ के ज्यादातर नियम लागू हो चुके हैं, जिससे रिटेल प्रीमियम टर्नओवर और सक्रिय रिटेल ट्रेडर्स में लगभग 20 फीसदी की गिरावट आई है। रिपोर्ट दरअसल संकेत कर रही है कि वॉल्यूम में गिरावट पहले से ही दिख रही है और इसके दूसरे प्रभाव अगले 6-12 महीनों में ज्ञात होंगे। इसके बावजूद, नियमों को और सख्त करने की संभावना कम है। कैश मार्केट में भी सुस्ती छाई हुई है और रिटेल वॉल्यूम, एक्टिव ट्रेडर्स और मार्जिन लोन में गिरावट दिख रही है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंदसेंसेक्स 610 अंक, निफ्टी 207 अंक ऊपर आया

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के मेक्सिको और कनाडा के खिलाफ ऑटोमोबाइल पर लगाये टैरिफ को एक महीने के लिए टालने से भी दुनिया भर के बाजारों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इसका घरेलू बाजार पर भी अच्छा प्रभाव पड़ा है।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स सुबह बढ़त के साथ ही 74,308 पर खुला, पर इसके बाद इसमें गिरावट आने लगी पर अंत में सेंसेक्स 609.86 अंक करीब 0.83 फीसदी बढ़कर 74,340.09 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी तेजी के साथ ही 22,476 पर खुला। अंत में निफ्टी 207.40 अंक तकरीबन 0.93 फीसदी उछलकर 22,544.70 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में एशियन पेंट 5 फीसदी तेजी के साथ बंद हुआ। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, एनटीपीसी, हिन्दुस्तान यूनिलीवर, बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील, सनफार्मा, एक्सिस बैंक, अदाणी पोर्ट्स, टाइटन, टीसीएस, बजाज फाइनेंस और एचसीएल टेक के शेयर भी ऊपर आये।

वहीं दूसरी ओर टेक महिंद्रा का शेयर 2 फीसदी से ज्यादा नीचे आया। इसके अलावा कोटक बैंक, जोमैटो, इंडसइंड बैंक, टाटा मोटर्स और एसबीआई के शेयर भी गिरावट पर बंद हुए।

बाजा में ये तेजी अमेरिकी सरकार के मेक्सिको और कनाडा के ऑटोमोबाइल पर टैरिफ को एक महीने के लिए टालने के अलावा मांग में कमी और चीन के आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज से कच्चे तेल की कीमतों में कमी आई। इससे एनर्जी और मेटल सेक्टर के शेयरों में जोरदार तेजी रही। लिक्विडिटी की स्थिति में सुधार के कारण हेवीवेट बैंकिंग और उपभोग स्टॉक्स में तेजी से भी बाजार ऊपर आया।

निवेशकों को दो दिनों में 12 लाख करोड़ रुपये का लाभ

बाजार में बुधवार और गुरुवार को आई तेजी से निवेशकों की संपत्ति करीब 12 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकर 397,12,330 करोड़ रुपये पर पहुंच गया जबकि पहले ये 385,59,355 करोड़ रुपये था। इस तरह से निवेशकों की संपत्ति पिछले दो कारोबारी सत्र में 11,52,975 करोड़ रुपये बढ़ी। वहीं गत दिवस बुधवार को भी बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था।

भारत से अमेरिका में इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात बढ़ा

नई दिल्ली। भारत से अमेरिका में इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात जनवरी, 2025 में सालाना आधार पर 18 फीसदी बढ़कर 1.62 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह आंकड़ा बताता है कि भारत का इंजीनियरिंग निर्यात मामूली रूप से बढ़ा है। इंजीनियरिंग निर्यात संवर्द्धन परिषद (ईईपीसी) के जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, अमेरिका को इंजीनियरिंग निर्यात एक साल पहले के 14.38 अरब डॉलर से 15.60 अरब डॉलर पहुंच गया। जीते देश यूएई को भी निर्यात में वृद्धि देखने को मिली। भारत के इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात जर्मनी, मेक्सिको, तुर्की, दक्षिण अफ्रीका, फ्रांस, जापान, नेपाल और बांग्लादेश में बढ़ा है, जबकि यूके, सऊदी अरब, मलेशिया, चीन, इटली और स्पेन में गिरावट देखने को मिली। ईईपीसी ने बताया कि भारत के इंजीनियरिंग निर्यात में वृद्धि के बावजूद जनवरी में वृद्धि में कमी आई है। उन्होंने भी कहा कि भारत का इंजीनियरिंग निर्यात लगातार नौवें महीने सकारात्मक वृद्धि दर्ज कर रहा है।

सेवा क्षेत्र 26 महीने के निचले स्तर से उबरा

नई दिल्ली। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों से नए ऑर्डर मिलने से देश का सेवा क्षेत्र फरवरी, 2025 में 26 महीने के निचले स्तर से उबर गया। उत्पादन में तेज विस्तार और रोजगार में पर्याप्त वृद्धि से सेवा क्षेत्र की गतिविधियां बढ़कर 59 पहुंच गई। एचएसबीसी भारत सेवा पीएमआई व्यापार गतिविधि सूचकांक जनवरी में 26 महीने के निचले स्तर 56.5 तक आ गया था। एचएसबीसी की एक मुख्य भारत अर्थशास्त्री ने कहा, छह महीनों में सबसे तेज गति से बढ़ी वैश्विक मांग ने भारत के सेवा क्षेत्र के लिए उत्पादन की रफ्तार को बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभाई। सेवा क्षेत्र की कंपनियों को अफ्रीका, एशिया, यूरोप, अमेरिका और मध्य एशिया से अधिक ऑर्डर मिले। सेवा क्षेत्र की कंपनियों ने बढ़ते नए कारोबार को संभालने और क्षमता दबाव को कम करने के लिए भर्ती अभियान जारी रखा। रोजगार में दिसंबर, 2005 के बाद से यानी 20 साल में सबसे तेज वृद्धि देखने को मिली।

अडानी ग्रुप के शेयरों में आई तेजी, 10.59 फीसदी का आया उछाल

मुंबई।

अडानी ग्रुप के शेयरों में बुधवार को तूफानी तेजी आई। पोर्ट्स से लेकर एनर्जी तक कारोबार करने वाले कारोबारी समूह के सभी शेयरों में उछाल देखने को मिला। इस तेजी का नेतृत्व अडानी ग्रीन एनर्जी की ओर से किया गया। अडानी ग्रुप की रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी का शेयर 81.40 रुपए या 10.59 फीसदी बढ़त के साथ 849.95 रुपए पर बंद हुआ था। कारोबार में अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयर ने 857.90 रुपए के उच्चतम स्तर और 769 रुपए के न्यूनतम स्तर को छुआ।

अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस का शेयर 60.35 रुपए या 9.33 फीसदी की तेजी के साथ 707 रुपए पर बंद हुआ था। कारोबारी सत्र में शेयर ने 731.50 रुपए के उच्चतम स्तर और 646 रुपए के न्यूनतम स्तर को छुआ। अडानी टोटल गैस का शेयर 35.05 रुपए या 6.41 फीसदी की बढ़त के साथ 582.20 पर बंद हुआ। दिन में शेयर ने 600 रुपए का उच्चतम स्तर और 544.35 रुपए का न्यूनतम स्तर बनाया। इसके अलावा अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर 97.20 रुपए या 4.53 फीसदी चढ़कर 2,242 रुपए पर बंद हुआ था। वहीं, अडानी पोर्ट्स का शेयर 54.50 रुपए या 5.15 फीसदी बढ़कर 1,112.45 रुपए और अडानी पावर का शेयर 19.10 रुपए या 3.95 फीसदी की तेजी के साथ 502.35 रुपए पर बंद हुआ। ग्रुप की सीमेंट कंपनी अंबुजा सीमेंट्स का शेयर 14.60 रुपए या 3.07 फीसदी से बढ़कर 489.60 रुपए पर बंद हुआ। 10 कारोबारी सत्रों की गिरावट के बाद भारतीय बाजार भी बुधवार को हरे निशान पर बंद हुआ। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 740 अंक या 1.01 फीसदी की तेजी के साथ 73,730 और निफ्टी 254 अंक या 1.15 फीसदी की बढ़त के साथ 22,337 पर था। बाजार में तेजी के कारण बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का मार्केटकैप 9 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 393 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो मंगलवार को 384 लाख करोड़ रुपए था।

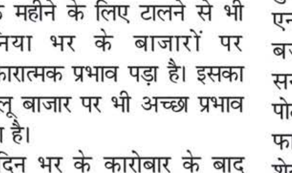

विदेशी निवेशकों की भारतीय बाजार में संपत्ति घटी, लेकिन हिस्सेदारी बढ़ी

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में लगातार गिरावट और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआईएस) की भारी बिकवाली से एफआईआईएस की भारतीय बाजार में कुल संपत्ति फरवरी 2025 में 13 महीने के निचले स्तर पर आ गई। एफआईआईएस की कुल एयूसी फरवरी में घटकर 62.38 लाख करोड़ रुपए रह गई, जो जनवरी 2024 के बाद का सबसे कम स्तर है। यह सितंबर 2024 में बने 77.96 लाख करोड़ रुपए के उच्चतम स्तर से 15.58 लाख करोड़ रुपए की भारी गिरावट को दर्शाता है। हालांकि, भारी बिकवाली के बावजूद, फरवरी में एफआईआईएस की भारतीय शेयर बाजार में हिस्सेदारी बढ़कर 16.24 फीसदी हो गई, जो पिछले पांच महीनों में सबसे ज्यादा है। जनवरी में यह आंकड़ा 15.98 फीसदी था, जो आखिरी बार सितंबर 2024 में देखने को मिला था। भारतीय शेयर बाजार पर विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारी बिकवाली का दबाव बना हुआ है। जनवरी 2025 में एफआईआईएस ने 78,027 करोड़ रुपए के शेयर बेचे, जबकि फरवरी 2025 में यह आंकड़ा 34,574 करोड़ रुपए रहा।

थोड़ी सी सावधानी से डायबिटीज के मरीज भी ले सकते हैं होली का मजा

होली खाने-पीने और लोगों से मिलने-जुलने का मौका होता है. होली के दिन दोस्त-रिश्तेदार मिलते हैं, पार्टियों का दौर चलता है. लेकिन इन पार्टियों और बेवक्त खाने-पीने का बुरा असर उन लोगों के शरीर पर ज्यादा पड़ता है जो पहले से ही किसी शारीरिक समस्या से जूझ रहे हैं. त्योहारों के दौरान खान-पान में लापरवाही बरतने से डायबिटीज के मरीजों की परेशानी बढ़ जाती है. आज इस त्योहारी सीजन पर हम आपके साथ कुछ ऐसे टिप्स शेयर कर रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप पूरे जोश के साथ होली का मजा ले पाएंगे, वो भी बीमारी की चिंता किए बिना.

होली के दौरान ब्लड शुगर लेवल को कैसे रखें कंट्रोल

विशेषज्ञों का कहना है कि होली के बाद बड़ी संख्या में लोगों का ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है. पिछले कुछ सालों के आंकड़ों पर गौर करें तो त्योहारी सीजन के दौरान 250 द्वद्द/स्ररुसे ऊपर ब्लड शुगर लेवल वाले लोगों के ब्लड शुगर लेवल में 15 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है, जबकि 300 द्वद्द/स्ररु से ऊपर ब्लड शुगर लेवल वाले लोगों में 18 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है. इस होली पर डायबिटीज के मरीज अपने खान-पान पर थोड़ा कंट्रोल रखकर अपनी सेहत को बेहतर रख सकते हैं और त्योहार को भी उसी उत्साह और खुशी के साथ मना सकते हैं.

थोड़ी-थोड़ी मात्रा में कई बार खाएं

अगर डायबिटीज के मरीज एक बार में बहुत सारा खाना खाने की बजाय थोड़े-थोड़े अंतराल पर थोड़ा-थोड़ा खाएं, तो वे अपने ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित कर सकते हैं. ऐसा करने से मरीजों के खून में शुगर लेवल सामान्य रहेगा और शरीर को पूरे पोषक तत्व भी मिलेंगे.

फास्ट फूड की जगह पौष्टिक स्नैक्स खाएं

त्योहार की चहल-पहल और उत्साह में खाने-पीने से समझौता न करें. जितना हो सके फास्ट फूड से बचें और तले-भुने और मसालेदार खाने से दूरी बनाए रखें. साथ ही बिस्किट, समोसे, कचौड़ी और पकौड़े जैसी खाद्य सामग्री खाने से बचें. फास्ट फूड की जगह फल और हल्के भुने स्नैक्स खाएं.

शराब और अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से बचें

होली के त्योहार के मौके पर ज्यादातर लोग दोस्तों और रिश्तेदारों से मिलकर खुशी जाहिर करने के लिए शराब का सेवन करते हैं. शराब आपके ब्लड शुगर लेवल को बढ़ाती है. इसलिए जहां तक ??हो सके शराब या अन्य नशीले पदार्थों का सेवन करने से बचें और अपने रक्त में शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने का प्रयास करें.

कोल्ड ड्रिंक्स से बचें

त्योहारों के दौरान कोल्ड ड्रिंक्स के सेवन से भी बचना चाहिए. कोल्ड ड्रिंक्स की जगह नारियल पानी या ग्रीन टी को प्राथमिकता देनी चाहिए.

ब्राउन राइस खाएं

ज्यादातर लोग सफेद चावल खाना पसंद करते हैं. लेकिन डायबिटीज के रोगियों को सफेद चावल खाने से बचना चाहिए. दरअसल, सफेद चावल में ग्लाइसेमिक इंडेक्स अधिक होता है, जो रक्त शर्करा के स्तर को तेजी से बढ़ाता है. इसलिए सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस या साबुत अनाज का सेवन करना चाहिए.

भुने हुए अमरूद के लाभ जानकर हो जाएंगे हैरान

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए खान-पान पर विशेष ध्यान देना बेहद जरूरी होता है. अच्छी सेहत के लिए लोगों को आहार में पौष्टिक खाद्य पदार्थों को शामिल करना चाहिए, इसके साथ ही तरह-तरह के फल का भी सेवन करना चाहिए. अमरूद फल खाना हर किसी को पसंद होता है. स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी अमरूद काफी फायदेमंद होता है. अमरूद स्वास्थ्य को ठीक रखता है, इसमें पोषक तत्वों की प्रचुरता होती है. अमरूद में पर्याप्त मात्रा में विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन ए, विटामिन बी और विटामिन ई होते हैं. अमरूद को अधिकांश लोग ऐसे ही खाते हैं लेकिन यदि इसे रोस्ट कर खाया जाए तो और भी फायदेमंद होगा. इस खबर में प्रसिद्ध पोषण विशेषज्ञ डॉ. जानकी श्रीनाथ से के माध्यम से जाने भुने हुए अमरूद खाने के फायदे के बारे में...

भुने हुए अमरूद खाने के फायदे

भुना हुआ अमरूद खाने में बहुत स्वादिष्ट होता है. यह सेहत के लिए भी अच्छा होता है. अमरूद पोषक तत्वों से भरपूर होता है. इसमें फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन ए, विटामिन सी, पोटैशियम, कॉपर और मैंगनीज जैसे पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं.

भुने हुए अमरूद में फाइबर होता है. यह पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में मदद करता है. इसे खाने से पेट की समस्याओं जैसे गैस, एसिडिटी और अपच से राहत मिलती है. अमरूद में पर्याप्त मात्रा में विटामिन सी होता है. इसे भूनकर खाने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है. इससे शरीर में संक्रमण का खतरा टल जाता है.

भुने हुए अमरूद में ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है. यह ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद करता है. यह डायबिटीज रोगियों के लिए रामबाण है. भुने हुए अमरूद में पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे खनिज होते हैं।. ये दिल को स्वस्थ रखते हैं. इसे खाने से खराब कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रहता है.

भुने हुए अमरूद खाने से कब्ज, गैस और पेट फूलने जैसी समस्याओं से राहत मिलती है. भुने हुए अमरूद में कैल्शियम और फास्फोरस होता है. ये हड्डियों के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं. इसे खाने से हड्डियां मजबूत होती हैं और जोड़ों के दर्द से राहत मिलती है.

भुने हुए अमरूद सर्दी-खांसी से राहत दिलाते हैं. अमरूद की तासीर आमतौर पर ठंडी होती है. ऐसे में भुने हुए अमरूद खाना सेहत के लिए अच्छा होता है. अमरूद में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं. ये रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का काम करते हैं. सर्दियों में भुने हुए अमरूद खाने से सर्दी-खांसी जैसी समस्याएं दूर रहती हैं.

अमरूद में पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं. ये दिल से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में मदद करते हैं. दिल के मरीजों के लिए अमरूद खाना फायदेमंद होता है. एनर्जी से भरपूर अमरूद खाने से आपको एनर्जी मिलती है. इसमें भरपूर मात्रा में पोषक तत्व होते हैं. आप भुने हुए अमरूद की चाट बनाकर भी नाश्ते में खा सकते हैं.

भुने हुए अमरूद खाने से शरीर से कमजोरी और थकान दूर होती है. अगर आपको भूख कम लगती है तो भुने हुए अमरूद खाना बहुत फायदेमंद हो सकता है. भुने हुए अमरूद खाने से भूख बढ़ती है. वजन घटाने में अमरूद खाना फायदेमंद होता है. इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं. यह मेटाबॉलिज्म बढ़ाने और वजन कम करने में मदद करता है.

अमरूद में मौजूद विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट आपकी त्वचा के लिए फायदेमंद हो सकती है. इसके एंटीऑक्सीडेंट आपकी त्वचा को नुकसान से बचा सकते हैं, जो इसकी उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा कर सकता है, जिससे झुर्रियों को रोकने में मदद मिलती है.

दो महीने तक खाली पेट नारियल पानी पीने से क्या होगा?

नारियल पानी शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है. इस पानी में मौजूद कुछ तत्व स्वस्थ पाचन को बढ़ावा देते हैं और पुरानी बीमारियों से बचाते हैं. हालांकि, क्या आपने कभी सोचा है कि अगर आप रोज सुबह 2 महीने तक खाली पेट नारियल पानी पीते हैं तो क्या होता है? खबर में जानें नियमित रूप से नारियल पानी पीने से शरीर में क्या बदलाव आते हैं.

शरीर में आते हैं ये बदलाव

दरअसल, रोजाना नारियल पानी पीना बहुत फायदेमंद होता है. इस पानी में मौजूद कुछ तत्व स्वस्थ पाचन को बढ़ावा देते हैं और पुरानी बीमारियों से बचाते हैं. विशेषज्ञों का कहना है कि रोज सुबह खाली पेट नारियल पानी पीने से शरीर हाइड्रेट रहता है. यह शरीर में पानी की कमी को भी पूरा करता है.

रोज सुबह खाली पेट नारियल पानी पीने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी बढ़ती है. संक्रमण और मौसमी बीमारियों से बचाव होता है. जो लोग हमेशा मौसमी बीमारियों से परेशान रहते हैं उन्हें नियमित रूप से नारियल पानी पीने से फायदा होता है.

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि रोज सुबह नारियल पानी पीने से दिल से जुड़ी समस्याओं से राहत मिल सकती है. इसके कुछ गुण शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में अहम भूमिका निभाते हैं. यह दिल को मजबूत बनाने में भी मदद करता है.

नारियल के पानी में इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं. इनसे शरीर तरोताजा रहता है. संक्रमण से पीड़ित लोगों के लिए यह पानी पीना अच्छा रहता है. साथ ही बीपी, शुगर और दिल की बीमारियां भी कंट्रोल में रहती हैं. आपको बता दें, बढ़ते वजन को कम करने के लिए आपको रोजाना नारियल पानी पीना चाहिए. दिल को स्वस्थ रखने के लिए आपको रोजाना नारियल पानी पीना चाहिए. त्वचा को चमकदार और ग्लोइंग बनाने के लिए भी नारियल पानी उपयोगी है. अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए आपको नारियल पानी पीना चाहिए.

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) के अनुसार, नारियल पानी के कई स्वास्थ्य लाभ हैं, जिनमें शामिल हैं

नारियल पानी में पोटेशियम और मैग्नीशियम होता है, जो किडनी के कार्य, मांसपेशियों के संकुचन और रक्त शर्करा के नियमन में मदद करता है.

नारियल का पानी ग्लूकोज सहनशीलता को बेहतर बनाने और ब्लड शुगर लेवल को कम करने में मदद कर सकता है

नारियल का पानी रेटिना की मोटाई को बेहतर बनाने और सूजन को कम करने में मदद कर सकता है

नारियल के पानी का सिरका कैंसर से जुड़ी सूजन को रोकने और स्तन कैंसर कोशिकाओं की प्रगति में देरी करने में मदद कर सकता है

नारियल के पानी में रोगाणुरोधी पेप्टाइड्स होते हैं जो रोगजनक बैक्टीरिया से लड़ने में मदद कर सकते हैं

नारियल के पानी में कैटेचिन होते हैं, जिनमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं इलेक्ट्रोलाइट्सः नारियल पानी पोटेशियम, सोडियम और मैग्नीशियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स का एक उत्कृष्ट स्रोत है. ये खनिज शरीर में द्रव संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं, जो जलयोजन के लिए आवश्यक है.

हाइड्रेशनः नारियल पानी हाइड्रेशन का एक प्राकृतिक स्रोत है, और यह पसीने के कारण खोए हुए तरल पदार्थ को भरने में मदद कर सकता है. यह शुगर युक्त या हाई कैलोरी वाले पेय का एक उत्कृष्ट विकल्प है, जो निर्जलीकरण में योगदान कर सकता है.

ठंडक प्रदान करने वाले गुणः नारियल पानी में प्राकृतिक शीतलन गुण होते हैं जो शरीर के तापमान को नियंत्रित करने और गर्मी के तनाव को कम करने में मदद कर सकते हैं.

भोजन करते समय ऊपर से भूलकर भी ना करें नमक का सेवन

देश-दुनिया में लोग जाने-अनजाने में जरूरत से ज्यादा नमक सेवन करते हैं. कई लोग खाने के समय काफी मात्रा में अतिरिक्त नमक का सेवन करते हैं. मतलब निर्धारित मात्रा से अत्याधिक नमक सेवन करते हैं. इस कारण धीरे-धीरे हाई बीपी के अलावा कई गंभीर मेडिकल समस्या से ग्रसित हो जाते हैं. डिमेंशिया भी एक ऐसी ही समस्या है. डिमेंशिया से मस्तिष्क की तंत्रिका कोशिकाओं को गंभीर नुकसान पहुंचता है. डिमेंशिया से पीड़ित लोगों में सोचने, याद रखने और तर्क करने की क्षमता कम हो जाती है. जापान में यह समस्या काफी आम है. कभी-कभी, डिमेंशिया से पीड़ित लोग पागल भी हो सकते हैं.

चिकित्सा विज्ञान में डिमेंशिया को बीमारी नहीं माना जाता है. वर्तमान में, मस्तिष्क पर पड़ने वाले इसके प्रभाव को कम करने के लिए कोई संतोषजनक उपचार उपलब्ध नहीं है. या फिर डिमेंशिया को ठीक करने के लिए कोई दवा उपलब्ध नहीं है. दुनिया की बढ़ती आबादी के साथ, डिमेंशिया की रोकथाम और उपचार दवाओं की खोज महत्वपूर्ण है. चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना ??है कि डिमेंशिया की समस्या के पीछे मुख्य कारण अत्यधिक मात्रा में टेबल नमक का सेवन है, जो एक सर्वव्यापी खाद्य योजक है. अधिक नमक (एचएस) का सेवन हाई ब्लड प्रेशर का कारण भी बन सकता है. प्रतिकूल स्वास्थ्य परिणामों को रोकने के लिए, विश्व स्वास्थ्य संगठन प्रति दिन 5 ग्राम से कम नमक का सेवन सीमित करने की सलाह देता है. विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, वयस्कों को प्रतिदिन 5 ग्राम से कम नमक का सेवन करना चाहिए. इसका मतलब है कि हृदय संबंधी बीमारियों को रोकने और स्वस्थ रक्तचाप बनाए रखने के लिए प्रतिदिन 2,000 मिलीग्राम से कम सोडियम का सेवन करना चाहिए.

अगर भारतीय प्रतिदिन 5 ग्राम से कम नमक खाने के विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक का पालन करें, तो वे 10 वर्षों में हृदय रोग (सीवीडी) और क्रोनिक किडनी रोग (सीकेडी) से होने वाली अनुमानित 300,000 मौतों को टाल सकते हैं। यह विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा किए गए एक मॉडलिंग अध्ययन का निष्कर्ष है. द लैंसेट पब्लिक हेल्थ में प्रकाशित अध्ययन में अनुपालन के पहले 10 वर्षों के भीतर पर्याप्त स्वास्थ्य लाभ और लागत बचत की भविष्यवाणी की गई है, जिसमें 1.7 मिलियन सी.वी.डी. घटनाओं (दिल के दौरे और स्ट्रोक) और 700,000 नए सी.के.डी. मामलों को रोकना शामिल है, साथ ही 800 मिलियन डॉलर की बचत भी शामिल है. वर्तमान में औसत भारतीय प्रतिदिन लगभग 11 ग्राम नमक का सेवन करता है, जो डब्ल्यू.एच.ओ. द्वारा अनुशंसित मात्रा (5 ग्राम/दिन नमक से कम) से दोगुना है.

शोध में क्या हुआ

एंजियोटेंसिन द्बद्ब (एंग II) - एक हार्मोन जो ब्लड प्रेशर और द्रव संतुलन को रेगुलेट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और इसके रिसेप्टर %एटी1%, साथ ही शारीरिक रूप से महत्वपूर्ण लिपिड अणु प्रोस्टाग्लैंडीन ई2 और इसके रिसेप्टर %ईपी1% की हाई ब्लड प्रेशर और न्यूरोटॉक्सिसिटी में भागीदारी अच्छी तरह से पहचानी जाती है. हालांकि, हाई सॉल्ट मध्यस्थता वाले हाई ब्लड प्रेशर और भावनात्मक/संज्ञानात्मक हानि में इन प्रणालियों की भागीदारी अभी भी मायावी बनी हुई है.

इसके लिए, ब्रिटिश जर्नल ऑफ फार्माकोलॉजी में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन ने एचएस-मेडीटर और भावनात्मक/संज्ञानात्मक हानि के पहलुओं का गहन मूल्यांकन किया है. अध्ययन जापान के सहयोगी शोधकर्ताओं की एक टीम द्वारा किया गया था. क्रॉसस्टॉक द्वारा मध्यस्थता से भावनात्मक और संज्ञानात्मक शिथिलता का कारण बनता है.

फुजिता हेल्थ यूनिवर्सिटी के ग्रेजुएट स्कूल ऑफ हेल्थ साइंस के लेखक हसायोशी कुबोता ने टिप्पणी करते हुए कहा कि अत्यधिक नमक का सेवन हाई ब्लड प्रेशर, संज्ञानात्मक शिथिलता और

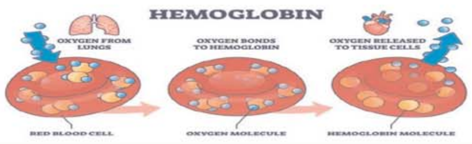

रंगपर्व होली के धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व को ऐसे समझिए

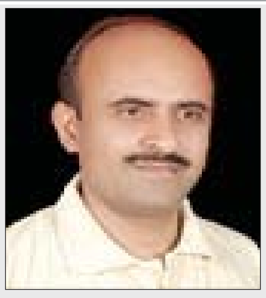

कमलेश पांडेय

यूँ तो ब्रज की होली पूरे देश में प्रसिद्ध है। बरसाना की लठमार होली की बात ही कुछ और है। राधा-कृष्ण को भी इस पर्व से जोड़ दिया गया है ताकि सांसारिक प्राणियों को उनका सुख मिलता रहे। वहीं, खान-पान के नजरिए से मालपुआ इस पर्व का सुप्रसिद्ध पकवान है, जिसको पकाने के तौर तरीके क्षेत्र के हिसाब से बदल जाते हैं।

पर्व-त्यौहारों के देश भारत वर्ष में रंग पर्व होली का त्यौहार प्रमुखता से मनाया जाता है। यह सामाजिक सद्भावना बढ़ाने का लोकपर्व है। इसे वसंतोत्सव भी कहा जाता है। इस त्यौहार का सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व भी है। इसके देशज पहचान को समझने के लिए हमें विभिन्न राज्यों के प्रचलनों पर गौर करना होगा। उनके स्थानीय भावों को वहां प्रचलित गवनई के माध्यम से समझना होगा। शास्त्रों में इसे शूद्रों अर्थात सेवकों का त्यौहार भी कहा जाता है। इस दिन नए सफेद वस्त्र पहनने और तरह तरह के पकवान खाने का भी रिवाज है।

यूँ तो ब्रज की होली पूरे देश में प्रसिद्ध है। बरसाना की लठमार होली की बात ही कुछ और है। राधा-कृष्ण को भी इस पर्व से जोड़ दिया गया है ताकि सांसारिक प्राणियों को उनका सुख मिलता रहे। वहीं, खान-पान के नजरिए से मालपुआ इस पर्व का सुप्रसिद्ध पकवान है, जिसको पकाने के तौर तरीके क्षेत्र के हिसाब से बदल जाते हैं। ठंडई इस दिन का प्रचलित पेय है जो भांग से बनती है। इसमें मेवा और दूध भी डाले जाते हैं। इन सबको अतिथियों को भी परोसा जाता है। सवाल है कि होली का त्योहार फाल्गुन मास की पूर्णिमा तिथि को ही क्यों मनाया जाता है? दूसरा सवाल है कि होली जलाने का क्या कोई वैज्ञानिक कारण भी है या सिर्फ धार्मिक मान्यता ही है?

जहां तक रंग पर्व होली की धार्मिकता की बात है तो पौराणिक कथा के अनुसार, असुरराज हिरण्यकशिपु का पुत्र प्रह्लाद भगवद्भक्त था अर्थात भगवान विष्णु का अनन्य भक्त, जिसकी भक्ति सुरभि से पूरा साम्राज्य सुवाषित हो रहा था। शायद इसलिए असुरराज हिरण्यकशिपु निज पुत्र प्रह्लाद को भगवान श्रीहरि की पूजा करने से मना किया करता था। किन्तु जब भक्तराज प्रह्लाद अपने पिता की बात नहीं माने तो उसने यानी हिरण्यकशिपु ने उन्हें यानी प्रह्लाद को मारने के नानाविध उपाय किये, लेकिन असफल रहा। कभी प्रह्लाद को पहाड़ पर ले जाकर गहरी खाई में गिराया तो कभी अस्त्र-शस्त्र से उसे मारने का प्रयास किया गया, किन्तु हिरण्यकशिपु के सभी प्रयास विफल रहे।

इससे चिंतित हिरण्यकशिपु की बहन होलिका ने कहा- 'भैया! मैं एक पल में इसे जलाकर मार सकती हूँ। मैं इसे

गोद में लेकर जलती चिता में बैठ जाऊँगी और यह जलकर मर जायेगा। क्योंकि मुझे वरदान है कि मैं जलती अग्नि में प्रवेश कर जाऊँ तो भी नहीं जलूँगी।' किन्तु होलिका यह भूल गयी थी कि यह वरदान उसे अकेली रहने पर की अवधि के लिए मिला था न कि किसी को साथ लेकर प्रविष्ट होने के लिए। इसलिए वह खुशी-खुशी चिता तैयार करवाकर प्रह्लाद को लेकर बैठ गयी। चिता में उसके ही कहने पर राक्षसों ने आग लगायी। उधर प्रह्लाद आँखें बंद किये हरि के नाम का स्मरण करने में लीन थे। आग लगते ही होलिका जलकर भस्म हो गयी और प्रभु कृपा से प्रह्लाद का बाल भी बाँका न हुआ।

चूंकि यह घटना बिहार के पूर्णिया जिले में पूर्णिमा के समीप ही घटित हुई थी, इसलिए तब से पूर्णिमा के दिन ही उस राक्षसी होलिका को जलाने की प्रक्रिया पूरे देश में हर वर्ष मनायी जाती है। इस प्रकार भारत में आश्विन मास में रावण दहन और फाल्गुन माह में होलिका दहन के द्वारा बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश जनमानस को दिया जाता है। इससे एक सप्ताह पहले और एक सप्ताह बाद तक होली मिलन समारोह मनाया जाता है, ताकि राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक औए सांस्कृतिक समरसता बनी रहे। पहले के राजा और धन्नासेठ और आज के जनप्रतिनिधियों और कारोबारियों के द्वारा भी यह पर्व उल्लास पूर्वक मनाया जाता है। अब तो यह विधान भारतीयों के साथ पूरी दुनिया में पहुंच गया है।

वहीं, जल रही होलिका में लोग खेतों से जौ, चने गेहूँ, आलू आदि नई फसलों की बालियाँ या फली तोड़कर भूनते हैं। यह भूनने की क्रिया करने का अर्थ है कि सर्वप्रथम हम अपने देवताओं को अन्न की आहुतियाँ प्रदान करते हैं। पहले आहुतियाँ अग्नि में ही दी जाती हैं। उसके बाद प्रसाद स्वरूप अन्न घर ले जाते हैं अर्थात उसके बाद गेहूँ, जौ आदि फसलों की कटाई शुरू होती है।

जहां तक वसंतोत्सव होली पर्व की वैज्ञानिकता की बात है तो यह पर्व पूर्ण रूप से वैज्ञानिकता पर आधारित है। क्योंकि जब जाड़े की ऋतु समाप्त होती है और ग्रीष्म ऋतु (गर्मी) का आगमन होता है, उस ऋतु संक्रमण काल में ही यह पर्व मनाया जाता है। चूंकि ऋतु बदलने के कारण अनेक प्रकार के संक्रामक रोगों का शरीर पर आक्रमण होता है, जैसे- चेचक, हैजा, खसरा आदि। लिहाजा, इन संक्रामक रोगों को वायुमण्डल में ही भस्म कर देने का यह सामूहिक अभियान होलिका दहन है।

आपको पता है कि पूरे देश में रात्रि काल में एक ही दिन होली जलाने से वायुमण्डलीय कीटाणु जलकर भस्म हो जाते हैं। यदि एक जगह से उड़कर ये दूसरी जगह जाना भी चाहें तो भी इन्हें स्थान नहीं मिलेगा, क्योंकि प्रत्येक ग्राम और नगर में होली की अग्नि जल रही होती है। अग्नि की गर्मी से कीटाणु भस्म हो जाते हैं, जो हमारे लिए अत्यधिक लाभकारी है। अतः वैज्ञानिक दृष्टि से भी होली का त्योहार उचित है। इसके अलावा, जलती होलिका की प्रदक्षिणा यानी चारों ओर चक्कर लगाने से हमारे शरीर में कम-से-कम 140 फॉरेनहाइट ताप वाली गर्मी प्रविष्ट होती है। उसके बाद यदि रोग उत्पन्न करने वाले जीवाणु हम पर आक्रमण करते हैं या हमें काटते हैं तो उनका प्रभाव हम पर नहीं होता है, क्योंकि हमारे अंदर आ चुकी उष्णता (गर्मी) से वे स्वयं नष्ट हो जाते हैं।

इसके बाद दूसरे दिन रंगों की होली मनायी जाती है और अबीर-गुलाल उड़ाए जाते हैं। क्योंकि रंगों का भी हमारे जीवन में बहुत लाभ है। शास्त्रकारों ने टेसुआ (ढाक के फूलों का रंग) जैसे रंग को होली में उपयोग करने की मान्यता दी है। होली से एक दिन पहले छोटी होली होती है, जिसमें धूल और गीली मिट्टी एक दूसरे पर डालने का विधान है। बहुत जगह पर होलिका दहन को सम्मत फूंकना भी बताया जाता है। कहीं अंडी के पेड़ और पुआल से, कहीं वृक्षों की टहनियों और उपले को जलाया जाता है। इससे पूर्व भगवान विष्णु के नरसिंह रूप सहित विविध स्वरूपों की पूजा की जाती है। विभिन्न प्रकार के उबटन, तिल, कर्पूर, शुद्ध घी आदि इसमें अर्पित किए जाते हैं।

वरिष्ठ पत्रकार व स्तम्भकार

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संपादकीय

बीएलए और पाकिस्तान

बुरी आदत को छोड़ने की असमर्थता तुम्हें तकलीफ देती है। जब तुम बहुत पीड़ित होते हो, वह व्यथा तुम्हें उस आदत से छुटकारा दिलाती है। जब तुम अपनी कमियों से व्यथा महसूस करते हो, तब तुम साधक हो। पीड़ा तुम्हें आसक्ति से दूर करती है। यदि अपने दुगुर्णों को हटा नहीं सकते, तो उन्हें विस्तृत कर दो। चिन्ता, अभिमान, प्रोध, कामना, दुख सबको एक और बड़ा आयाम दे दो, एक दूसरी दिशा। छोटे-छोटे विषयों पर नाराज होने का क्या तुक है? नाराज होना है तो अनन्तता के प्रति, ब्रह्म के प्रति हो। यदि तुम अपने अहंकार को नहीं खत्म कर सकते तो अहंकार करो कि ईश्वर तुम्हारे हैं। यदि आसक्ति तुम पर छाई है, तो सत्य के प्रति आसक्त हो जाओ। यदि ईर्श्या तुम्हें सताती है, तो सेवा के लिए ईर्श्या करो। द्वेष के प्रति द्वेष रखो; गुरु से राग करो। दिव्यता के प्रति मदहोश हो जाओ।

इन्द्रिय सुखों की इच्छाएं विद्युत की तरह हैं; जैसे-जैसे वे विषय विस्तुओं की ओर बढ़ती है, निष्प्रभावी हो जाती हैं। अपनी कुशलता से यदि तुम इच्छाओं को अपने भीतर मोड़ सको- अपने अस्तित्व के केन्द्र की ओर- तो तुम्हें मिलेगा एक और आयाम- चिरन्तन सुख, रोमांच, परमानन्द और शात प्रेम। वासना, लोभ और ईर्ष्या इसलिए शक्तिशाली हैं क्योंकि ये केवल ऊर्जा हैं और तुम ही इनके स्रेत हो- वह विशुद्ध ऊर्जा। निष्ठा और भक्ति तुम्हारी ऊर्जा को शुद्ध बनाए रखती हैं, तुम्हें उन्नत करती हैं।

जब तुम यह समझ लेते हो कि तुम स्वयं ही सुख की विद्युत धारा हो, तुम्हारी लालसाएं घटने लगती हैं और प्रशांति आती है। मृत्यु निश्चित है - यह याद रखने से तुम वर्तमान क्षण में सजीव रहते हो, राग और द्वेष से मुक्त। इच्छा खुशी को खत्म करती है, लेकिन सभी इच्छाओं का लक्ष्य है खुशी। जब भी जीवन से खुशी गायब होने लगे, भीतर गहराई में झांककर देखो- तुम पाओगे यह इच्छा के कारण हो रहा है। लेकिन हमारी इच्छा ही केवल खुशी है। कोई जीव आज तक पैदा नहीं हुआ जिसे दुःख की चाह हो- न ऐसा पहले कभी हुआ है, न भविष्य में होगा। जब तुम्हारा छोटा मन इधर-उधर, जब जगह भागते-भागते थक जाता है, वह इस निष्कर्ष पर पहुंचता है, मेरी इच्छाओं ने मेरी खुशी छीन ली है।

चिंतन-मनन

इच्छा का लक्ष्य है खुशी

बुरी आदत को छोड़ने की असमर्थता तुम्हें तकलीफ देती है। जब तुम बहुत पीड़ित होते हो, वह व्यथा तुम्हें उस आदत से छुटकारा दिलाती है। जब तुम अपनी कमियों से व्यथा महसूस करते हो, तब तुम साधक हो। पीड़ा तुम्हें आसक्ति से दूर करती है। यदि अपने दुगुर्णों को हटा नहीं सकते, तो उन्हें विस्तृत कर दो। चिन्ता, अभिमान, प्रोध, कामना, दुख सबको एक और बड़ा आयाम दे दो, एक दूसरी दिशा। छोटे-छोटे विषयों पर नाराज होने का क्या तुक है? नाराज होना है तो अनन्तता के प्रति, ब्रह्म के प्रति हो। यदि तुम अपने अहंकार को नहीं खत्म कर सकते तो अहंकार करो कि ईश्वर तुम्हारे हैं। यदि आसक्ति तुम पर छाई है, तो सत्य के प्रति आसक्त हो जाओ। यदि ईर्श्या तुम्हें सताती है, तो सेवा के लिए ईर्श्या करो। द्वेष के प्रति द्वेष रखो; गुरु से राग करो। दिव्यता के प्रति मदहोश हो जाओ।

इन्द्रिय सुखों की इच्छाएं विद्युत की तरह हैं; जैसे-जैसे वे विषय विस्तुओं की ओर बढ़ती है, निष्प्रभावी हो जाती हैं। अपनी कुशलता से यदि तुम इच्छाओं को अपने भीतर मोड़ सको- अपने अस्तित्व के केन्द्र की ओर- तो तुम्हें मिलेगा एक और आयाम- चिरन्तन सुख, रोमांच, परमानन्द और शात प्रेम। वासना, लोभ और ईर्ष्या इसलिए शक्तिशाली हैं क्योंकि ये केवल ऊर्जा हैं और तुम ही इनके स्रेत हो- वह विशुद्ध ऊर्जा। निष्ठा और भक्ति तुम्हारी ऊर्जा को शुद्ध बनाए रखती हैं, तुम्हें उन्नत करती हैं।

जब तुम यह समझ लेते हो कि तुम स्वयं ही सुख की विद्युत धारा हो, तुम्हारी लालसाएं घटने लगती हैं और प्रशांति आती है। मृत्यु निश्चित है - यह याद रखने से तुम वर्तमान क्षण में सजीव रहते हो, राग और द्वेष से मुक्त। इच्छा खुशी को खत्म करती है, लेकिन सभी इच्छाओं का लक्ष्य है खुशी। जब भी जीवन से खुशी गायब होने लगे, भीतर गहराई में झांककर देखो- तुम पाओगे यह इच्छा के कारण हो रहा है। लेकिन हमारी इच्छा ही केवल खुशी है। कोई जीव आज तक पैदा नहीं हुआ जिसे दुःख की चाह हो- न ऐसा पहले कभी हुआ है, न भविष्य में होगा। जब तुम्हारा छोटा मन इधर-उधर, जब जगह भागते-भागते थक जाता है, वह इस निष्कर्ष पर पहुंचता है, मेरी इच्छाओं ने मेरी खुशी छीन ली है।

होली व होलिका के पीछे रहस्यमय कहानी

विनोद कुमार सिंह

भारत को पर्व त्योहारों का देश कहा जाता है। पर्व की इस श्रंखला में होली का महत्वपूर्ण स्थान है।होली को प्रेम-मित्रता का त्योहार कहा जाता है। ऐसी मान्यता है कि होली के दिन सभी लोग आपसी भेद भाव भूलकर एक दूसरे के गले मिलते है।तथा रंग - गुलाल लगा कर एक दूसरे के लिए प्रार्थना करते है।आप को बता दे कि होली मनानें की पीछे कई महत्वपूर्ण रहस्यमय कहानी बताई जाती है। जिसका उल्लेख पौराणिक पुराणों में मिलती है।होलिका दहन के पीछे कई रहस्य बताये जाते है।एक मान्यता के अनुसार होली पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। हिन्दु पंचांग के अनुसार इस वर्ष होलिका दहन का शुभ मुर्हतगुरुवार, 13 मार्च की रात्रि 11:26 बजे से रात्रि 12:30 बजे तक 14 मार्च तक बताया गया है।क्योंकि इस दिन भद्रा काल और होलिका दहन 2025 में होलिका दहन के दिन भद्रा काल है, और इस प्रकार लोगों के पास एक निश्चित समय होता है जब होलिका दहन किया जाता है।हिदुओ मान्यताओं के अनुसार भद्रा काल एक अशुभ समय है जब कोई भी धार्मिक अनुष्ठान नहीं किया जाना चाहिए,होलिका दहन के अगले दिन होली मनाई जाती है,इसलिए इस बर्ष 14 मार्च को होली है।सर्व विदित रहे कि होलिका (दहन) .से जुड़ी कई पौराणिक,आध्यात्मिक और सामाजिक मान्यता हैं कि राक्षसों के राजा हिरण्यकश्यप बहुत ही घमंडी था।जिन्होने अपने राज्य के लोगों को भगवान की प्रार्थना करने से रोक दिया था।उसे अमर होने की बहुत तीव्र इच्छा थी।उन्होंने भगवान ब्रह्मा को प्रसन्न करने के लिए कठोर तपस्या करना शुरू कर दिया।एक दिन ब्रह्मा उसके सामने प्रकट हुए और उसे पाँच विशेष शक्तियाँ प्रदान कीं।ब्रह्मा जी ने हिरण्यकश्यप को निम्नलिखित पाँच वरदान दिए: न तो कोई मनुष्य और न ही कोई जानवर उसे मार पाएगा,न तो वह दरवाजे के अंदर मारा जाएगा और न ही दरवाजे के बाहर,न तो वह दिन में मारा जाएगा और न ही रात में,न तो वह किसी अस्त्र से मारा जाएगा और न ही किसी शास्त्र से,न ही वह जमीन पर मारा जाएगा,न ही पानी में और न ही हवा में।इस वरदान को पाने के बाद,राक्षस ने खुद को सर्वशक्तिमान से कम नहीं समझा। विधि का विधान देखे कि हिरणाकश्यप शैतान के बेटे प्रहलाद भगवान विष्णु के भक्त पैदा हुए। कालान्तर प्रहलाद की भक्ति हिरणाकश्यप की आँखों में काँटा बन गई।वह बहुत क्रोधित हो गया और उसने अपने बेटे को मारने का फैसला किया।कहा जाता है कि हिरणाकश्यप की बहन,होलिका को एक बार ब्रह्मा ने आशीर्वाद दिया था कि उसे अपने जीवन में कभी भी कोई नुकसान नहीं पहुँचाया जाएगा।उसके पास एक ऐसी चादर थी,जो उसकी रक्षा करता था।उसके भाई ने प्रहलाद को मारने के लिए आग में बैठने के लिए कहा।हालाँकि,जैसे ही आग बढ़ी, होलिका की पवित्र चादर उड़कर प्रह्लाद को ढकने लगी। इस तरह प्रभु भक्त प्रहलाद बच गया व होलिका आग में जलकर मर गई। हिन्दुग्रंथों के अनुसार हिरण्यकश्यप निराश हो गया और उन्होंने भगवान विष्णु के भगत प्रहलाद को खुद ही मारने की कोशिश की। प्रहलाद को एक खंभे से बाँध दिया और उसे चुनौती दी कि वह उसे बचाने के लिए अपने भगवान को पुकारे। प्रह्लाद ने उत्तर दिया कि भगवान सर्वव्यापी हैं और खंभे में भी मौजूद हैं। हिरण्यकश्यप राक्षस की तरह हँसा लेकिन उसकी हँसी जल्द ही चीख में बदल गई जब नरसिंह (आधा शेर, आधा इंसान) के रूप में भगवान विष्णु खंभे से बाहर आए।

ब्रह्मा के वरदान का प्रतिकार करते हुए। हिन्दु धार्मिक ग्रंथों के मुताबिक भगवान नरसिंह ने हिरण्यकश्यप को दरवाजे पर ही पकड़ लिया और अपने बड़े और तीखे नाखूनों से उसे मार डाला।जब उनकी मृत्यु हुई, तब संध्या न दिन, न रात,द्वार न अंदर,न बाहर, गोद न भूमि,न जल, न वायु, पंजे न अस्त्र, न शास्त्र और नरसिंह न मनुष्य,न पशु द्वारा मारे गए *होलिका दहन महत्व यह है कि दुर्गुण ,काम, क्रोध,अहंकार,मोह, लोभ और ईर्ष्या रूपी राक्षस का नाश केवल शुभ संगम पर होता है, जो न तो कलियुग है और न ही स्वर्ण युग (सतयुग)।भारत के कुछ हिस्सों में आम है जहाँ होली को फगुवा भी कहा जाता है। फगुवा से एक दिन पहले पूतना को जलाकर जश्न मनाया जाता है।हिंदू पौराणिक कथाओं एवं ग्रंथों के अनुसार हिमालय की पुत्री देवी पार्वती भगवान शिव की ओर आकर्षित हुईं और उनसे विवाह करना चाहती थीं ,लेकिन शिव गहन ध्यान में लीन थे।भगवान शिव और देवी पार्वती का दिव्य विवाह एक ऐसे बच्चे के जन्म के लिए महत्वपूर्ण है जो भगवान ब्रह्मा देव द्वारा दिए गए वरदान के अनुसार केवल तारकासुर को मार सकता है।भगवान शिव को उनके ध्यान से जगाने के लिए सभी देवी-देवता कामदेव की मदद लेने गए। हालाँकि कामदेव को शिव के ध्यान को भंग करने का डर था, लेकिन स्थिति के महत्व को जानते हुए उन्होंने तीनों लोकों की भलाई के लिए ऐसा करने पर सहमति जताई। भगवान कामदेव ने एक पुष्प प्रेम बाण छोड़ा जिसने महादेव को जगा दिया,लेकिन उनके ध्यान को भंग करने के लिए क्रोधित होकर,उन्होंने अपनी तीसरी आँख खोली और कामदेव को भस्म कर दिया।

खैर होली के इस पवित्र पावन पर्व पर आप सभी एक विन्रम विनीत है आप अपनों के संग सभी वैर भाव भुला कर प्रेम भाई चारे व सौहार्य पूर्व रंगो के त्योहार को मनाया । आप सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएं।

मुद्दा : जानलेवा है खाद्य पदार्थों में मिलावटखोरी

अजय प्रताप तिवारी

भारत में त्योहारों का विशेष महत्त्व है। त्योहारों की पहचान विशेष खाद्य पदार्थों से जुड़ी होती है, इस लिए त्योहारों के समय खाद्य पदार्थों की मांग अधिक होती है। खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग को देखते हुए मिलावट और नकली खाद्य पदार्थों की बिक्री बाजारों में तेजी से होती है। बाजार में बिकने वाले कई ऐसे पदार्थ हैं, जिनकी पहचान कर पाना आमजन के लिए बड़ी मुश्किल होता है। बाजारों में बिकने वाले घी, खोवा, विभिन्न प्रकार की मिठाइयों और पनीर में सबसे अधिक मिलावट होती है।

होली और रमजान को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे-बड़े खाद्य विक्रेताओं के खाद्य पदार्थ का सैंपल एकत्रित कर रही हैं, शहर के विभिन्न क्षेत्रों से घी, खोया, पनीर, सरसों तेल, दूध और मिठाई जैसे खाद्य पदार्थों के सैंपल सबसे ज्यादा एकत्रित किए जा रहे हैं क्योंकि इनमें मिलावट सबसे अधिक होती है। खाद्य पदार्थों में मिलावट की घटना कोई नई नहीं है। सभी राज्यों में खाद्य पदार्थों में मिलावट की खबरें अक्सर त्योहारों के समय ही सुनने को मिलती हैं क्योंकि सरकार और खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा त्योहारों के समय नकली और मिलावट खाद्य पदार्थों के खिलाफ विशेष मुहिम चलाई जाती है।

नकली और मिलावट खाद्य पदार्थ बाजारों में सस्ती कीमत पर उपलब्ध होते हैं। इसलिए उपभोक्ता इनकी तरफ सबसे अधिक आकर्षित होते हैं। खाद्य पदार्थों में मिलावट और नकली खाद्य पदार्थों की बिक्री के पीछे कई कारण हैं। भारत की बढ़ती जनसंख्या के अनुपात में मांग और आपूर्ति का संतुलन न होना तथा देश में बढ़ती खुदरा महंगाई, मांग के अनुरूप खाद्य पदार्थ का सीमित उत्पादन उत्पादन, विक्रेता को अधिक मुनाफा कमाने की लालसा, खाद्य पदार्थ के बाजार में प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए विक्रेता सस्ते दामों पर खाद्य पदार्थों को बेचते हैं, जो पूरी तरह मिलावटी होता है। देश में बाजार का आकर जैसे-जैसे बढ़ता गया वैसे-वैसे मिलावटी खाद्य पदार्थों का कारोबार भी बढ़ता गया। बाजार में मिलने वाले अधिकांश खाद्य पदार्थों में कुछ न कुछ मिलावट जरूर होती है।

बाजार में उपलब्ध कुल खाद्य पदार्थों में 35 से 40 प्रतिशत मिलावटी खाद्य पदार्थ उपलब्ध हैं। देश में खाद्य पदार्थों में मिलावट का धंधा हमेशा से होता रहा है, लेकिन त्योहारों के दिनों में यह गोरखधंधा तेजी से बढ़ता है। खाद्य पदार्थों में बहुत खतरनाक रसायनों का उपयोग किया जाता है। चीनी में चॉक पाउडर, सरसों के तेल में आजीमोन के बीज,मसालों में रासायनिक रंगों, दूध में डिजट्टेट, स्टार्च, पनीर को बनाने के लिए यूरिया, कोलतार डाई, पाम ऑयल जैसे रसायनों का उपयोग किया जाता है। खाद्य पदार्थों के सुरक्षा मानकों की सही देखरेख न होने से मिलावट के धंधे को बढ़ावा मिलता है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के अनुसार देश में कुल बेचे जाने वाले दूध और दूधयुक्त पदार्थों में 68.7 प्रतिशत मिलावट होती है।

मिलावटी खाद्य पदार्थों के सेवन से फूड प्वॉइजनिंग, एलर्जी, इम्यून सिस्टम का कमजोर तथा कैंसर जैसी गंभीर बीमारी होने की आशंका बढ़ जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में मिलावटी खाद्य पदार्थों को रोका नहीं गया तो 2025 के अंत तक 87 प्रतिशत लोगों को गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है। भारत में पिछले 4 वर्षों में मिलावटी खाद्य पदार्थों के आपराधिक मामलों के आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो 2020-21 में 3,869 जबकि 2023-24 के बीच में 4,737 मामले दर्ज किए गए। दक्षिणी भारतीय राज्यों की तुलना में उत्तर भारत में मिलावट की समस्या सबसे अधिक है। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे बड़े राज्यों में मिलावट का धंधा बड़े पैमाने पर फैला हुआ है। सवाल उठता है कि मिलावट और नकली खाद्य पदार्थों की बिक्री पर सरकार पूरी तरह प्रतिबंध लगाने में नाकाम क्यों रहती हैं? बड़े त्योहारों पर ही क्यों खाद्य सुरक्षा विभाग अपनी सक्रियता दिखाता है? मिलावटी खाद्य पदार्थों को लेकर सरकार और खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा साप्ताहिक जागरूकता अभियान तथा मिलावट की आशंका वाले खाद्य उत्पादों की समय-समय पर निगरानी करते रहना चाहिए। मिलावट खाद्य पदार्थ विक्रेताओं पर कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। देश भर में बढ़ती खाद्य पदार्थों में मिलावट की समस्या स्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर विषय है। इसलिए उपभोक्ताओं को खाद्य पदार्थ खरीदते समय सतर्कता बरतनी चाहिए तथा पैकेटबंद खाद्य पदार्थ खरीदते समय एक्सपायरी डेट अवश्य देखनी चाहिए। मिलावटी खाद्य पदार्थों के चक्कर में उपभोक्ता का नुकसान होता है, और उसे गुणवत्तायुक्त खाद्य पदार्थ से वंचित होना पड़ता है।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

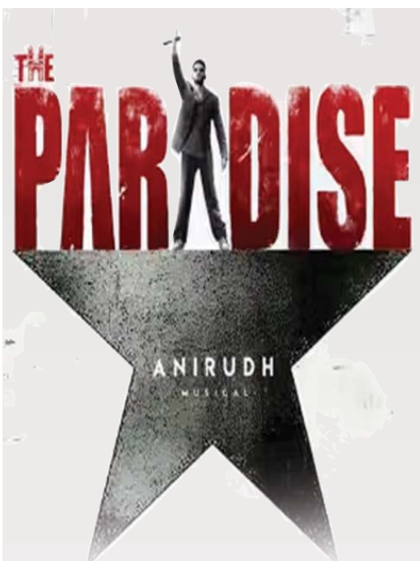

दो पार्ट में रिलीज होगी नानी की द पैराडाइज?

साउथ अभिनेता नानी इन दिनों अपनी फिल्म द पैराडाइज को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। माना जा रहा है कि यह फिल्म नानी की अब तक की सबसे बड़ी और महंगी फिल्म होगी। फिल्म को लेकर अब एक ताजा जानकारी सामने आई है कि द पैराडाइज दो भागों में रिलीज की जाएगी, जिसे सुनने के बाद नानी के प्रशंसक द पैराडाइज को लेकर बेहद खुश और उत्साहित हैं। द पैराडाइज को श्रीकांत ओडेला निर्देशित कर रहे हैं। इस फिल्म की पहली झलक ने ही प्रशंसकों के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता पैदा कर दी है। फिल्म के पोस्ट में नानी का लुक अभी तक की उनकी सभी फिल्मों से बिल्कुल अलग नजर आया। यही वजह है कि नानी के प्रशंसकों को इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार है, ताकि वह अपने पसंदीदा अभिनेता को एक अलग रूप में देख सकें।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में एक इंटरव्यू में नानी ने अपनी फिल्म द पैराडाइज को मैड मैक्स का भारतीय रूप बताया। वहीं अब ताजा जानकारी के अनुसार, कई बड़े बजट फिल्मों की तरह द पैराडाइज को भी दो भागों में बनाया जाएगा। पहला पार्ट 26 मार्च, 2026 को रिलीज होगा, जबकि इसका दूसरा भाग ज्यादा समय ले सकता है। एसएलवी सिनेमा के बैनर तले सुधाकर चेरुकुरी द पैराडाइज का निर्माण कर रहे हैं। माना जा रहा है कि नानी की इस फिल्म का बजट बहुत बड़ा है। फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने तैयार किया है। द पैराडाइज में नानी के अलावा अभी तक बाकी कलाकारों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं मिली है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म द पैराडाइज का अंदाज जंगली और बेबाक है। श्रीकांत ओडेला ने फिल्म की कहानी 1960 के दशक के एक काल्पनिक शख्स के इर्द-गिर्द लिखी है, जो गरीब और शोषित लोगों के लिए उम्मीद बनकर आया था। फिल्म द पैराडाइज की शूटिंग जल्द शुरू होने वाली है। इसे स्पेनिश जैसी अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में भी रिलीज किया जाएगा, ताकि दुनियाभर के लोग इसे देख सकें।

शनाया कपूर ने आंखों की गुस्ताखियां से शुरू किया एक्टिंग करियर

संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी शनाया कपूर जल्द ही एक्टिंग में डेब्यू करने जा रही हैं। काफी दिनों से उनकी फिल्म की शूटिंग टल रही थी। कई बार फिल्म की शूटिंग टलने के बाद आखिरकार शनाया एक अभिनेत्री के बतौर काम करने जा रही हैं। शुक्रवार को शनाया ने इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर की जिसमें वह आंखों की गुस्ताखियां सेट पर नजर आ रही हैं।

शनाया की फिल्म की शुरू हुई शूटिंग

शनाया ने जो पोस्ट शेयर की है उसमें देखा जा सकता है कि शनाया ने फिल्म का एक क्लिपबोर्ड ले रखा है। वह मुस्कुरा रही हैं और क्लिपबोर्ड के साथ पोज दे रही हैं। इस पर फिल्म का नाम आंखों की गुस्ताखियां लिखा हुआ है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा है आभार।

शनाया की मां ने किया कमेंट

पोस्ट के कमेंट सेक्शन में शनाया कपूर की मां महीप कपूर ने लाल दिल और नजर से बचने का इमोजी कमेंट किया है। वहीं भावना पांडे ने लिखा है मुबारक हो मेरी बच्ची। नव्या नंदा, खुशी कपूर और अंजनी धवन ने इस पोस्ट पर कमेंट बॉक्स में लाल इमोजी कमेंट किया है।

वृषभ में भी नजर आने वाली हैं शनाया

शनाया कपूर ने गुंजन सकसेना की फिल्म द कर्गिल गर्ल फिल्म में एसिस्टेंट डायरेक्टर के बतौर काम किया है। इस फिल्म में जाह्नवी कपूर अहम रोल में हैं। शनाया वृषभ में भी एक्टिंग करने वाली हैं। इस फिल्म में मोहन लाल भी अहम रोल में होंगे. ये फिल्म तमिल, तेलुगु, मलयालम और हिंदी में रिलीज होगी। फिल्म में सलमा आगा की बेटी जहरा एस खान और रोशन मेका भी नजर आएंगी।

पहले ही डेब्यू करने वाली थीं शनाया

शनाया पहले करण जौहर की फिल्म बेधड़क से अपने एक्टिंग करियर की शुरूआत करने वाली थीं। इसमें वह निमरित का किरदार अदा करने वाली थीं। लेकिन इस फिल्म के बारे में अभी कोई अपडेट नहीं है।

तीन कहानियों पर काम कर रहे निर्देशक कबीर खान बताया कब करेंगे अपनी नई फिल्म की घोषणा

मैं अभी फिलहाल तीन अलग-अलग कहानियों पर काम कर रहा हूं। कहानियां अभी लिखी जा रही हैं। हालांकि, इनमें अभी कलाकारों का चयन नहीं हुआ है। कई कलाकारों से बात जरूर हुई है, लेकिन अभी तक कोई तय नहीं हुआ है। ये कहना है 'बजरंगी भाईजान' और 'एक था टाइगर' जैसी फिल्मों का निर्देशन करने वाले निर्देशक कबीर खान का। अपने हालिया इंटरव्यू में कबीर खान ने अपने आगामी प्रोजेक्ट्स से लेकर सलमान खान, ऋतिक रोशन और विक्की कौशल के साथ उनके काम करने को लेकर चल रही अफवाहों पर भी बात की। निर्देशक ने कहा, हमारे पास बहुत सारे विचार हैं, लेकिन कभी-कभी यह जरूरी नहीं है कि यह आपकी अगली फिल्म हो। यह संभव है कि मैं कोई आइडिया रखूं और विक्की, सलमान या ऋतिक से बात करूं और वे कुछ और विचार रखें। इसलिए, बहुत सारी बातचीत हो रही है।

अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी

पिछले कुछ दिनों से ऐसी अफवाहें फैल रही थीं कि कबीर खान ऋतिक रोशन के साथ एक थ्रिलर, विक्की कौशल के साथ एक ऐतिहासिक ड्रामा और सलमान खान के साथ एक कमर्शियल एंटरटेनमेंट फिल्म पर काम करेंगे। हालांकि, अब निर्देशक का ये कहना है कि अभी ऐसा कुछ भी नहीं है। अभी वो सिर्फ कहानियों पर काम कर रहे हैं, लेकिन स्टार कास्ट फाइनल नहीं है।

तीन महीने तक किसी फिल्म की घोषणा नहीं करेंगे कबीर

'83' के निर्देशक ने साफ किया कि उन्हें अपनी अगली फिल्म की घोषणा करने में कम से कम तीन महीनों का वक्त लगेगा। निर्देशक ने कहा कि अगर आप मुझसे पूछें कि क्या निकट भविष्य के लिए कुछ तय किया गया है, तो नहीं। अभी मैं 'माई मेलबर्न' की रिलीज का इंतजार कर रहा हूं, जो 14 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली एक एंथोलॉजी है।

स्टंट दिखाती नजर आएंगी मल्लिका, रोहित शेट्टी के शो से जुड़ने की खबर

अभिनेत्री मल्लिका शेरावत ने साल 2002 में आई फिल्म जीना सिर्फ मेरे लिए से अपना एक्टिंग करियर शुरू किया। हालांकि, 2004 में आई फिल्म मर्डर से उन्हें पहचान मिली। काफी लंबे वक्त तक इंडस्ट्री से दूर रहने के बाद मल्लिका ने बीते साल विक्की विद्या का वो वाला वीडियो से कमबैक किया। उन्हें लेकर खबर है कि वे खतरों के खिलाड़ी 15 में नजर आएंगी। मल्लिका शेरावत को पहले भी इस स्टंट रियलिटी शो की पेशकश की जा चुकी हैं, मगर अपनी वर्क कमिटमेंट के चलते उन्होंने इसका हिस्सा बनने से इनकार कर दिया। मगर, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस बार संभावनाएं बनती दिख रही हैं। मल्लिका के इस शो से जुड़ने की कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

इन सितारों से भी किया गया संपर्क

खतरों के खिलाड़ी शो को लंबे वक्त से रोहित शेट्टी होस्ट कर रहे हैं। मल्लिका को इस शो से जुड़ने का ऑफर पहले भी दिया जा चुका है। लेकिन, पहले उन्होंने मना कर दिया। इस बार उनकी तरफ से सकारात्मक संकेत दिया जा रहा है। मल्लिका के अलावा एल्विश यादव, अविनाश मिश्रा, ओरी, दिग्विजय सिंह, सिद्धार्थ निगम और गुल्की जोशी समेत कई और सितारों को भी शो के लिए अप्रोच किया गया है।

इस महीने शुरू होने की संभावना

रिपोर्ट्स के मुताबिक, खतरों के खिलाड़ी 15 की शूटिंग मई 2025 में शुरू होने वाली है। इस साल जून या जुलाई के आसपास इसका प्रीमियर होने की उम्मीद है। मालूम हो कि खतरों के खिलाड़ी का पिछला सीजन करणवीर मेहरा ने जीता था।

रेयर बीमारी से हैं पीड़ित बिग बॉस ओटीटी 3 विनर सना मकबूल

बॉस ओटीटी 3 की विनर रहीं सना मकबूल इन दिनों कुछ गंभार बीमारी से जूझ रही हैं। उन्होंने बताया है कि उन्हें लीवर की बीमारी और साउथ की स्टार एक्ट्रेस सामंथा रूथ प्रभु जैसी ही इम्युनिटी डिसऑर्डर की परेशानी झेल रही हैं। सना ने भारती सिंह के पॉडकास्ट पर अपनी बीमारी को लेकर बातें की और बताया कि कैसे वो साल 2020 से इसके लिए दवा ले रही हैं।

उन्होंने बताया कि वो लंबे समय से लीवर की परेशानी झेल रही हैं। सना ने इस बातचीत में कहा, हेल्थ की वजह से मैंने हाल ही में मैं वेजिटेरियन बनी। बहुत से लोग नहीं जानते कि मैं ऑटोइम्यून हेपेटाइटिस की मरीज़ हूं और मुझे लीवर की बीमारी है। इस बीमारी का पता 2020 में लगा था। इसके कोई खास लक्षण नहीं हैं। इसमें, मेरे शरीर के ही बॉडी सेल्स शरीर के अंगों पर हमला करते हैं। मेरे मामले में, यह कभी-कभी ल्यूपस होता है, यह आपकी किडनी पर असर डालता है या ऑर्थराइटिस की समस्या हो सकती है। सामंथा रूथ प्रभु को मायोसिटिस है, जो एक मसल्स संबंधी बीमारी है। मुझे यह लीवर से जुड़ी बीमारी है। अपनी इस बीमारी से वो कैसे लड़ रही हैं, सना ने इस बारे में भी बातें की। उन्होंने कहा, मैं स्टेरॉयड, सप्रेसेंट या कुछ दवाइयां लेती हूं। यह एक लाइफस्टाइल प्रॉब्लम है, लेकिन ये ऑटोइम्यून के साथ, लीवर की स्थिति एक मुश्किल चीज है। मेरे स्वास्थ्य उतार-चढ़ाव लगा रहता है, मुझे नहीं पता कि इसे पूरी तरह से ठीक किया जा सकता है या नहीं।

करणवीर मेहरा के साथ म्यूजिक वीडियो में दिखीं

बिग बॉस के बाद सना ने कई म्यूज़िक वीडियो में भी काम कर चुकी हैं, उनमें से एक बिग बॉस 18 के विनर करणवीर मेहरा के साथ भी था। हाल ही में वह अपनी सबसे अच्छी दोस्त नेज़ी के साथ एक म्यूज़िक वीडियो में नज़र आईं।

जल्द 'नो एंट्री 2' लेकर आ रहे अनीस बज्मी, कॉमेडी-ड्रामा पर दिया अपडेट

दर्शक अनीस बज्मी की कॉमेडी-ड्रामा 'नो एंट्री 2' का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मीडिया से बातचीत के दौरान फिल्म निर्माता ने सीक्वल के बारे में बात की। जब अनीस बज्मी से पूछा गया कि फिल्म सिनेमाघरों में कब तक रिलीज हो जाएगी तब उन्होंने बताया, अभी इसमें समय लगेगा क्योंकि मुझे फिल्म की कहानी लिखने में लगभग 2 से 3 महीने लगेंगे। इसके बाद ही हम फिल्म शुरू कर पाएंगे। अनीस बज्मी और बोनी कपूर ने साल 2005 में रिलीज हुई हिट कॉमेडी 'नो एंट्री' के बहुप्रतीक्षित सीक्वल के लिए प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू किया है। बज्मी ने सोशल मीडिया पर ग्रीस में फिल्म के लिए अपने रेकी सेशन की कई तस्वीरें पोस्ट की। अनीस के साथ बोनी कपूर और फोटोग्राफी के निर्देशक मनु आनंद भी साथ नजर आए थे। तस्वीर में तीनों एक खूबसूरत लोकेशन के बीच पोज देते नजर आए।

बज्मी ने कैप्शन में लिखा, निर्माता बोनी कपूर और मनु आनंद के साथ ग्रीस में नए रोमांच की योजना बना रहे हैं! 'नो एंट्री 2' की तैयारी चल रही है। 'नो एंट्री 2' के स्टारकास्ट और कहानी के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन रिपोर्ट्स का दावा है कि सीक्वल में वरुण धवन, अर्जुन कपूर और दिलजीत दोसांझ मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। हालांकि, निर्माताओं ने इस विषय में अभी तक कुछ भी आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। साल 2005 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई 'नो एंट्री' बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता साबित हुई था और प्रशंसकों को काफी पसंद आई थी। 'नो एंट्री' में अभिनेता सलमान खान के साथ अनिल कपूर, फरदीन खान, बिपाशा बसु, लारा दत्ता, ईशा देओल, सेलिना जेटली और बोमन ईरानी समेत अन्य कलाकार अहम भूमिका में थे। 'नो एंट्री' की कहानी पर नजर डालें तो यह तीन विवाहित पुरुषों के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी पत्नियों से अपने एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर संबंधों को छिपाते हैं। बज्मी को उनके कॉमेडी फिल्मों के लिए खास तौर पर जाना जाता है। 'भूल भुलैया 2', 'भूल भुलैया 3', 'पागलपंती', 'रेडी', 'मुबारकां', 'वेलकम', 'वेलकम बैक', 'सिंह इज किंग', 'सैंडविच' जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है।

बुरे समय में भी मैंने फिल्मों को 'ना' कहने का किया साहस

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान अपने 60वें जन्मदिन से पहले रविवार को मुंबई में 'आमिर खान- सिनेमा का जादूगर' फिल्म फेस्टिवल के लंच में शामिल हुए। इस दौरान खान ने फिल्म से जुड़े अपने कई अनुभव शेयर किए। कार्यक्रम के दौरान अभिनेता ने पटकथा लेखक और गीतकार जावेद अख्तर से बात की। जावेद अख्तर ने कहा, कौन अपने दिमाग से दंगल करता, जिसमें एक बूढ़े व्यक्ति की भूमिका थी, जो कुश्ती में अपनी बेटी से हार जाता है? आप जोखिम लेते हैं, कोई और नहीं ले सकता। आमिर ने कहा कि चयन करना एक ऐसी चीज है, जो उनके जीवन में बहुत पहले ही आ गई थी। अभिनेता ने कहा कि कयामत से कयामत तक में अपनी शुरुआत के बाद अपने करियर के शुरुआती दौर में उन्हें अच्छी स्क्रिप्ट्स के लिए संघर्ष करना पड़ा, लेकिन उस समय भी उन्होंने कई फिल्मों को ना कहा था। अभिनेता ने कहा, मेरे सबसे बुरे समय में भी मैंने नहीं कहने का साहस किया। अगर मैंने उस दिन समझौता कर लिया होता तो मेरा पूरा करियर समझौतों की एक सीरीज बन जाता। उन्होंने कहा, मुझे जीवन के सबसे बुरे समय में महेश भट्ट की एक फिल्म मिली। लेकिन मुझे वह फिल्म पसंद नहीं आई। मैंने हिम्मत की और महेश भट्ट को यह बात बताई। आमिर की गिनती हिंदी सिनेमा के एक ऐसे सुपरस्टार के रूप में की जाती है, जो प्रयोग करने की हिम्मत रखते हैं और ऐसी फिल्में करते हैं जो बॉक्स-ऑफिस और सांस्कृतिक प्रभाव दोनों के मामले में मानक स्थापित करने की क्षमता रखती है। उनकी अन्य फिल्में जो पूरी तरह से लोकप्रिय हो गईं। इस लिस्ट में अंदाज अपना अपना, रंग दे बसंती, सरफरोश, तारे जमीन पर, 3 इडियट्स, दिल चाहता है, दंगल समेत अन्य फिल्मों के नाम शामिल हैं।

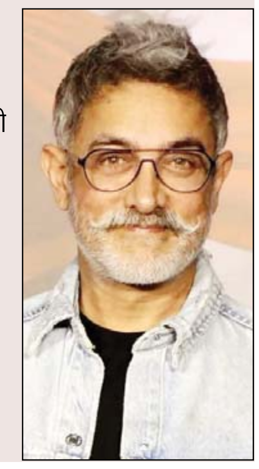

582 टी20 खेलने वाला क्रिकेटर बोला- सफलता के लिए गौतम गंभीर का फॉर्मूला अपनाऊंगा

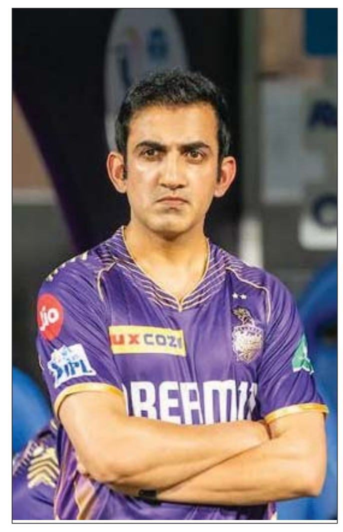

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) में मेंटोर (मार्गदर्शक) के तौर पर गौतम गंभीर की जगह लेने वाले वेस्टइंडीज के करिश्माई ड्वेन ब्रावो ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह आईपीएल के आगामी सत्र में सफल अभियान के लिए इस फ्रेंचाइजी के पूर्व रणनीतिकार की योजना के कुछ तत्वों को अपनी अलग शैली के साथ मिलाएंगे। गंभीर ने पिछले सत्र में पर्दे के पीछे अहम भूमिका निभाई थी, जिसकी बदौलत केकेआर ने अपना तीसरा आईपीएल खिताब जीता था। मौजूदा चैंपियन टीम ने आईपीएल 2025 सत्र से पहले ब्रावो की ओर रुख किया है, क्योंकि गंभीर अब भारतीय टीम के मुख्य कोच हैं।

ब्रावो ने कहा कि दुर्भाग्य से हमने कुछ खिलाड़ियों को टीम में बरकरार नहीं रख सके। मुझे लगता है कि गंभीर का अपना तरीका था। मेरी अपनी शैली है। हम दोनों अपने-अपने तरीके से सफल हैं। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि वह गंभीर की विरासत का सम्मान करते हैं, लेकिन वह इस भूमिका में अपने तरीके भी अपनाएंगे। वेस्टइंडीज के इस पूर्व कप्तान ने हालांकि इस बात को स्वीकार किया कि उन्होंने गंभीर से सलाह ली थी। ब्रावो ने कहा कि मैंने निश्चित रूप से उन्हें कई बार संदेश भेजे हैं। मैं इन लोगों पर बहुत अधिक निर्भर रहूंगा क्योंकि उनके पास एक सफल तरीका था। यह महत्वपूर्ण है कि हम उस तरीके का पालन करें।

ब्रावो ने पिछले सत्र की सफलता के तरीके का अध्ययन करने और उन्हें अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि टीम के मूल को बरकरार रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि पिछले सत्र में उनके द्वारा की गई कुछ अच्छी चीजों को जानने की कोशिश न करना मेरे लिए निराशाजनक होगा। टीम का मूल यहीं है। यह हमारी जिम्मेदारी है, कोच, मैं, वेंकी सर कि हम नीलामी में वापस जाएं और वापस पाने की पूरी कोशिश करें। यह हमारा कर्तव्य था कि हम नीलामी में जाएं और चैंपियनशिप जीतने वाली टीम के खिलाड़ियों की उसी टीम को वापस पाने की कोशिश करें। और हम ऐसा करने में सक्षम थे।

टीम ने वेंकटेश अय्यर को रिलीज करने के बाद नीलामी में इस विस्फोटक बल्लेबाज के लिए पूरी ताकत झोंक दी। टीम ने उन्हें 23.75 करोड़ रुपए में वापस खरीद लिया। ब्रावो लंबे समय तक चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा रहे। ऐसे में केकेआर से उनका जुड़ा आश्चर्यजनक था। वेस्टइंडीज का यह खिलाड़ी हालांकि शाहरुख खान के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं और उन्होंने केकेआर को लीग की सर्वश्रेष्ठ फ्रेंचाइजी में से एक बताया।

इस 41 साल के पूर्व खिलाड़ी ने कहा कि मुझे लगता है कि शाहरुख जैसा बॉस होना अच्छा है, जो निश्चित रूप से खेल में वास्तव में निवेश करता है। मेरी पहली बात त्रिनबागो नाइट राइडर्स के साथ शुरू हुई, जब उन्होंने पहली बार टीम खरीदी। उन्होंने कहा कि मैं यह जानकर दुनिया का सबसे खुश व्यक्ति था कि उनके जैसे किसी व्यक्ति ने कैरिबियन में एक टीम खरीदने में दिलचस्पी दिखाई। लेकिन केवल कैरिबियन में ही नहीं, बल्कि मेरे गृहनगर में भी। मैं त्रिनबागो नाइट राइडर्स को बनाने में मदद करने में सक्षम था, जो आज तक सीपीएल इतिहास की सबसे सफल फ्रेंचाइजी में से एक है। केकेआर 22 मार्च को ईडन गार्डन्स में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से मुकाबला करके आईपीएल 2025 का आगाज करेगा।

भारतीय टीम अब अगले तीन महीने तक कोई सीरीज नहीं खेलेगी

मुम्बई (एजेंसी)। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी जीतने के बाद अब भारतीय टीम को अगले तीन माह तक कोई टूर्नामेंट नहीं खेलना है। ऐसे में अब भारतीय टीम को 3 महीने कोई टूर्नामेंट या सीरीज नहीं खेलनी है पर इस दौरान भी खिलाड़ियों को आराम नहीं मिलेगा। इसका कारण है कि अब उन्हें 22 मार्च से इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल खेलना है जिसका फाइनल 25 मई को खेला जाएगा।

पिछली बार की तरह इस सीजन में भी आईपीएल में 10 टीमें हिस्सा लेंगी। इन टीमों के बीच 65 दिनों में फाइनल समेत कुल 74 मुकाबले खेले जाएंगे। यह सभी मुकाबले देश में ही 13 स्थलों पर होंगे। ऐसे में खिलाड़ियों को काफी यात्राएं भी करनी पड़ेंगी। इस प्राकर देखा जाये तो टीम का कार्यक्रम काफी व्यस्त है और उसे आराम का बिलकुल भी अवसर नहीं मिलेगा।

भारतीय टीम को अपनी अगली सीरीज 3 महीने बाद जून-जुलाई 2025 में खेलनी है। तब भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। जहां उसे बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। पहला टेस्ट 20 जून से लीड्स में खेला जाएगा। वहीं दूसरा टेस्ट 20-24 जून, पहला टेस्ट, हेडिंग्ले, तीसरा टेस्ट लॉर्ड्स में 10-14 जुलाई जबकि चौथा टेस्ट, मैनचेस्टर में 23-27 जुलाई और पांचवां द ओवल में 31 जुलाई-4 अगस्त तक खेला जाएगा।

खिलाड़ियों की मैच फीस में कटौती से हंगामा, अब समीक्षा की तैयारी में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने राष्ट्रीय टी-20 चैंपियनशिप में खेलने के लिए चुने गए खिलाड़ियों और रिजर्व खिलाड़ियों की मैच फीस में कटौती के फैसले की समीक्षा करने का आदेश दिया है।

पीसीबी के घरेलू विभाग द्वारा खिलाड़ियों की मैच फीस में कटौती के फैसले से क्रिकेट जगत में हंगामा मच गया। क्रिकेट प्रशंसकों और आलोचकों को घरेलू विभाग के इस फैसले से आश्चर्य हुआ कि क्या बोर्ड किसी वित्तीय संकट का सामना कर रहा है। बोर्ड ने इससे पहले सिर्फ एक दिन के खेल के बाद राष्ट्रीय अंडर-19 चैंपियनशिप को अचानक रोक दिया था जिसके बाद से पाकिस्तान के घरेलू क्रिकेट कार्यक्रम और ढांचे को लेकर चर्चा हो रही है।

अंडर-19 क्रिकेट टूर्नामेंट में अधिक उम्र के खिलाड़ियों के चयन और अन्य मुद्दों की शिकायतों के बाद नकवी के आदेश पर यह फैसला लिया गया। नए प्रतिभाओं के लिए सबसे जरूरी मंच माने जाने वाले राष्ट्रीय जूनियर टूर्नामेंट का इस सत्र में आयोजन नहीं हो पाया है। घरेलू क्रिकेट में खिलाड़ियों के लिए सुविधाओं में कटौती करने की खबरें भी आई हैं। इसमें अनुबंधों को समाप्त करना और होटल तथा यात्रा जैसी चीजों में पहले के मुकाबले काफी कम खर्च करना शामिल है। पीसीबी सूत्रों का दावा है कि खर्चों में कटौती इस सत्र में घरेलू क्रिकेट में टूर्नामेंटों में बढ़ोतरी के कारण की गई है। इन टूर्नामेंटों को पहले बजट में शामिल नहीं किया गया था।

आईपीएल 2025: चैंपियंस ट्रॉफी के बाद अब आईपीएल के लिए रविंद्र जडेजा ने शुरू की तैयारी, एमएस धोनी से मिलने के लिए हैं बेताब

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने आईपीएल 2025 के लिए तैयारी शुरू कर दी है। चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे रविंद्र जडेजा दुबई से वापसी के बाद तुरंत ही चेन्नई के कैंप में शामिल हो गए हैं। चेन्नई सुपर किंग्स द्वारा गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया गया, जिसमें वह अपने टीम के साथियों से मिलने के लिए उत्सुक हैं, खासकर वह टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी से मिलने के लिए बेताब हैं। चेन्नई सुपर किंग्स द्वारा शेयर वीडियो में ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने बताया है कि वह एमएस धोनी और

अपने पूर्व साथी स्पिनर आर अश्विन के साथ ट्रेनिंग करने के लिए काफी उत्सुक हैं।

जडेजा ने कहा कि वह अश्विन के साथ मिलकर एक बार फिर से काम करना चाहते हैं। एमएस धोनी सीएसके कैंप से पहले ही जुड़ गए थे। लेकिन ऋषभ पंत की बहन की शादी में शामिल होने के लिए इस समय कैंप से बाहर हैं।

वहीं वीडियो में जडेजा कहते हैं कि, घर आकर अच्छा लग रहा है और टीम के साथ होने के लिए उत्सुक हूं। और थाला द बॉस से मिलने की राह देख रहा हूं। रविंद्र जडेजा ने भारत को चैंपियंस ट्रॉफी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने पांच मैचों में पाच विकेट झटके। उन्होंने फाइनल में विजयी चौका भी लगाया था।

2027 एकदिवसीय विश्वकप से पहले 27 मैच खेलेगी भारतीय टीम

मुम्बई ।आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी विजेता भारतीय टीम का लक्ष्य अब 2027 में जीत दर्ज करना रहेगा।इसके लिए टीम अभी से ही रणनीति बनानी शुरु कर देगी।इससे पहले भारतीय टीम को कुल 9 में 27 मैच खेलने हैं जिससे उसे अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा।2027 का वनडे विश्व अक्टूबर से दिसंबर के आसपास होगा।इसके अलावा 8 टीमों के खिलाफ 3-3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज भी भारतीय टीम को खेलनी है।एक देश के खिलाफ भारतीय टीम दो बार सीरीज खेलेगी। भातरीय टीम एकदिवसीय सीरीज में ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और श्रीलंका के साथ एक-एक सीरीज खेलेगी जबकि न्यूजीलैंड के साथ दो सीरीज खेलेगी।नौ सीरीज में से भारतीय टीम छह सीरीज अपनी ही धरती पर खेलेगी जबकि बाकी सीरीज देश के बाहर खेल जाएंगी।इसकी शुरुआत अगस्त में बांग्लादेश के दौरे से होगी, जो इसी साल खेला जाएगा।अक्टूबर-नवंबर 2025 में इंडिया को ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर तीन मैचों की एकदिवसीयस सीरीज खेलनी है।नवंबर-दिसंबर में साउथ अफ्रीका की टीम भारत के दौरे पर आएगी जबकि जनवरी 2026 में न्यूजीलैंड की टीम भारत में वनडे सीरीज खेलेगी।इसके बाद जून में अफगानिस्तान से भारत को तीन मैचों की सीरीज खेलनी है।जुलाई 2026 में टीम इंडिया को इंग्लैंड के दौरे पर इतने ही मैचों की वनडे सीरीज खेलनी होगी।सितंबर-अक्टूबर में वेस्टइंडीज की टीम को भारत का दौरा करेगी।अक्टूबर-नवंबर में न्यूजीलैंड से घर पर ही एकदिवसीय सीरीज खेलेगी।दिसंबर 2026 में श्रीलंका की टीम की मेजबानी भारतीय टीम करेगी।

लखनऊ सुपर जाइंट्स के लिए बतौर बल्लेबाज खेलेंगे मिचेल मार्श

लखनऊ ।ऑस्ट्रेलियाई टी20 टीम के कप्तान मिचेल मार्श इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल)2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए बतौर बल्लेबाज खेलेंगे। विशेषज्ञ की सलाह के बाद समस्या से उबरने के बाद पिछले कुछ सप्ताह से उन्होंने बल्लेबाजी का अभ्यास शुरू किया है और उन्हें आईपीएल मे केवल बल्लेबाज के रूप में खेलने की अनुमति मिली है। मार्श को एलएसजी ने उन्हें पिछले साल नीलामी में 3.40 करोड़ रुपए में खरीदा था। मार्श 18 मार्च को एलएसजी की टीम के साथ जुड़ सकते हैं। पिछले वर्ष सितंबर में इंग्लैंड दौरे से मिचेल मार्श डिस्क संबंधी समस्या से परेशान रहे हैं। श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज और चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए थे। उन्होंने फरवरी की शुरुआत में विशेषज्ञ की सलाह पर समस्या से उबरने के लिए आराम करने का फैसला किया। इसके बाद उन्होंने बल्लेबाजी अभ्यास शुरु किया था।

पांच से छह आईसीसी ट्रॉफी जीतना चाहते हैं पांड्या

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने कहा है कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीतने से वह बेहद खुश हैं। पांड्या ने कहा कि अब उनका लक्ष्य अब अपनी मेजबानी में होने वाले टी20 विश्वकप को जीतना है। इसके साथ ही वह आने वाले समय में पांच से छह आईसीसी ट्रॉफी और जीतना चाहते हैं। पांड्या ने कहा कि इस बार की जीत इसलिए अहम रही क्योंकि इससे साल 2017 चैंपियंस ट्रॉफी में मिल हार से वह उबर गये। तब खिताबी मुकाबले में वह रविंद्र जडेजा के साथ बल्लेबाजी करते हुए रन आउट हो गए थे। पांड्या ने कहा की जो काम तब पूरा नहीं हुआ था। वह अब पूरा हुआ है। हार्दिक ने यह भी बताया कि वह अपनी टीम को हर हाल में जीत दिलाना चाहते हैं। इससे कोई मतलब नहीं है कि वह कहां किस जगह उतरते हैं। चाहे गेंदबाजी हो या बल्लेबाजी वह अपनी टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन चाहते हैं। इस ऑलराउंडर ने कहा, मेरी क्रिकेट यात्रा में सबसे अहम बात यह है कि मैं कैसे तय कर सकता हूं कि मेरी टीम जीत जाए और मेरे लिए हर बार जब मैं मैदान पर कदम रखता हूं तो यह बहुत संतोषजनक, बहुत शांत और प्रसन्न क्षण होता है, भले ही मैं अपनी टीम को जीत दिलाने में योगदान ना दे पाऊं, मुझे लगता है कि यह मेरे लिए सबसे खूबसूरत एहसास है। उन्होंने कहा, इस बार हर किसी ने एक ही समय में अपनी क्लास दिखाई और जो विश्वास उनमें है, वह असाधारण है। मुझे ऐसे मैच पसंद हैं जहां हर कोई अपना दिल लगाकर खेलता है। इससे टीम का आने वाले मुकाबलों के लिए मनोबल बढ़ा है।

बांग्लादेश के अनुभवी क्रिकेटर महमूदुल्लाह ने संन्यास लिया

ढ़ाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के अनुभवी क्रिकेटर महमूदुल्लाह ने एकदिवसीय क्रिकेट से भी संन्यास की घोषणा कर दी है। 39 साल के महमूदुल्लाह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिये अपने संन्यास की बात कही। इस ऑलराउंडर ने साल 2021 में ही टेस्ट और साल 2024 में टी20 से संन्यास लिया था। अब उन्होंने सभी प्रारुपों को अलविदा कह दिया है। इस क्रिकेटर ने अपने 18 साल के करियर के दौरान कई अहम पारियां खेलीं।

महमूदुल्लाह ने अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर लिखा, मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। मैं अपने सभी साथियों, कोचों और खासकर अपने प्रशंसकों को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया है। मेरे माता-पिता, मेरे ससुराल वालों खासकर मेरे ससुर और सबसे महत्वपूर्ण मेरे भाई इमदाद उल्लाह को बहुत-बहुत धन्यवाद जो बचपन से ही मेरे कोच और मेंटर के रूप में हमेशा मेरे साथ रहे हैं। वहीं अंत में मेरी पत्नी और बच्चों को धन्यवाद जिन्होंने हर कठिन समय में मेरा साथ दिया। मुझे पता है कि हर चीज का अंत बिल्कुल सही तरीके से नहीं होता लेकिन आप हां कहते हैं और आगे बढ़ते हैं। मेरी टीम और बांग्लादेश क्रिकेट को शुभकामनाएं।

अपने 17 साल के करियर में 239 वनडे, 50 टेस्ट और 141 टी20 मैच खेलने वाले महमूदुल्लाह ने कहा, 'मेरे माता-पिता, मेरे ससुराल वालों खासकर मेरे ससुर और सबसे महत्वपूर्ण मेरे भाई इमदाद उल्लाह को बहुत-बहुत धन्यवाद जो बचपन से ही मेरे कोच और मेंटर के रूप में मेरे साथ रहे है!' वह बांग्लादेश के एकमात्र बल्लेबाज हैं जिन्होंने एकदिवसीय विश्व कप में तीन शतक बनाए हैं।

वहीं भारत के खिलाफ इस क्रिकेटर का रिकार्ड काफी अच्छा है। इस क्रिकेटर ने अपने टेस्ट करियर में भारतीय टीम के खिलाफ 5 मैचों की 10 पारियों में 347 रन बनाये। उनका सबसे अधिक स्कोर नाबाद 96 रन था। वह भारत के खिलाफ तीन अर्धशतक लगाने में सफल रहे थे। उन्होंने साल 2010 में मीरपुर के जिस मैदान पर आठवे नंबर पर उतरते हुए भी 96 रन बनाए थे हालांकि वह अपनी टीम को हार से नहं बचा पाये थे। वनडे भारत के खिलाफ 18 मैचों में 36 की औसत से 476 रन बनाने में सफल रहे। उन्होंने 3 अर्धशतक

बनाए और उनका सर्वोच्च स्कोर 77 है। वह भारत के खिलाफ 4 बार नाबाद भी रहे हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय 15 टी20 मुकाबले में उनके नाम 20 की औसत से 248 रन हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 41 रहा है।

वाणी कपूर ने लगातार तीसरा डब्ल्यूपीजीटी खिताब जीता

गुरुग्राम। फॉर्म में चल रही महिला गोल्फर वाणी कपूर ने बृहस्पतिवार को यहां 2025 हीरो महिला प्रो गोल्फ टूर में लगातार तीसरी ट्रॉफी अपने नाम की। वाणी ने अंतिम दौर में एक ओवर 73 का कार्ड बनाया जिससे उन्होंने अपने घरेलू कोर्स में तीन शॉट से छठा डब्ल्यूपीजीटी चरण हासिल किया। वाणी ने 72-72-73 के कार्ड से एक ओवर 217 इवन पार का स्कोर बनाया। वहीं एमेच्योर गोल्फर अन्वी दहिया ने 71-77-74 के कार्ड से कुल 220 का स्कोर बनाते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। वाणी ने विधात्री उर्स के 2024 में लगातार 3 खिताब जीतने के बाद इस उपलब्धि में उनकी बराबरी की। इस जीत ने वाणी को ऑर्डर ऑफ मेरिट में भी शीर्ष पर पहुंचा दिया। वाणी ने 2014 से 2016 तक लगातार तीन बार ऑर्डर ऑफ मेरिट जीता लेकिन तब से वह मेरिट सूची में शीर्ष पर नहीं आ पाई क्योंकि वह अकसर अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में व्यस्त रहती है।

आईसीसी टूर्नामेंटों में न्यूजीलैंड का प्रदर्शन शानदार, आने वाले समय में जीतेगी ट्रॉफी : पोंटिंग

दुबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने न्यूजीलैंड टीम की जमकर सराहना की है। पोंटिंग ने कहा कि की न्यूजीलैंड टीम का प्रदर्शन आईसीसी टूर्नामेंटों में काफी अच्छा रहा है और वह आने वाले समय खिताब भी जीतेगी। पोंटिंग ने कहा कि जिस प्रकार उसने चैम्पियंस ट्रॉफी के फाइनल में खेला वह दिखाता है कि टीम अंत तक हार नहीं मानती। साथ ही कहा कि अपने खेल पर उसे गर्व होना चाहिए। न्यूजीलैंड की टीम चैंपियंस ट्रॉफी में उपविजेता रही थी। उसे फाइनल मुकाबले में भारतीय क्रिकेट टीम के हाथों 4 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था।

पोंटिंग का मानना है कि न्यूजीलैंड की टीम भी जल्द ही आईसीसी खिताब जीतेगी। यह

न्यूजीलैंड का 7वां आईसीसी फाइनल था। इससे पहले उसे 2021 के टी20 विश्व कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। वह 7 फाइनल में केवल दो बार ही जीत हासिल कर सकी है। एक बार उन्हें आईसीसी नॉकआउट में 2000 में जीत मिली थी और दूसरी जीत 2021 में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के उद्घाटन संस्करण में मिली थी।

पोंटिंग ने कहा, मुझे नहीं लगता कि न्यूजीलैंड का प्रदर्शन खराब था। उन्होंने पूर समय शानदार टूर्नामेंट खेला। वे एक टीम के तौर पर शुरू से आखिर तक जबरदस्त लय में थे। मुझे टूर्नामेंट की शुरुआत में चार सेमीफाइनलिस्ट के नाम देने के लिए कहा गया था, तब न्यूजीलैंड का नाम मेरे दिमाग में था क्योंकि वे हमेशा ऐसा करते हैं। पोंटिंग ने सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका पर न्यूजीलैंड की 50 रनों की जीत को लेकर कहा, यह न्यूजीलैंड की दक्षिण अफ्रीका पर जबरदस्त जीत थी। उन्होंने पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा। पहले बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने 362 रनों का स्कोर बनाया जो चैंपियंस ट्रॉफी में सबसे बड़ा स्कोर है। न्यूजीलैंड ने यह स्कोर लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में बनाया था। पोंटिंग ने मैच में कीवी स्पिनर मैट हेनरी के प्रदर्शन की भी तारीफ की जो चोट के कारण् फाइनल मैच नहीं खेल पाये थे।

चहल के साथ नजर आयी महविश ने कहा, जो हासिल किया अपने बल पर किया

मुम्बई ।हाल में क्रिकेटर युजवेंद्र चहल के साथ दिखीं आरजे महविश ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर कहा है कि उसे अपने काम के लिए जाना जाता है। इसलिए वह अपने पर गर्व करती है।इससे पहले वह चहल के साथा चैंपियन्स ट्रॉफी के फाइनल में बैठी नजर आ रही थी।ऐसे में यह दावा किया जाने लगा कि चहल, महविश को डेट कर रहे हैं।इसी को लेकर महविश ने एक क्रिप्टिक पोस्ट साझा की है। इसमें महविश ने बताया कि उन्हें हाल ही में एक अवॉर्ड शो में 'बेस्ट मेगा इन्फ्लुएंसर' के अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। उन्होंने लिखा, 'छोटी महविश को आज इस महविश पर गर्व है और यही चीज सबसे ज्यादा मायने रखती है! आप बस अपना काम करते जाओ। न गलत करो, न गलत सुनो।' 'अपने दम पर सब किया' महविश ने पोस्ट में लिखा, 'ब्रांड प्रमोशन के लिए 2000 रुपये लेने से लेकर फिल्म प्रोड्यूसर बनने तक मैंने सब देखा है। मेरा विश्वास करो, छोटे शहर से निकलकर, हमारे लिए तो मैकडॉनल्ड्स तक जाना बहुत बड़ी बात होती थी। मेट्रो सिटी घुमने का क्रेज होता था भाई। फिर नए शहर में अकेला आना और अपने दम पर सब हासिल करना! मजा बहुत आता है खुद से कुछ करने में! इतने बड़े सपने तो देखे भी नहीं थे, जितने पूरे कर लिए ये मेरा पहला अवॉर्ड नहीं है, लेकिन हर छोटी उपलब्धि विशेष लगती है।' पहले महविश के फॉलोअर्स 1.5 मिलियन थे। वहीं जब से उनके और युजवेंद्र चहल के डेटिंग की अफवाह उड़ी है तब से लेकर अब तक उनके 8 लाख फॉलोअर्स बढ़ गए हैं।

आईपीएल 2025 ईशान किशन के लिए सबसे बड़ा अवसर है: आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि मेगा नीलामी में सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) द्वारा चुने जाने के बाद ईशान किशन के पास आगामी आईपीएल 2025 में अपने करियर को पुनर्जीवित करने का सबसे बड़ा अवसर है। चोपड़ा ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि कैसे किशन बल्ले से अपनी सिद्ध क्षमता के बावजूद राष्ट्रीय चयनकर्ताओं के रडार से पूरी तरह से गायब हो गए हैं।

चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'किसी भी कारण से वह रडार से पूरी तरह से गायब हो गए हैं। ऐसा लगता है कि कोई भी उनके बारे में बात नहीं कर रहा है या उनकी अहमियत को नहीं समझ रहा है। उन्होंने रणजी ट्रॉफी में भी खेला और वहां रन बनाए, वह सब कुछ कर रहे हैं, लेकिन कोई भी उनके बारे में बात नहीं कर रहा है।'

मुंबई इंडियंस (MI) द्वारा रिलीज किए गए किशन को पिछले नवंबर में आईपीएल नीलामी में SRH ने 11.25 करोड़ रुपए में खरीदा था। हालांकि, SRH के पास पहले से ही अभिषेक शर्मा और ट्रैविस हेड के रूप में एक मजबूत ओपनिंग जोड़ी है, जो पिछले सीजन के सबसे विस्फोटक ओपनर में से एक थे। इसका मतलब है कि किशन को तीसरे नंबर पर रखा जा सकता है, यह भूमिका उन्होंने कभी-कभार निभाई है, लेकिन यह उनकी स्वाभाविक स्थिति नहीं है।

दिसंबर 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ रिकॉर्ड तोड़ वनडे दोहरा शतक (131 गेंदों पर 210 रन) बनाने के बावजूद किशन को प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया गया, जबकि शुभमन गिल को सलामी बल्लेबाज के रूप में प्राथमिकता दी गई। तब से, उन्हें सभी प्रारूपों में टीम में जगह पाने के लिए संघर्ष करना पड़ा है। विकेटकीपर-बल्लेबाज श्रेणी में ऋषभ पंत, केएल राहुल और संजू सैमसन को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनसे ऊपर तरजीह दी गई है।

किशन ने पिछले साल अपना बीसीसीआई केंद्रीय अनुबंध भी खो दिया था। चोपड़ा ने कहा, 'आप एक बार फिर से चर्चा में आ सकते हैं। एक कीपर-बल्लेबाज जो ओपनिंग कर सकता है या शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी कर सकता है, वह सुंदर है। गौतम (गंभीर) वैसे भी कह रहे हैं कि वे सभी एक ट्रेन में बोगी हैं; सभी को एक ही गंतव्य पर जाना है, और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि बोगी आगे है या पीछे। इसका मूल रूप से मतलब है कि भारतीय क्रिकेट में बल्लेबाजी क्रम अब मौजूद नहीं है।'

संक्षिप्त समाचार

चीनी उद्यमों को मिल रहे विकास के मौके : जन प्रतिनिधि थ्येन चीछुन

बीजिंग, एजेंसी। वर्ष 2025 की दो सत्रों में प्रस्तुत सरकारी रिपोर्ट में नई किस्म वाले

औद्योगिकीकरण और प्रगतिशील विनिर्माण बढ़ाने पर जोर लगाया गया। इससे राष्ट्रीय जन प्रतिनिधि सभा की सदस्य और लंबे समय से निर्माण उद्योग में कार्यरत इंजीनियर थ्येन चीछुन बहुत प्रोत्साहित हुईं। उन्होंने सीएमजी के संवाददाता के साथ बातचीत में कहा कि सरकार रील इकोनॉमी और विनिर्माण उद्योग को बहुत महत्व दे रही है, जिसने चीनी उद्यमों के लिए विकास का अभूतपूर्व मौका लाया है। थ्येन चीछुन दक्षिण चीन के हुनान प्रांत की चुचो शहर थ्येनछिओ क्रेन लिमिटेड कंपनी से आती हैं। वे अल्पसंख्यक जाति थुच्या की हैं। उन्होंने बताया कि चुचो शहर चीन का महत्वपूर्ण पुराना उद्योग अड्डा है। इधर कुछ साल चुचो शहर व्यावसायिक उन्नयन का रास्ता निकालने में सक्रिय रहा। वह ट्रेक यातायात तथा मध्यम व छोटे विमान के इंजन जैसे परंपरागत उद्योग के विकास के साथ चीनी नेविगेशन व्यवस्था पेइतो प्लस, नवीन ऊर्जा, छोटी अर्थव्यवस्थाओं जैसे नवोदित व्यवसायों के विकास पर खास जोर लगा रहा है, जिससे सफलतापूर्वक व्यावसायिक ढांचे की विविधता पूरी की गई। थ्येन चीछुन के विचार में चुचो शहर का एक कुंजीभूत अनुभव उद्योग, शोध व अनुसंधान और प्रयोग का गहरा मिश्रण है। विश्वविद्यालय, अनुसंधान संस्था और उद्यम के घनिष्ठ सहयोग से वैज्ञानिक व तकनीकी उपलब्धियों के वास्तविक प्रयोग में बदलाव को गति मिली है। विनिर्माण उद्योग से आई जन प्रतिनिधि के नाते थ्येन चीछुन ने अपने काम और पड़ताल के मुताबिक दो सत्रों में परंपरागत विनिर्माण उद्योग के गुणवत्ता विकास पर अपना सुझाव भी रखा।

मुक्त व्यापार के लिए अमेरिका के प्रतिबद्ध होने तक कनाडा शुल्क जारी रखेगा : कार्नी

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के अगले प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार तब तक शुल्क जारी रखेगी जब तक अमेरिका सम्मान नहीं दिखाता और मुक्त व्यापार के लिए प्रतिबद्ध नहीं होता। कार्नी की टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस कदम के बाद आई है, जिसमें ट्रंप ने कनाडा के लिए शुल्क बढ़ाने का ऐलान किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा के लिए इस्पात और एल्युमीनियम उत्पादों पर लगाए जाने वाले सीमा शुल्क को 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने की मंगलवार को घोषणा की। इससे दोनों पड़ोसी देशों के बीच व्यापार युद्ध गहराने के आसार बनते दिख रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि शुल्क वृद्धि का यह फैसला बुधवार से लागू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि शुल्क में वृद्धि कनाडा के ओंटारियो प्रांत की सरकार के अमेरिका को बेची जाने वाली बिजली की कीमतें बढ़ाने की प्रतिक्रिया है। आने वाले दिनों में प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के स्थान पर शपथ लेने वाले कार्नी ने कहा कि ट्रंप के नवीनतम शुल्क कनाडाई श्रमिकों, परिवारों और व्यवसायों पर हमला हैं। कार्नी ने कहा, ''मेरी सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि हमारी प्रतिक्रिया का अमेरिका में अधिकतम प्रभाव हो और यहां कनाडा में न्यूनतम प्रभाव हो, साथ ही प्रभावित श्रमिकों का समर्थन किया जाएगा।

हर साल एक लाख स्वयंसेवकों को सैन्य प्रशिक्षण देगी सरकार, रूसी खतरे के बीच रिजर्व सेना बनाना लक्ष्य

वारसॉ, एजेंसी। पोलैंड सरकार 2027 से हर साल 100,000 स्वयंसेवकों को सैन्य प्रशिक्षण देगी। इसके पीछे का उद्देश्य रूस के बढ़ते खतरे के बीच एक रिजर्व सेना बनाना है। पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने मंगलवार को बताया कि उन्होंने कैबिनेट मंत्रियों और अन्य सरकारी अधिकारियों से कहा है कि वे भी सैन्य प्रशिक्षण लें, और इसे पूरी तरह से स्वीकार किया गया है। पीएम टस्क ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि पोलैंड को 500,000 सैनिकों की जरूरत है, जो वर्तमान संख्या से दोगुने से भी अधिक है। इसमें पेशेवर सेना, क्षेत्रीय रक्षा बल के अलावा रिजर्व भी शामिल होंगे। रूस द्वारा यूक्रेन पर लगातार मिसाइलों और ड्रोन से हमले किए जाने और ट्रंप प्रशासन द्वारा नाटो के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं पर सवाल उठाए जाने के कारण हाल के हफ्तों में पोलैंड में सुरक्षा चिंताएं तेजी से बढ़ी हैं। पीएम टस्क ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार सभी पोलिश पुरुषों के लिए सैन्य प्रशिक्षण की योजना पर काम कर रही है। उन्होंने मंगलवार को इस बारे में और अधिक जानकारी दी। पीएम टस्क ने अपने मंत्रियों से कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि स्वयंसेवकों की कोई कमी नहीं होगी। बता दें कि पिछले साल, पोलिश सरकार ने कहा था कि सेना में लगभग 200,000 सैनिक हैं और इस साल यह संख्या बढ़कर 220,000 हो जाएगी, जिसका लक्ष्य लगभग 300,000 तक बढ़ाना है।

जो करना है कर लो, हम समझौता नहीं करेंगे, ईरान की अमेरिका को दो टूक

तेहरान , एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा है कि उनका देश अमेरिका के साथ कोई समझौता नहीं करेंगे। पेजेश्कियन ने कहा कि ये बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है कि वे (अमेरिका) हमें आदेश दें और धमकाएं। मैं आपके साथ कोई बातचीत नहीं करूंगा। आपको जो करना है कर लें। इससे पहले ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामनेई ने शनिवार को कहा था कि तेहरान धमकाने वाले देशों के साथ कोई समझौता नहीं करेगा। ईरान की तरफ से यह बयान ऐसे वक्त सामने आए हैं।

नेपाल में राजशाही की वापसी की आहट सियासी दलों में बेचैनी, विपक्ष की आपात बैठक

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल में राजशाही की वापसी की आहट ने विभिन्न सियासी दलों की बेचैनी बढ़ा दी है। राजधानी काठमांडो में रविवार को पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह के स्वागत के लिए हजारों की भीड़ उमड़ने के पहले ही सियासी दलों को संभवतः हवा के बदलते रुख का अंदाजा हो गया था। यही वजह है कि मुख्य विपक्षी दल सीपीएन (माओवादी सेंटर) अध्यक्ष पुष्प कमल दहल और अन्य शीर्ष पदाधिकार शनिवार को ही राजधानी लौट आए थे।

राजशाही समर्थकों की रैली के एक दिन बाद सोमवार को माओवादी सेंटर के पदाधिकारियों ने एक आपात बैठक की। इसमें राजशाही समर्थकों की गतिविधियों और देश को फिर हिंदू राष्ट्र का दर्जा देने की बढ़ती मांग पर मंथन किया गया। काठमांडो में पूर्व नरेश के भव्य स्वागत से पहले ही सीपीएन (माओवादी सेंटर) ने तराई-मधेश जिलों में महीने भर चलने वाले जागृति अभियान को अचानक रोक दिया था। पार्टी की बैठक के बाद प्रचंड ने सोशलिस्ट फ्रंट में शामिल दलों के नेताओं के साथ मुलाकात भी की। इस फ्रंट में माओवादी सेंटर के अलावा सीपीएन (एकीकृत समाजवादी), जनता समाजवादी पार्टी-नेपाल, जनमत पार्टी और नेत्र बिक्रम चंद बिप्लव के नेतृत्व वाली नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी शामिल हैं। राजशाही समर्थकों ने रैली में पूरे उत्साह से नारे लगाए थे-महल खाली करो, हमारे

राजा आ रहे हैं। हालांकि, नेपाली सियासी दलों का मानना है कि देश में राजशाही की वापसी की कोई गुंजाइश नहीं है।

हर राज्य में खराब शासन से निराश हैं लोगः सपकोटा : मुख्य विपक्षी दल माओवादी सेंटर की बैठक में शीर्ष नेताओं ने माना कि देश में राजशाही की मांग उठना और स्वागत रैली में बड़ी संख्या में आम लोगों की भागीदारी मौजूदा सरकार की विफलता से उपजी निराशा की अभिव्यक्ति है। माओवादी सेंटर के उपाध्यक्ष और प्रवक्ता अग्नि प्रसाद सपकोटा ने कहा कि लोग हर राज्य निकाय में खराब शासन से निराश हैं। इसके साथ ही उन्होंने प्रगतिशील ताकतों को पूर्व राजा की बढ़ती सक्रियता के प्रति सतर्क रहने के लिए भी आगाह किया।

विपक्ष बड़े प्रदर्शन की तैयारी में : जनता की नाराजगी और पूर्व नरेश के पक्ष में लामबंदी को देखते हुए विपक्ष दलों का गठबंधन मौजूदा सरकार के खिलाफ व्यापक स्तर पर प्रदर्शन की तैयारी कर रहा है। इसकी तारीख बाद में तय की जाएगी। इस बीच, प्रचंड ने अपनी सियासी सक्रियता बढ़ा दी है। पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक के बाद वह एकीकृत समाजवादी अध्यक्ष माधव कुमार नेपाल से मिले। नेपाल ने प्रतिक्रियावादी तत्वों के फिर से उभरने के लिए सीपीएन-यूएमएल अध्यक्ष और प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को जिम्मेदार ठहराया।

देउबा बोले-राजशाही के पक्ष में कोई लहर नहीं : विपक्ष जहां राजशाही समर्थकों की सक्रियता बढ़ने के लिए मौजूदा सरकार को जिम्मेदार ठहरा रहा है। वहीं सत्तारूढ़ नेपाली कांग्रेस पार्टी के प्रमुख नेता शेर बहादुर देउबा ने काठमांडो की रैली को नियमित घटना बताया। उन्होंने कहा, मुझे राजशाही के पक्ष में कोई लहर नहीं दिख रही है। प्रधानमंत्री और यूएमएल अध्यक्ष ओली ने भी रविवार के आयोजन को सामान्य बताने की कोशिश की। उन्होंने कहा, इसे बाहरी लोगों का समर्थन प्राप्त है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था को चुनौती का जवाब क्रांति से दिया जाएग : प्रचंड : नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री व सीपीएन (माओवादी सेंटर) पार्टी के अध्यक्ष पुष्प कमल दहल प्रचंड ने मंगलवार को राजशाही समर्थकों को चेतावनी देते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को चुनौती देने के किसी भी प्रयास का जवाब क्रांति से दिया जाएगा। प्रतिनिधि सभा में विशेष संबोधन में मुख्य विपक्षी दल के नेता ने राजशाही समर्थकों को लोकतांत्रिक व्यवस्था के भीतर अपनी जगह तलाशने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि मौजूदा गणतंत्र व्यवस्था ने पूर्व राजा को सुरक्षा प्रदान की है। अगर राजशाही समर्थक ताकतें इसे खत्म करने का प्रयास करती हैं, तो उनके जवाब में एक कठोर क्रांति होगी। उन्होंने कहा कि राजशाही समर्थकों की बढ़ती गतिविधियों के पीछे सरकार का खराब प्रदर्शन, देश की अराजक स्थिति और लोगों के मन में अविश्वास है। माओवादी प्रमुख प्रचंड को राजशाही समर्थकों की गतिविधियों के पीछे एक संगठित प्रयास का संदेह है।

पुर्तगालः लुइस मोंटेनेग्रो की गिरी सरकार, संसद में नहीं हासिल कर पाए जरूरी मत

लिस्बन, एजेंसी। पुर्तगाली प्रधानमंत्री लुइस मोंटेनेग्रो संसद में विश्वास मत हासिल नहीं कर पाए, जिससे उनकी सरकार गिर

गई। एक साल से भी कम समय तक चली सरकार को इस्तीफा देना पड़ा। इसमें भाग लेने वाले 224 सांसदों में से केवल मोंटेनेग्रो की सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी (पीएसडी), पीपुल्स पार्टी (सीडीएस-पीपी) और लिबरल इनिशिएटिव ने उनका समर्थन किया। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सोशलिस्ट पार्टी (पीएस), दूर-दराज़ चेगा, लेफ्ट ब्लॉक (बीई), कम्युनिस्ट पार्टी (पीसीपी), लिवरे और पैन के एकमात्र सांसद ने उनके खिलाफ़ मतदान किया। सटीक वोटों की गिनती तुरंत उपलब्ध नहीं थी, लेकिन संसद के अध्यक्ष जोस पेड्रो अगुइर-ब्रैंको ने कहा कि केंद्र-दक्षिणपंथी सरकार हार गई। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी (पीएसडी) के नेतृत्व वाली दो-पक्षीय गठबंधन सरकार, जो एक साल से भी कम समय से सत्ता में है, के पास मौजूदा 230 सीटों वाली विधायिका में सिर्फ़ 80 सीटें हैं। विपक्षी सांसदों के भारी बहुमत ने इसके खिलाफ़ मतदान करने की कसम खाई थी। पुर्तगाल के संविधान के तहत, विफल विश्वास मत के लिए सरकार को इस्तीफा देना पड़ता है। मोंटेनेग्रो का प्रशासन अब एक कार्यवाहक क्षमता में काम करेगा, जो केवल आवश्यक और ज़रूरी मामलों को संभालेगा। राष्ट्रपति मार्सेलो रेबेलो डी सूसा से संसद को भंग करने और अचानक चुनाव कराने की उम्मीद है, जिसके बारे में उन्होंने पहले सुझाव दिया था कि यह 11 मई या 18 मई को हो सकता है। मोंटेनेग्रो ने अपने कार्यकाल के दौरान दो पिछले विश्वास प्रस्तावों के बाद, खुद ही विश्वास मत की पहल की। ??एक पारिवारिक स्वामित्व वाले व्यवसाय से जुड़े हितों के टकराव के घोटाले के कारण उनका नेतृत्व सवालों में घिर गया था। मोंटेनेग्रो आम चुनाव जीतने के बाद अप्रैल 2024 में प्रधान मंत्री बने। हालांकि, उनके गठबंधन को 230 सीटों वाली संसद में केवल 80 सीटें मिलीं।

बांग्लादेश में जब्त होंगी शेख हसीना की पारिवारिक संपत्तियां और बैंक खाते

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की मुश्किलें काफी बढ़ गई हैं। ढाका की एक अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के धानमंडी स्थित आवास सुदासदन और भारत में निर्वासित उनके परिवार के सदस्यों की कुछ अन्य संपत्तियों को जब्त करने का आदेश दिया है। एक अधिकारी ने बताया कि अदालत ने उनके परिवार के 124 बैंक खातों को भी जब्त करने का आदेश दिया है। शेख हसीना के घर का नाम उनके पति के नाम पर रखा गया है। ढाका मेट्रोपोलिटन के वरिष्ठ विशेष न्यायाधीश जाकिर हुसैन गालिब ने भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) की याचिका के बाद मंगलवार को यह आदेश जारी किया। शेख हसीना के पति, दिवंगत परमाणु वैज्ञानिक एम.ए. वाजेद मिया, का उपनाम सुधा मिया था। उनके नाम पर घर का नाम सुदासदन रखा गया।

बेटे और बेटी की संपत्ति जब्त करने का आदेश : शेख हसीना के अलावा, उनके बेटे सजीब वाजेद जॉय, बेटी साइमा वाजेद पुतुल, बहन शेख रेहाना और उनकी बेटियों ट्यूलिप सिद्दीकी और रादवान मुजीब सिद्दीकी की कुछ अन्य संपत्तियां भी जब्त की गई हैं। बांग्लादेश ने हसीना के खिलाफ दो गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। वहीं, बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन ने मोहम्मद यूनुस के विचारों को दोहराते हुए कहा कि भारत और बांग्लादेश के बीच अच्छे संबंध बनाए रखने के लिए कोई अन्य विकल्प नहीं हो सकता।

व्हाइट हाउस ने कोलंबिया विश्वविद्यालय पर डाला दबाव, कहा- फलस्तीन समर्थकों की पहचान उजागर नहीं कर रहा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। व्हाइट हाउस ने मंगलवार को कहा कि कोलंबिया विश्वविद्यालय संघीय एजेंटों को उन लोगों की पहचान करने में मदद नहीं कर रहा है, जो फलस्तीन के समर्थन में प्रदर्शनों में शामिल हुए हैं। प्रशासन ने स्कूल को दंडित करने के लिए संघीय अनुसंधान फंडिंग में कटौती करना जारी रखा है।

आव्रजन प्रवर्तन एजेंटों ने शनिवार को महमूद खलील नामक एक फलस्तीनी कार्यकर्ता को गिरफ्तार किया है। वह एक वैध अमेरिकी निवासी है और पिछले साल कोलंबिया में प्रदर्शनों में एक प्रमुख भूमिका निभाई थी। अब उसे निर्वासन का सामना करना पड़ा रहा है। प्रदर्शनकारियों की पहचान के लिए खुफिया जानकारी जुटा रहे व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने इस संबंध में वाशिंगटन में प्रेस ब्रीफिंग की। लेविट ने कहा कि संघीय अधिकारी इस्राइल की आलोचना करने वाले प्रदर्शनों में शामिल लोगों की पहचान करने के लिए खुफिया जानकारी का उपयोग कर रहे हैं। ट्रंप प्रशासन ऐसे लोगों को यहूदी विरोधी और हमास समर्थक मानता है। मदद करने से इनकार कर रहा कोलंबिया विश्वविद्यालयः लेविट लेविट ने कहा कि कोलंबिया विश्वविद्यालय को प्रदर्शनों में शामिल लोगों की पहचान के लिए नाम दिए गए थे। हालांकि, वह कैंपस में उन व्यक्तियों की पहचान करने के लिए होमलैंड सुरक्षा विभाग की मदद करने से इनकार कर रहा है। लेविट ने कहा, जैसा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने बयान में बहुत दृढ़ता से कहा

था, वह इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। कोलंबिया के प्रवक्ता ने टिप्पणी के लिए भेजे गए संदेश का तुरंत जवाब नहीं दिया। विश्वविद्यालय पर यहूदी विरोधी भावना को रोकने में असफल रहने का आरोप ट्रंप प्रशासन ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि कोलंबिया विश्वविद्यालय से 400 मिलियन डॉलर के अनुदान और अनुबंध वापस ले लिए हैं, यह आरोप लगाते हुए कि विश्वविद्यालय परिसर में यहूदी विरोधी भावना को रोकने में असफल रहा है। इन कटौतियों में नेशल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ ने सोमवार देर रात 250 मिलियन डॉलर से अधिक के वित्तपोषण में कटौती की। पिछले साल छात्रों ने बड़े पैमाने पर किया विरोध प्रदर्शन बता दें कि पिछले साल छात्रों ने गाजा में इस्राइली सैन्य कार्रवाई को समाप्त करने और फलस्तीनियों के मानवाधिकारों को मान्यता देने के लिए बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किए थे, जिससे विश्वविद्यालय में हड़कंप मच गया था। विश्वविद्यालय को बाद में प्रदर्शनों को खत्म करने के लिए पुलिस का सहारा लेना पड़ा। प्रदर्शनकारियों का प्रवक्ता था खलील 30 वर्षीय खलील प्रदर्शनकारियों का प्रवक्ता था। उस पर किसी भी अपराध का आरोप नहीं लगाया गया। हालांकि, कैरोलिन लेविट ने कहा कि हालात की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने खलील के खिलाफ आव्रजन और राष्ट्रीयता अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है।

सरकार अवैध तरीके से आव्रजन शक्तियों का इस्तेमाल कर रही : वकील वहीं, सिविल राइट्स समूहों और खलील के वकीलों का कहना है कि सरकार उसे बोलने से रोकने के लिए अवैध तरीके से अपनी आव्रजन शक्तियों का इस्तेमाल कर रही है। एक संघीय न्यायाधीश ने सुनवाई तय की है और सरकार को खलील को निर्वासित करने से रोकने का आदेश दिया है।

गाजा संघर्ष विराम के अगले चरण के लिए बातचीत शुरू, इस्राइल-हमास मतभेदों के बावजूद उम्मीदें कायम

दोहा, एजेंसी। गाजा संघर्ष विराम को लेकर कतर की राजधानी दोहा में मंगलवार को वार्ता का एक नया दौर शुरू हुआ। हमास के वरिष्ठ अधिकारी अब्दुल रहमान शदीद ने कहा कि उनका आंदोलन इन वार्ताओं को सकारात्मक और जिम्मेदारी से ले रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा आंदोलन इन वार्ताओं को जिम्मेदारी से ले रहा है। साथ ही हम इसे सकारात्मक रूप से आगे बढ़ाने की उम्मीद रखते हैं। बता दें कि संघर्ष विराम को आगे बढ़ाने के लिए इस्राइल ने भी अपने वार्ताकारों की टीम भेजी है। हालांकि एक पक्ष ये भी है कि अभी तक इस्राइल की ओर से किसी भी प्रकार का बयान नहीं जारी किया गया है इस वार्ता को लेकर।

शदीद ने ट्रंप प्रशासन की जिम्मेदारी पर दिया जोर : शदीद ने उम्मीद जताई कि यह वार्ता दूसरे चरण की शुरुआत की दिशा में ठोस प्रगति करेगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका के मध्य पूर्व दूत, स्टीव विटकॉफ, युद्ध विराम समझौते के दूसरे चरण के लिए वार्ता शुरू करने में मदद करेंगे। शदीद ने यह भी कहा कि अमेरिकी प्रशासन को इस्राइल सरकार के प्रति अपने समर्थन की जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

नई वार्ता के बीच भी गतिरोध जारी : देखा जाए तो गाजा संघर्ष विराम के अगले चरण पर इस्राइल और हमास के बीच मतभेद बने हुए हैं। हमास चाहता है कि अगले चरण की वार्ता तुरंत शुरू हो, जबकि इस्राइल पहले चरण को और बढ़ाना चाहता है। इतना ही नहीं हमास ने इस्राइल पर युद्ध विराम समझौते से मुकरने का आरोप लगाया है। सोमवार को एक बयान में हमास ने कहा कि इस्राइल दूसरे चरण को शुरू करने से इंकार कर रहा है, जिससे उसकी टालमटोल करने की मंशा साफ हो रही है। इस वार्ता के शुरू होने से पहले रविवार को इस्राइल ने गाजा के बिजली की आपूर्ति रोक दी, जिसे हमास ने सस्ती और अस्वीकार्य ब्लैकमेल कहा। इस्राइल ने गाजा को राहत सामग्री की आपूर्ति भी रोक दी है, जिसके बाद हमास ने कहा कि इससे गाजा में खाद्य कीमतें बढ़ गई हैं और दवाइयों की भारी कमी हो गई है, जिससे मानवीय संकट और बढ़ गया है। गौरतलब है कि 15 महीनों के भीषण सघर्ष के बाद गाजा में शुरू हुआ संघर्ष विराम का पहला 42 दिन का चरण मार्च की शुरुआत में समाप्त हो चुका है।

ट्रंप ने खरीदी लाल रंग की टेस्ला कार, बोले- मस्क को देशभक्त होने के लिए सजा नहीं दी जा सकती

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एलन मस्क की कंपनी टेस्ला की खूबसूरत लाल रंग की कार खरीदी है। ट्रंप ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एलान किया था कि वे एक टेस्ला कार खरीदेंगे ताकि एलन मस्क का समर्थन किया जा सके। इसके बाद मंगलवार को व्हाइट हाउस के बाहर एलन मस्क की कंपनी की 4-5 गाड़ियां पार्क की गईं, जिनमें साइबर ट्रक भी शामिल था। इनमें से ट्रंप ने अपने लिए लाल रंग की कार को पसंद किया।

ट्रंप ने एलन मस्क को बताया देशभक्त : डोनाल्ड ट्रंप ने सरकारी दक्षता विभाग की कमान संभाल रहे एलन मस्क की तारीफ भी की और उन्हें एक अच्छा इंसान और देशभक्त करार दिया। ट्रंप ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि जब मैंने देखा कि मस्क और उनकी कंपनी को निशाना बनाया जा रहा है तो मैंने टेस्ला कार खरीदने का फैसला किया। यह सार्वजनिक तौर पर हुई खरीद थी और वे (एलन मस्क) अच्छा काम कर रहे हैं। ट्रंप द्वारा टेस्ला कार ऐसे समय खरीदी गई है, जब टेस्ला के शेयरों में तेज गिरावट देखी जा रही है। राष्ट्रपति चुनाव में मस्क द्वारा डोनाल्ड ट्रंप का खुलकर समर्थन किया गया है और उसके बाद सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख के रूप में जिस तरह से मस्क ने संघीय सरकार के खर्च में बड़े पैमाने पर कटौती की है और बड़ी संख्या में लोगों को नौकरी से निकाला है, उससे मस्क अपने आलोचकों के निशाने पर आ गए हैं।

टेस्ला की कारों और शोरूम को बनाया जा रहा निशाना : ट्रंप ने कहा कि मुझे लगता है कि कुछ लोगों के समूह द्वारा मस्क के साथ गलत किया जा रहा है। मैं चाहता हूं कि लोग ये समझें कि देशभक्त होने के लिए मस्क को सजा नहीं दी जा सकती। ट्रंप ने कहा कि हिंसक प्रदर्शनों को घरेलू आतंकवाद माना जाएगा। बता दें कि हाल के दिनों में टेस्ला की कई गाड़ियों में सार्वजनिक तौर पर सड़कों पर तोड़फोड़ की गई। साथ ही टेस्ला के शोरूमों को भी निशाना बनाया गया। टेस्ला के चार्जिंग स्टेशन भी निशाने पर हैं।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस पत्नी उषा के साथ कर सकते हैं भारत की यात्रा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका का उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनकी उषा वेंस इस महीने के अंत तक भारत की यात्रा करेंगे. अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से यह जानकारी सामने आई है. अमेरिकी उपराष्ट्रपति के रूप में वेंस की यह दूसरी विदेश यात्रा होगी. पिछले महीने वेंस ने फ्रांस और जर्मनी की यात्रा की थी.

वेंस की पत्नी उषा वेंस भारतीय मूल की हैं. उनके माता-पिता भारत से अमेरिका में आकर बस गए थे. जेडी वेंस भारत की यात्रा ऐसे समय में करेंगे, जब दोनों देशों के बीच टैरिफ को लेकर बातचीत चल रही है. मंगलवार को व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने अमेरिका पर विभिन्न देशों की तरफ से लगाए गए टैरिफ पर चिंता जताई. साथ ही भारत द्वारा अमेरिकी शराब और कृषि उत्पादों पर लगाए गए टैरिफ का जिक्र किया. उन्होंने कहा कि आज अमेरिका के पास एक ऐसा राष्ट्रपति है जो अमेरिकी व्यवसायों और श्रमिकों के हितों के लिए चिंतित है. लेविट ने कहा कि कनाडा में अमेरिकी पनीर और मक्खन पर लगभग 300 प्रतिशत टैरिफ है. जबकि भारत में अमेरिकी शराब पर 150 प्रतिशत टैरिफ है. उन्होंने सवाल किया, क्या आपको लगता है कि इससे केंटकी बोरबॉन को भारत में निर्यात करने में मदद मिल रही है? मुझे ऐसा नहीं लगता. भारत से कृषि उत्पादों पर 100 प्रतिशत टैरिफ है.

टैरिफ को लेकर विवाद : पिछले सप्ताह, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के टैरिफ पर हमला करते हुए कहा था कि उच्च टैरिफ के कारण भारत को कुछ भी बेचना असंभव है. इसके बाद उन्होंने यह भी दावा किया था कि भारत अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ में कटौती करने पर सहमत हो गया है. हालांकि, ट्रंप के टैरिफ कटौती वाले दावे के बाद भारत ने सफाई दी कि उसने

कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई है. पेरिस में जेडी वेंस से मिले थे पीएम मोदी इससे पहले फरवरी में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेरिस में एआई शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनके परिवार से मुलाकात की थी. साथ ही उन्होंने वेंस के बेटे विवेक का जन्मदिन भी मनाया था. पीएम मोदी ने जन्मदिन समारोह में शामिल होने पर अपनी खुशी व्यक्त की और वेंस परिवार के साथ शानदार बातचीत का जिक्र किया था. उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा था, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनके परिवार के साथ शानदार मुलाकात हुई. हमने विभिन्न विषयों पर बहुत अच्छी बातचीत की. उनके बेटे विवेक के जन्मदिन के जश्न में शामिल होकर बहुत खुशी हुई! इसके बाद जेडी वेंस ने पीएम मोदी को आभार जताते हुए कहा, प्रधानमंत्री मोदी उदार और दयालु हैं।

राम मंदिर परिसर की सुरक्षा होगी और पुख्ता, चार किलोमीटर लंबी दीवार और गिलहरी की मूर्ति होगी स्थापित

अयोध्या (एजेंसी)। राम जन्मभूमि परिसर की सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। परिसर की चार किलोमीटर लंबी परिधि में 14 से 16 फीट ऊंची दीवार बनाई जाएगी, जिसके ऊपर तीन फीट का स्टील वायर भी लगाया जाएगा। यह दीवार परिसर की सुरक्षा को मजबूती प्रदान करेगी, खासकर आतंकी धमकियों और हमलों को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। इस दीवार के निर्माण से परिसर को जल, थल और नभ से सुरक्षित किया जाएगा। मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि यह दीवार सुरक्षा के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण होगी और इसके निर्माण में लगभग एक साल का समय लग सकता है। इसके अलावा राम जन्मभूमि परिसर में अंगद टीला के पास गिलहरी की मूर्ति भी स्थापित की जाएगी। रामचरितमानस के अनुसार, त्रेतायुग में गिलहरी ने भी राम के काज में अपना योगदान दिया था। उसी भावना को सम्मानित करते हुए यह मूर्ति स्थापित की जाएगी। मंदिर निर्माण समिति ने इस परियोजना को लेकर ट्रस्ट की अगली बैठक में सहमति की योजना बनाई है। सुरक्षा और श्रद्धा के प्रतीक के रूप में इन महत्वपूर्ण बदलावों के साथ, राम मंदिर परिसर अब और भी सुरक्षा-पूर्ण स्थल बनेगा।

कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में हिमपात, मैदानी इलाकों में बारिश

जम्मू (एजेंसी)। कश्मीर के ऊंचाई वाले कुछ इलाकों में बृहस्पतिवार को हिमपात हुआ, जबकि मैदानी इलाकों में बारिश हुई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी कश्मीर के बारामूला स्थित गुलमर्ग, बांदीपोरा के गुरेज और कुछ अन्य स्थानों पर रातभर हिमपात हुआ जो सुबह तक जारी रहा। उन्होंने बताया कि श्रीनगर सहित अधिकांश मैदानी इलाकों में मध्यम से भारी बारिश हुई। गुरेज में भारी हिमपात और हिमस्खलन के खतरे के कारण अधिकारियों ने 15 मार्च तक स्कूल बंद करने का आदेश दिया है। इस बीच मौसम विभाग ने रविवार सुबह तक अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और ऊंचाई वाले इलाकों में हिमपात का अनुमान जताया है। विभाग ने कहा कि इसके बाद मौसम में सुधार होने की संभावना है।

तेलंगाना : हैदराबाद और साइबराबाद में होली पर नहीं लगा सकते जबरन रंग, पुलिस ने जारी किया आदेश

हैदराबाद (तेलंगाना) (एजेंसी)। हैदराबाद पुलिस और साइबराबाद पुलिस ने होली के अवसर पर शहर और आसपास के क्षेत्रों में शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी आदेश जारी किया है। साइबराबाद कमिश्नर अविनाश मोहंती और हैदराबाद कमिश्नर सीवी आनंद द्वारा जारी आधिकारिक अधिसूचना के मुताबिक होली के त्योहार के दौरान सार्वजनिक सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर रंग या रंगीन पानी फेंकने की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा, अनिच्छुक व्यक्तियों पर रंग लगाने पर भी पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस दौरान सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर समूहों में दोपहिया और अन्य वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध रहेगा। इसका उद्देश्य शांति- व्यवस्था को बनाए रखना है, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा, परेशानी या खतरे से बचा जा सके। यह आदेश हैदराबाद में 13 मार्च 2025 की शाम 6 बजे से 15 मार्च 2025 की सुबह 6 बजे तक लागू रहेगा, जबकि साइबराबाद में यह पाबंदी 14 मार्च 2025 की सुबह 6 बजे से 15 मार्च 2025 की सुबह 6 बजे तक लागू होगी। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे इन नियमों का पालन करें और होली का त्योहार सुरक्षित और शांति से मनाएं। पुलिस का कहना है कि इन पाबंदियों का उद्देश्य सार्वजनिक सुरक्षा और शांति सुनिश्चित करना है, ताकि सभी लोग त्योहार का आनंद बिना किसी डर या परेशानी के ले सकें। होली के दौरान किसी भी प्रकार की अनुशासनहीनता से बचने के लिए पुलिस सक्रिय रूप से निगरानी रखेगी और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सभी लोगों से अनुरोध किया गया है कि वे इस आदेश का पालन करें और एक खुशहाल और सुरक्षित होली मनाएं।

सड़क हादसे में मुआवजा मृतक पर आर्थिक तौर पर निर्भर हर सदस्य को दें

-सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया ऐतिहासिक फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सड़क हादसे में मुआवजा मृतक पर आर्थिक तौर पर निर्भर हर सदस्य को मिलेगा। मामले में कानूनी प्रतिनिधित्व की संकीर्ण व्याख्या नहीं हो सकती है। शीर्ष अदालत ने हाल के फैसले में यह भी स्पष्ट किया कि कानूनी प्रतिनिधि वह व्यक्ति होता है, जो सड़क दुर्घटना में किसी शख्स की मृत्यु के कारण पीड़ित होता है और यह जरूरी नहीं कि केवल पत्नी, पति, माता-पिता या संतान ही हो। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की बेंच ने मामले की सुनवाई की जिसमें मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण (एमएसीटी) ने मुआवजा प्रदान करते समय मृतक के पिता और बहन को आश्रित नहीं माना था। एमएसीटी ने माना कि मृतक के पिता उनकी आय पर निर्भर नहीं थे और चूंकि पिता जीवित थे, इसकारण छोटी बहन को आश्रित नहीं मान सकते है। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने एमएसीटी के फैसले को बरकरार रखा था। जिसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट के सामने आया। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले को रद्द कर माना कि निचली अदालतों ने अपीलकर्ताओं को मृतक का आश्रित मानने से इंकार करके गलती की थी। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि मुआवजा केवल पति-पत्नी, माता-पिता या बच्चों तक सीमित नहीं है,बल्कि उन सभी व्यक्तियों तक विस्तार होता है जो मरने वाले के कारण प्रभावित हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मुआवजा राशि 17 लाख 52 हजार 500 तय कर दी।

तुष्टिकरण की राजनीति करने में जुटी ममता, सोनाझुरी हाट में होली के आयोजन पर रोक

शुभेंदु अधिकारी का आरोप, लोगों को कहा जा रहा होली नहीं खेलें

कोलकात (एजेंसी)। होली खुलकर खुशियां मनाने का त्यौहार है, लेकिन ममता सरकार ने बीरभूम जिले में स्थित शांतिनिकेतन में कार्यक्रम के आयोजन पर रोक लगा दी है। बंगाल सरकार ने सोनाझुरी हाट में होली के आयोजन पर यह कहकर रोक लगा दी है कि इससे वन क्षेत्र के ग्रीन बेल्ट को नुकसान होगा। सोनाझुरी हाट विश्व भारती के शांतिनिकेतन कैंपस में स्थित है, इस यूनेस्को से हेरिटेज साइट का दर्जा प्राप्त है। बोलपुर डिविजन के वन अधिकारी राहुल कुमार का कहना है कि इलाके में कई बैनर लगे हैं। इसमें लोगों से अपील की गई है कि वे बड़ी संख्या में यहां न जुटें। यहां वाहनों की पार्किंग न करें और होली भी न खेलें। अधिकारियों का कहना है कि होली का आयोजन बड़े पैमाने पर होने से हरित क्षेत्र को नुकसान की संभावना है।

वन अधिकारी कुमार ने कहा, वन विभाग पुलिस और प्रशासन की मदद से लोगों की भीड़ को जुटने से रोकेगा। लेकिन हम चाहते हैं कि लोग खुद ही अनुशासन दिखाएं। यहां बड़ी संख्या में न जुटें और परिसर में होली न खेलें। सेंट्रल यूनिवर्सिटी विश्व भारती के प्रवक्ता ने कहा कि होली के मौके पर लाखों लोगों के लिए कैंपस एरिया को खोला नहीं जा सकता। हमें ध्यान देना होगा कि इस जगह को यूनेस्को हेरिटेज साइट का दर्जा मिला है। वन अधिकारी ने कहा कि हम चाहते हैं कि सोनाझुरी के जंगलों को कोई नुकसान न पहुंचे।

हालांकि विवाद की स्थिति भी बन गई है। ऐसा पहली बार है, जब वन विभाग ने सोनाझुरी हाट में होली सेलिब्रेशन पर रोक लगा दी है। यह इलाका सोनाझुरी जंगल के तहत आता है। यहां हर साल ही लोग बड़ी संख्या में होली के मौके पर जुटते रहे हैं। वहीं ममता सरकार के फैसले पर राजनीति भी शुरू हो गई है। नेता विपक्ष शुभेंदु अधिकारी का कहना है कि यह किसी एक जगह पर नहीं हो रहा है। कई स्थानों पर बंगाल में यही स्थिति है। होली पर दूसरे समुदाय के लोगों को साथ लेकर मीटिंग की जा रही हैं। हर पुलिस थाने में बैठकें हो रही हैं।

शुभेंदु अधिकारी ने कहा, थाने में बैठकें हो रही हैं। यहां लोगों को बुलाकर कहा जा रहा है कि इस बार होली शुक्रवार को पड़ रही और रमजान का महीना है। इसलिए इस बार आप होली पर रंगों का इस्तेमाल न करें। बीरभूम के अडिशनल एसपी का कहना है कि शांतिनिकेतन में सुबह 10 बजे तक ही होली का सेलिब्रेशन कर लिया जाए क्योंकि जुमा भी है। ऐसा बंगाल में पहली बार हो रहा है। ममता बनर्जी का पुलिस प्रशासन राज्य में विभाजन कराने में जुटा है। तुष्टिकरण की राजनीति के लिए ऐसा किया जा रहा है।

सदीय समिति का केंद्र को सुझाव, आवारा पशुओं से होने वाले नुकसान को भी बीमा योजना में शामिल करे

नई दिल्ली । देश में संसदीय समिति ने मोदी सरकार को किसानों की भलाई के लिए एक अहम सुझाव दिया है। संसदीय समिति ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाय) में आवारा पशुओं से होने वाले नुकसान को भी शामिल करने का सुझाव दिया है। साथ ही फसल अवशिष्टों को जलाने पर रोक लगाने के लिए धान किसानों को 100 रुपये प्रति क्विंटल की वित्तीय सहायता देने की भी सिफारिश की गई है। संसदीय समिति ने मोदी सरकार को सुझाव दिया हैं कि दो हेक्टेयर तक की खेती वाले छोटे किसानों को मुफ्त अनिवार्य फसल बीमा देने की भी सिफारिश की है। कृषि, पशुपालन और खाद्य प्रसंस्करण पर गठित संसद की स्थायी समिति की रिपोर्ट लोकसभा में पेश की गई। समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि पीएमएफबीवाई का उद्देश्य प्राकृतिक आपदाओं, कीटों के हमलों और अन्य प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण फसल के नुकसान की स्थिति में किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। रिपोर्ट में समिति ने सुझाव दिया है कि आवारा पशुओं द्वारा फसलों को पहुंचाए गए नुकसान को पीएमएफबीवाई के तहत शामिल करने पर विचार हो, ताकि जिन किसानों की फसलें आवारा पशु नष्ट कर देते हैं, वे भी पीएमएफबीवाई के तहत मुआवजा पाने के हकदार हों। संसदीय समिति ने मोदी सरकार से राज्य सरकारों से निधि जारी करने में देरी और नुकसान के लिए अपर्याप्त मुआवजा जैसे मुद्दों को जल्द से जल्द हल करने के लिए कहा, ताकि योजना की प्रभावशीलता में सुधार हो सके।

2021 से अब तक तीन करोड़ से ज्यादा घरेलू पर्यटक असम आए: सीएम सरमा

गुवाहाटी, (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बुधवार को कहा कि पिछले चार साल में असम में पर्यटन में बेहतरीन वृद्धि हुई है और पिछले चार साल में तीन करोड़ से ज़्यादा घरेलू पर्यटक असम आए हैं।

सीएम सरमा ने कहा कि पर्यटकों की बढ़ती संख्या भारत में एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में असम की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाती है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सुंदरता और बेहतर बुनियादी ढांचे ने पर्यटकों को आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा, 'असम एक पसंदीदा पर्यटन स्थल बन गया है, जो पूरे देश से पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है।÷ सरमा ने कहा कि घरेलू पर्यटकों के अलावा 2021 से अब तक 60,000 से ज़्यादा विदेशी पर्यटकों ने असम का दौरा किया है। अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की बढ़ती आमद पर्यटन क्षेत्र में राज्य की वैश्विक मौजूदगी को और भी ज़्यादा दिखाती है।

मुख्यमंत्री ने इस वृद्धि के लिए कनेक्टिविटी बढ़ाने, सांस्कृतिक स्थलों को संरक्षित करने और इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई सरकारी पहलों को श्रेय दिया। अपने हरे-भरे परिदृश्यों, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान जैसे वन्यजीव अभ्यारण्यों और जीवंत त्योहारों के साथ असम लगातार देश में शीर्ष पर्यटन स्थल के रूप में पहचान बना रहा है। सरमा ने पहले कहा था कि पिछले साल यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व (केएनपीटीआर) में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के बाद पर्यटकों की संख्या में भारी वृद्धि देखी गई है।

पीएम मोदी देश के पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में एक रात बिताई है। उन्होंने लोकसभा चुनाव शुरू होने से पहले मार्च के महीने में वहां का दौरा किया था। उन्होंने पार्क में हाथी और जीप सफारी का आनंद लिया। उन्होंने वन कर्मचारियों से भी बातचीत की और उन्हें पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए कई सुझाव दिए। मुख्यमंत्री ने कहा, 'हाल के दिनों में, असम में पर्यटकों की संख्या में रिकॉर्ड वृद्धि देखी गई है, खासकर काजीरंगा में, जब प्रधानमंत्री मोदी विश्व धरोहर स्थल पर रात भर रुके थे।' असम सरकार ने हाल ही में काजीरंगा में एक लक्जरी होटल स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। सरमा ने दावा किया कि यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल में पर्यटकों की आमद बढ़ाने के लिए यह पहल की गई है।

पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का निरीक्षण करने पहुंची सीएम नीतिश

अधिकारियों से कहा, अब किसी भी तरह की देरी न हो

नई दिल्ली (एजेंसी)। पटना (ईएमएस)। पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का सीएम नीतीश कुमार ने गुरुवार को निरीक्षण किया। निर्माण कार्यों का सीएम नीतिश ने जायजा लिया। इस मौके पर उन्होंने अधिकारियों को जल्द से जल्द निर्माण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। जय प्रकाश इंटरनेशनल एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन के निर्माण पर कुल लागत 1400 करोड़ रुपए आएगी। नए टर्मिनल के तैयार होने के बाद पटना से इंटरनेशनल फ्लाइट भी शुरू होगी।

सीएम नीतीश ने कहा कि अगले एक महीने के अंदर सभी कामों को पूरा कर लिया जाए। ताकि यात्रियों को जल्द से जल्द सुविधा मिल सके। पटना एयरपोर्ट का विस्तार लंबे समय से आवश्यक था। यात्रियों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही थी। नए टर्मिनल के बनने से यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी और भीड़भाड़ की समस्या कम होगी। नई इमारत में सभी आधुनिक सुविधाओं को जोड़ा गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नया टर्मिनल पहले की तुलना में अधिक बड़ा और सुविधाजनक होगा। चेक इन काउंटर की संख्या बढेगी। यात्रियों के लिए वेटिंग एरिया को आरामदायक बनाया गया है। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है।

यहां कैफेटेरिया, आधुनिक लाउंज, और पार्किंग की बेहतर व्यवस्था की गई है। लंबे समय से यहां काम चल रहा है। अब निर्माण कार्य अंतिम चरण में हैं। सरकार और एयरपोर्ट अथॉरिटी ने मिलकर इस प्रोजेक्ट को जल्द से जल्द पूरा करने का लक्ष्य रखा है।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से समय सीमा के अंदर काम करने को कहा है। उन्होंने कहा कि अब किसी भी तरह की देरी न हो। यह एयरपोर्ट बिहार के लोगों के लिए बड़ी उपलब्धि होगी। जिससे राज्य की कनेक्टिविटी और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। समय-समय पर इसकी समीक्षा भी की जाएगी।

सीएम योगी ने लाउडस्पीकरों के इस्तेमाल को लेकर स्थायी समाधान निकालने के निर्देश दिए

वाराणसी। वाराणसी में कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकरों के इस्तेमाल को लेकर स्थायी समाधान निकलने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, उन्होंने होली पर डीजे की तेज आवाज पर भी सख्त दिखाने की बात कही हैं। बता दें कि योगी सरकार द्वारा धार्मिक स्थलों से अनावश्यक लाउडस्पीकरों को हटाने की मुहिम जारी है। अप्रैल 2022 से यूपी में व्यापक अभियान चलाकर लाउडस्पीकर उतारे जा रहे हैं। लखनऊ, मेरठ, मुरादाबाद, रामपुर, वाराणसी, गोरखपुर सहित प्रदेश के कई जिलों में यह कार्रवाई की गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक सीएम योगी ने वाराणसी में बैठक के दौरान होली जैसे त्यौहारों पर डीजे के तेज शोर पर भी ध्यान देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि धार्मिक और सार्वजनिक आयोजनों में ध्वनि स्तर को तय मानकों के अनुरूप रखा जाए, ताकि किसी को असुविधा न हो और कानून व्यवस्था बनी रहे। मुख्यमंत्री योगी ने वाराणसी में कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक के दौरान होली और होलिका दहन को लेकर विशेष सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अलग पहाड़ी राज्य की मांग पर अड़े कुकी, शांति वार्ता में आ रही अड़चनें

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में चल रही शांति वार्ता में एक बार फिर रुकावट आ गई है। कुकी समुदाय ने अपनी मांग दोहराते हुए कहा कि जब तक उनकी अलग पहाड़ी राज्य या संघ राज्य क्षेत्र की मांग पूरी नहीं होगी, तब तक वे किसी भी समझौते को नहीं मानेंगे। यह मांग केंद्र सरकार के लिए चुनौती बन गई है। पिछले कुछ दिनों में स्थिति तब और तनावपूर्ण हो गई, जब केंद्र ने 8 मार्च से राज्य में स्वतंत्र आवाजाही सुनिश्चित करने का आदेश दिया था। इसके बाद कुकी समुदाय के प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाबलों पर हमला कर दिया था। इस दौरान एक प्रदर्शनकारी की मौत हो गई और कई घायल हो गए थे। कुकी नेताओं का कहना है कि मेइती समुदाय के साथ सह-अस्तित्व अब संभव नहीं है और उनकी मांग पूरी होने तक वे सड़कों पर प्रदर्शन करते रहेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रदर्शन के दौरान कुकी बहुल कांगपोकपी जिले में 8 मार्च को मारे गए युवक का शव उसके परिवार को सौंप दिया है। प्रशासन का कहना है कि इससे जिले में जारी विरोध और सड़क अवरोध खत्म हो सकता है। हालांकि राज्य में स्थायी शांति की राह अभी दिखाई नहीं दे रही है। कूकी-जो समुदाय और केंद्र सरकार के वार्ताकार के बीच जारी बातचीत से ज्यादा उम्मीद नहीं है, क्योंकि कूकी-जो समुदाय अब भी अलग पहाड़ी राज्य की मांग पर अड़ा है। यह मांग संविधान के ढांचे के खिलाफ है, जिससे केंद्र सरकार इसे स्वीकार करने के पक्ष में नहीं है। अलग प्रशासनिक व्यवस्था पर सरकार की अनिच्छा सरकार कूकी-बहुल पहाड़ी इलाकों के लिए अलग प्रशासनिक व्यवस्था की मांग पर भी सहमति नहीं है, क्योंकि इससे अलग राज्य की मांग को और बल मिल जाएगा। इसके अलावा यह रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस सीमावर्ती राज्य में अलगाववादी प्रवृत्तियों को भी प्रोत्साहित कर सकता है। इसके बावजूद केंद्र सरकार मेइती और कूकी से संवाद जारी रखने के पक्ष में है। सरकार कूकी-जो समुदाय को संविधान के दायरे में ही किसी समाधान पर सहमत करने की कोशिश कर रही है, जिसमें उन्हें अधिक स्वायत्तता देना और उनकी विशिष्ट संस्कृति, विरासत और भाषा को संरक्षित करना शामिल हो सकता है।

सूत्रों के मुताबिक कांगपोकपी के जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक पिछले कुछ दिनों से कूकी-जो प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर रहे थे, ताकि वे मारे गए युवक का शव स्वीकार कर अंतिम संस्कार कर सकें। 8 मार्च को हुए संघर्ष में युवक की मौत के बाद कूकी-जो प्रदर्शनकारियों ने बंद का ऐलान किया था और सड़कों को जाम कर दिया था। मणिपुर पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मई 2023 में राज्य में जातीय हिंसा भड़कने के बाद लूटे गए कुल 4,500 हथियार अब वापस आ गए हैं। इनमें से करीब 1,050 हथियार विद्रोहियों ने राज्यपाल के आह्वान पर आत्मसमर्पण किए, जबकि बाकी हथियार पुलिस और सुरक्षा बलों द्वारा तलाशी अभियानों के दौरान जब्त किए गए। अब जब हथियारों को स्वेच्छा से सौंपने की राज्यपाल की समय सीमा समाप्त हो चुकी है, तो पुलिस और सुरक्षा बल इन हथियारों को बरामद करने के लिए तलाशी अभियान जारी रखेंगे।

चारधाम यात्रा रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 15 से होगी शुरु, आधार नंबर किया अनिवार्य

-रजिस्ट्रेशन के लिए अपने होटल की बुकिंग आदि का ब्योरा देने की जरूरत नहीं

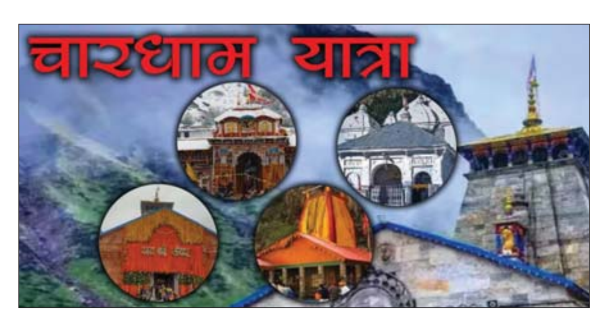

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड चारधाम यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पहले की तरह ही सामान्य रहेगी। यात्रियों को रजिस्ट्रेशन के लिए अपने होटल की बुकिंग आदि का ब्योरा देने की जरूरत नहीं। केदारनाथ-बदरीनाथ समेत चारों धामों के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 15 से 20 मार्च के बीच शुरू होगी। पर्यटन सचिव सचिन कुर्वे ने कहा कि रजिस्ट्रेशन के लिए आधार नंबर अनिवार्य है। रजिस्ट्रेशन को आधार से लिंक किया जाएगा। इससे यात्री की पहचान और संख्या की सही जानकारी मिल सकेगी।

मालूम हो कि पिछले कुछ समय से चारधाम यात्रा के रजिस्ट्रेशन को लेकर भ्रम की स्थिति थी। माना जा रहा था कि रजिस्ट्रेशन तभी होगा जब यात्री की चारधाम मार्ग पर रहने की पुख्ता व्यवस्था होगी। यात्रियों के लिए होटल की बुकिंग का ब्योरा भी रजिस्ट्रेशन में दर्ज करने की बात सामने आई थी। पर्यटन सचिव ने कहा कि रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया में इस प्रकार की कोई बाध्यता नहीं रखी गई है। रजिस्ट्रेशन के लिए पोर्टल जल्द शुरू किया जाएगा। उत्तराखंड में चार प्रमुख मंदिर और पर्यटन स्थलों में नए रोपवे के निर्माण का रास्ता साफ हो गया। उत्तरकाशी में रैथल बारसू, वरुणावत पर्वत, रुद्रप्रयाग में कार्तिकेय स्वामी मंदिर और टिहरी में कुंजापुरी मंदिर रोपवे प्रोजेक्ट की उपयुक्तता जांच में विशेषज्ञों ने हरी झंडी दे दी है।

पर्यटन सचिव ने इसकी पुष्टि की कि इन चारों प्रोजेक्ट पर काम किया जा रहा था। फिजीबिलिटी रिपोर्ट के सकारात्मक आने से इन प्रोजेक्ट पर आगे की कार्यवाही का रास्ता खुल गया है। इसके साथ ही केदारनाथ और हेमकुंड साहिब रोपवे प्रोजेक्ट के निर्माण एजेंसी के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जल्द ही उन्हें फाइनल कर दिया जाएगा। दून से मसूरी तक रोपवे प्रोजेक्ट सितंबर 2026 से पर्यटकों के लिए शुरू हो जाएगा। इस प्रोजेक्ट के तहत 26 टॉवर बनाए जाने हैं। यमुनोत्री रोपवे प्रोजेक्ट में बनने वाले नौ टॉवर में 5 टॉवर को दिसंबर अंत तक तैयार करने का लक्ष्य है। पूर्णगिरी मंदिर के रोपपे की जांच भी जारी है। नैनीताल रोपवे प्रोजेक्ट के लिए लैंड ट्रांसफर की एनओसी मिल गई है।

सरकार ने किए पासपोर्ट में कई बदलाव, माता-पिता के नाम की अनिवार्यता खत्म

-व्यक्ति की पहचान को आसान बनाने रंग-कोडिंग सिस्टम किया लागू

नई दिल्ली (एजेंसी)। पासपोर्ट आवेदन की प्रक्रिया में बड़े बदलाव हुए हैं, जिससे दस्तावेजी प्रक्रिया ज्यादा सख्त और सुरक्षित हो गई है। नए नियमों के तहत जन्म प्रमाण पत्र की अनिवार्यता, डिजिटल एड्रेस एम्बेडिंग और पासपोर्ट के रंग-कोडिंग जैसी नई शर्तें लगाई गई हैं। इसके अलावा माता-पिता के नाम की अनिवार्यता भी खत्म कर दी गई है, जिससे कई आवेदक राहत महसूस करेंगे।

नए नियमों के मुताबिक 1 अक्टूबर 2023 या उसके बाद जन्म लेने वाले सभी नागरिकों के लिए जन्म प्रमाण पत्र अनिवार्य किया गया है। यह प्रमाण पत्र नगर निगम, जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रार या जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम 1969 के तहत मान्यता प्राप्त संस्था द्वारा जारी होना चाहिए। हालांकि 1 अक्टूबर 2023 से पहले जन्मे लोगों के लिए अन्य दस्तावेज विकल्प के रूप में मान्य होंगे, जिनमें सरकारी सेवा रिकॉर्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र और मैट्रिक सर्टिफिकेट शामिल हैं।

पासपोर्ट में अब आवेदकों का स्थायी पता पासपोर्ट के आखिरी पेज पर नहीं छापा जाएगा। इसके बजाय यह जानकारी डिजिटल रूप से एक बारकोड में एम्बेड होगी, जिसे जरूरत पड़ने पर इमिग्रेशन अधिकारी स्कैन कर सकेंगे। यह बदलाव सुरक्षा और निजता को ध्यान में रखते हुए किया गया है, जिससे व्यक्तिगत जानकारी के दुरुपयोग की संभावना कम हो जाएगी। सरकार ने पासपोर्ट की पहचान को आसान बनाने के लिए रंग-कोडिंग लागू की गई है। नए नियमों के तहत, सफेद रंग का पासपोर्ट सरकारी अधिकारियों को, लाल रंग का राजनयिकों के लिए, जबकि आम नागरिकों के लिए नीले रंग का पासपोर्ट जारी किया जाएगा।

इसके अलावा माता-पिता के नाम की अनिवार्यता भी खत्म कर दी गई है। पहले पासपोर्ट के आखिरी पेज पर माता-पिता का नाम छापा जाता था, लेकिन अब यह अनिवार्य नहीं होगा। यह बदलाव विशेष रूप से उन लोगों के लिए फायदेमंद होगा जो सिंगल पैरेंट परिवारों से आते हैं या जिनके माता-पिता अलग हो चुके हैं। सरकार पासपोर्ट सेवा केंद्रों की संख्या बढ़ाने जा रही है। मौजूदा 442 सेवा केंद्रों की संख्या अगले पांच सालों में बढ़ाकर 600 कर दी जाएगी। इसके लिए विदेश मंत्रालय और डाक विभाग के बीच हुए समझौते को भी आगे बढ़ाया गया है, जिससे पासपोर्ट सेवाएं ज्यादा तेज और सुगम हो सकेंगी।